@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 9 मार्च 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 119 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

आधी आबादी को राष्ट्रपति ने दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 8 मार्च। आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर देश और दुनिया समाज में महिलाओं के योगदान को नमन कर रहे हैं। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी शुभकामनाएं दीं। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं को नमन किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि हम महिला दिवस के मौके पर नारी शक्ति को नमन करते हैं। प्रधानमंत्री ने लिखा कि

हमारी सरकार हमेशा से नारी सशक्तिकरण की दिशा में काम करती रही है और ये हमारी योजनाओं में भी दिखाई देता है। आज जैसा कि मैंने वादा किया था कि मेरा सोशल मीडिया प्रोफाइल महिलाओं द्वारा संभाला जाएगा, जो आज विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर महिला दिवस के मौके पर एक वीडियो भी साझा किया। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिला दिवस के मौके पर साझा संदेश में लिखा कि आज हम महिलाओं के योगदान और उनकी उपलब्धियों का जश्न मना रहे हैं। हम महिलाओं के अधिकारों, समानता और सशक्तिकरण के लिए ठोस प्रयास करने का भी संकल्प लेते हैं। हमारी बहनें और बेटियां अब सीमाओं को लांघ रही हैं। हम महिलाओं को उनकी यात्रा में समर्थन देने का संकल्प लें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पीछे न छूट जाए, वे विभिन्न क्षेत्रों में नए रास्ते बना रही हैं। साथ मिलकर, हम एक लैंगिक समानता वाली दुनिया बना सकते हैं जहां महिलाएं बिना किसी डर के अपने सपनों को पूरा कर सकें।

नारी सम्मान, विकसित भारत की पहली सीढ़ी: पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नवसारी (गुजरात), 8 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात के नवसारी में लखपति दीदियों से संवाद किया। पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर वानसी बोरसी गांव में 25,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की 2.5 लाख से अधिक महिलाओं को 450 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता वितरित की। संवाद के बाद पीएम मोदी ने रोड शो भी किया। नवसारी में आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मेरी जिंदगी के अकाउंट में करोड़ों माताओं-बहनों का आशीर्वाद है, मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। माताओं-बहनों का आशीर्वाद मेरी सबसे बड़ी ताकत है, मेरी पूंजी है और मेरा सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। नारी का सम्मान विकसित भारत की पहली सीढ़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज यहां गुजरात सफल और गुजरात मैत्री, इन दो योजनाओं का शुभारंभ भी हुआ है। अनेक योजनाओं के पैसे भी महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। मैं इसके लिए भी आप सभी को बधाई देता हूं। आज का दिन महिलाओं को समर्पित है। प्रधानमंत्री ने कहा %मुस्लिम महिलाओं की मांग थी कि उन्हें सुरक्षा दी जाए तो मुस्लिम महिला (शादी में सुरक्षा का अधिकार) कानून, 2019 के तहत उनकी जिंदगी को बर्बाद होने से बचाया गया। जब कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू था तो वहां महिलाओं को कई अधिकारों से वंचित रखा गया था। अगर वे राज्य से बाहर शादी करतीं तो उन्हें संपत्ति में अधिकार नहीं मिलता था। अनुच्छेद 370 हटने के बाद अब उन्हें भी देश की अन्य महिलाओं की तरह समान अधिकार हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को शौचालय (इज्जत घर) देकर हमने उन्हें सम्मान दिया। महिलाओं के बैंक खाते खोलकर उनका सशक्तिकरण किया गया। उज्जवल योजना से उन्हें स्वास्थ्य लाभ दिया गया। पहले महिलाओं को 12 हफ्ते का मातृत्व अवकाश मिलता था, लेकिन हमने उसे बढ़ाकर 26 हफ्ते किया। पीएम मोदी ने कहा कि हम सबको ये देखकर गर्व होता है कि आज दुनिया में सबसे बड़ी संख्या में महिला पायलट, हमारे भारत में हैं। ये नारीशक्ति के सामर्थ्य का ही उदाहरण है। राजनीति का मैदान हो या खेल का मैदान, न्यायपालिका हो या फिर पुलिस, देश के हर सेक्टर में, हर आयाम में

महिलाओं का परचम लहरा रहा है। 2014 के बाद से अब तक करीब 3 करोड़ महिलाएं घर की मालकिन बन चुकी हैं। आज पूरी दुनिया में जल जीवन मिशन की भी बड़ी चर्चा है। जल जीवन मिशन के जरिए आज देश के गांव-गांव में पानी पहुंच रहा है। गांधी जी कहते थे कि देश की आत्मा ग्रामीण भारत में बसती है। आज मैं उसमें एक पंक्ति और जोड़ता हूं कि ग्रामीण भारत की आत्मा ग्रामीण नारी के सशक्तिकरण में बसती है।% नवसारी के वानसी-बोरसी में हुए कार्यक्रम में सभी व्यवस्थाएं महिला पुलिस कर्मी व कर्मचारियों के हवाले रहीं। कुल 2,165 कांस्टेबल, 187 इंस्पेक्टर, 61 सब-इंस्पेक्टर, 19 डीएसपी, पांच डीएसपी, एक पुलिस महानिरीक्षक और एक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रैंक की अधिकारियों ने पीएम मोदी के पूरे कार्यक्रम की जिम्मेदारी संभाली। सरकारी सूत्रों के मुताबिक यह कार्यक्रम पुलिसिंग के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर है, क्योंकि कानून और व्यवस्था के सभी पहलुओं के साथ-साथ कार्यक्रम की व्यवस्था महिला पुलिस अधिकारी के हाथों में रही। पीएम मोदी ने इससे पहले गुजरात को 2,587 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात भी दी।

महिला समृद्धि योजना को दिल्ली कैबिनेट की मंजूरी

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 8 मार्च। दिल्ली कैबिनेट ने महिला दिवस पर महिला समृद्धि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपये का आवंटन मंजूर किया है। जिसके तहत महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये मिलेंगे। इसका एलान भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को किया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि मैं कहता हूं कि जिस घर में नारी का सम्मान नहीं है, वो घर आगे बढ़ नहीं सकता। जिस देश में नारी का सम्मान नहीं है, वो देश आगे नहीं बढ़ सकता। नरेंद्र मोदी ने इस बात को समझा और महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का काम किया। जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में संबोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री और भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आज हमारी सरकार का फोकस पर है। प्रधानमंत्री मोदी नारी सशक्तिकरण के ध्येय साथ देश को आगे

बढ़ा रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब नारीशक्ति का विकास होता है, तो दुनिया का विकास होता है। इसलिए नारीशक्ति को भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा मूलरुप में मानकर आगे चला है। नड्डा ने कहा कि दिल्ली में यदि महिला का साथ न मिलता तो दिल्ली में जीत संभव नहीं हो सकता है। महिला दिवस पर महिला सशक्ति को नमन करता हूं और दिल्ली की महिलाओं को नमन करते हुए धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाने में बहुत बड़ा योगदान किया है। ये जीत महिलाओं के आशीर्वाद और सहयोग से ही संभव हो पाया है। जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में भाजपा के दिल्ली महिला मोर्चा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि केवल भाजपा में ही महिलाओं का सम्मान होता है।

ट्रंप के भारत के टैरिफ में कटौती के दावे पर जयराम रमेश का हमला

नई दिल्ली, 8 मार्च। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि भारत टैरिफ में कटौती के लिए तैयार हो गया है। इसे लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। कांग्रेस ने कहा कि ट्रंप के दावे पर पीएम मोदी को संसद को विश्वास में लेना चाहिए। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सवाल उठाया कि क्या भारतीय किसानों और निर्माताओं के हितों से समझौता किया जा रहा है? एक्स पर पोस्ट में जयराम रमेश ने लिखा कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अमेरिकियों के साथ व्यापार पर बातचीत करने के लिए वाशिंगटन डीसी में हैं। इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने यह दावा किया। मोदी सरकार ने क्या सहमति जताई है? क्या भारतीय किसानों और भारतीय विनिर्माण के हितों से समझौता किया जा रहा है? प्रधानमंत्री को 10 मार्च को संसद को विश्वास में लेना चाहिए।

धर्मांतरण करवाने वालों को होगी फांसी की सजा: सीएम मोहन यादव

भोपाल, 8 मार्च। मध्यप्रदेश में धर्मांतरण करवाने वालों को फांसी की सजा दी जाएगी। सूबे के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस बात का एलान किया है। मोहन यादव ने कहा, धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के माध्यम से हम प्रावधान कर रहे हैं कि जो धर्मांतरण करवाएंगे, उनके लिए हमारी सरकार के द्वारा फांसी का प्रावधान किया जा रहा है। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 1.27 करोड़ महिलाओं के खाते में करीब 1552.73 करोड़ और 26 लाख महिलाओं के खातों में गैस रीफिलिंग के लिए 55.95 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाली कई महिलाओं को राष्ट्रमाता पद्मावती पुरस्कार (2023), राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार (2023-24), रानी अवंती बाई वीरता पुरस्कार (2024) और श्री विष्णु कुमार महिला एवं बाल कल्याण समाज सेवा सम्मान पुरस्कार (2024) से सम्मानित किया। राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कंवेंशन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में हितग्राही महिलाओं ने अपने अनुभव भी सुनाए। इस मौके पर मोहन यादव ने कहा कि मासूम बच्चियों से दुराचार के मामलों में सरकार अत्यंत कठोर है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है। ताकि जो लोग मासूमों के साथ जोर-जबरदस्ती या बहला-फुसलाकर दुराचार करेंगे, उन्हें जीवन जीने का अधिकार न मिले। साथ ही धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम में भी बदलाव करते हुए अब धर्मांतरण कराने वालों के लिए भी फांसी की सजा का प्रावधान किया जाएगा।

देश निर्माण के लिए 100 फीसदी महिला साक्षरता जरूरी: लोकसभा अध्यक्ष बिरला

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 8 मार्च। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर भारत की प्रगति में महिलाओं की भागीदारी की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने शासन, विज्ञान, रक्षा, शिक्षा और उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाओं के नेतृत्व पर जोर दिया। बिरला शनिवार को संसद भवन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। लोकसभा अध्यक्ष ने इस दौरान निर्णय लेने वाली भूमिकाओं में महिलाओं की बढ़ती मौजूदगी की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है और महिलाएं जमीनी स्तर के लोकतंत्र से राष्ट्रीय शासन तक बदलाव ला रही हैं। भारतीय लोकतंत्र के ढांचे में अग्रणी भूमिका निभाने वाली महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डालते हुए बिरला ने संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि वे आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। ओम बिरला ने कहा कि देश संविधान के 75 वर्ष पूरे कर रहा है और ऐसे में लैंगिक समानता और समावेशी शासन की नींव रखने में महिलाओं के प्रयासों को महत्व देने की जरूरत है। इस दौरान उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों पर बात की। विशेष रूप से रक्षा क्षेत्र में महिलाओं को आगे बढ़ते देखा जा सकता है जहां अब वे अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं। साथ ही लड़ाकू विमान उड़ाने और नौसेना के

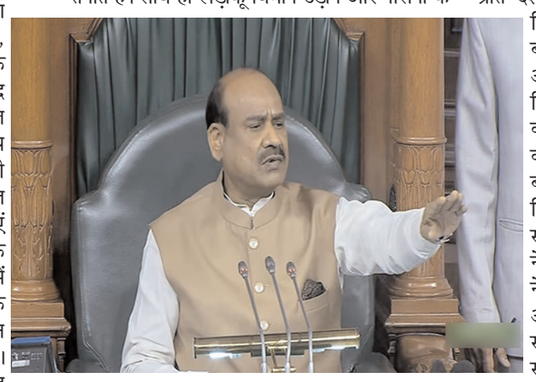

अभियानों में भी उनका नेतृत्व बढ़ा है। भारत के अंतरिक्ष मिशनों और वैज्ञानिक प्रगति में महिलाओं की भूमिका पर बिरला ने कहा कि नारी शक्ति ने विज्ञान के क्षेत्र में देश को कई बड़ी उपलब्धियां दिलाई हैं। इसके साथ ही उन्होंने हाल ही में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को भारतीय लोकतंत्र का एक ऐतिहासिक सुधार बताया। उन्होंने कहा कि यह नए संसद भवन में पारित हुआ पहला कानून है जो लैंगिक समानता के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह कानून विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाएगा और नीति निर्माण व शासन में उनकी अधिक भागीदारी सुनिश्चित करेगा। ओम बिरला ने 100 प्रतिशत महिला साक्षरता हासिल करने के महत्व पर भी जोर दिया और शिक्षा को महिला सशक्तिकरण की आधारशिला बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा तक समान पहुंच के बिना सच्ची लैंगिक समानता हासिल नहीं की जा सकती है। बिरला ने 2025 को महिलाओं की आत्मनिर्भरता और नेतृत्व के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर बिरला ने संसदीय लोकतंत्र अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) और राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) द्वारा आयोजित संविधान सभा की महिला सदस्यों पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। संसद भवन परिसर में आयोजित यह प्रदर्शनी भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित की गई है।

कांग्रेस में नेताओं की कमी नहीं, कई बब्बर शेर, लेकिन बंधे हुए: राहुल गांधी

तेजिन्दर कौर बब्बर

अहमदाबाद, 8 मार्च। राहुल गांधी ने आज अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों लगे पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित किया। राहुल ने कई चौंकाने वाली टिप्पणियां कीं और अपनी ही पार्टी को आईना दिखाया। राहुल गांधी ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी को 20-30 लोगों को निकालना भी पड़े तो इसमें किसी तरह की हिचकिचाहट नहीं होनी चाहि। कांग्रेस सांसद राहुल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में कई बब्बर शेर हैं। लेकिन पार्टी में दो गुट हैं। एक जनता के साथ है, जबकि दूसरा जनता से दूर है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए राहुल ने कहा, उन्हें ये बात स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं है कि गुजरात प्रदेश कांग्रेस के नेता दिशा दिखाने में असफल रहे। इससे पहले राहुल ने अहमदाबाद के कार्यकर्ता सम्मेलन में महिला कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उन्हें महिला दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। राहुल ने कहा कि कल वरिष्ठ नेताओं, जिला और ब्लॉक अध्यक्षों से मुलाकात की। बकौल राहुल गांधी, मेरा लक्ष्य था- आपके दिल की बातें जानना और समझना था। इस बातचीत में संगठन, गुजरात की राजनीति और यहां की सरकार के कामकाज से जुड़ी बहुत सी बातें सामने

आईं। लेकिन मैं यहां सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लिए नहीं आया हूं, बल्कि प्रदेश के युवाओं, किसानों, महिलाओं और छोटे व्यापारियों के लिए आया हूं। राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात में कांग्रेस के संगठनों में कई तरह का विभाजन है। उन्होंने कहा कि एक जनता की इज्जत करता है, जनता के मुद्दों के लिए आवाज उठाता है, उसके दिल में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा है। दूसरा गुट जनता की इज्जत नहीं करता है। इसके लोग भाजपा से मिले हुए हैं। राहुल के इतना कहते ही पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जमकर उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इन दोनों तरह के पार्टी नेताओं को जब तक अलग-अलग नहीं किया गया, यहां की जनता कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर सकती। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में नेताओं की कमी नहीं है। बब्बर शेर हैं, लेकिन पीछे से चेन लगी है और बब्बर शेर बंधे हुए हैं। एक मेरी बैठक हो रही थी, जिसमें एक कार्यकर्ता ने कहा कि दो तरीके के घोड़े होते हैं, एक होता है रेस का और दूसरा होता है बारात का। कांग्रेस पार्टी बारात के घोड़े को रेस में, और रेस के घोड़े को बारात में डाल देती है। अब गुजरात की जनता भी ये देख रही है कि रेस में बारात के घोड़े डाले हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि पहला काम हमें ये करना है कि हमें पार्टी के भीतर जो गुटबाजी है, उसे अलग करना है और इसके लिए 20-30 लोगों को निकालना पड़े तो निकाल देना चाहिए।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन पर जानलेवा हमला

रांची, 8 मार्च। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के बड़े बेटे स्व. दुर्गा सोरेन की पत्नी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी, भाजपा नेत्री सीता सोरेन पर जानलेवा हमला हुआ। जानकारी के अनुसार, सीता सोरेन अपने परिवार के साथ धनबाद में एक शादी समारोह में शामिल होने पहुंची थीं। इसी दौरान सरायढेला स्थित एक होटल में बातचीत के दौरान उनके पीए देवाशीष मनोरंजन घोष ने उन पर पिस्तौल तान दी और जान से मारने की कोशिश की। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमलावर को दबोच लिया और पुलिस को सौंप दिया। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा नेत्री सीता सोरेन शादी समारोह में शामिल होने के बाद सरायढेला स्थित एक होटल में अपने परिवार के साथ ठहरी थीं। वहां वह विधानसभा चुनाव में हुए खर्च को लेकर चर्चा कर रही थीं, तभी उनके पीए देवाशीष मनोरंजन घोष के साथ कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर देवाशीष ने गुस्से में आकर गैर-लाइसेंसी पिस्तौल निकाल ली और सीता सोरेन पर तान दी। गनीमत रही कि सुरक्षाकर्मियों ने समय रहते हस्तक्षेप किया और उसे काबू में कर लिया। हमले के बाद सीता सोरेन ने कहा कि वह इस घटना से आहत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव के समय से ही उनके खिलाफ साजिश रची जा रही थी और देवाशीष मनोरंजन घोष इसका मोहरा था।

महाराणा प्रताप ने स्वदेश और स्वधर्म की रक्षा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया: सीएम योगी

नरेश मल्होत्रा

नोएडा, 8 मार्च। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज ग्रेटर नोएडा में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए जनता को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के बलिदान और राष्ट्रभक्ति की मिसाल को याद करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप ने स्वदेश और स्वधर्म की रक्षा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के जीवन से हमें राष्ट्र के प्रति समर्पण और संघर्ष की प्रेरणा मिलती है। सीएम योगी ने कहा कि हल्दीघाटी का युद्ध महाराणा प्रताप को एक महानायक के रूप में स्थापित करता है। मात्र 20 हजार सैनिकों के साथ उन्होंने मुगल सम्राट अकबर की लाखों की सेना का सामना किया। उन्होंने कहा कि अकबर और औरंगजेब कभी भी भारत के नायक नहीं हो सकते, क्योंकि उन्होंने राष्ट्र की आत्मा को आघात पहुंचाने का कार्य किया। सीएम ने कहा कि स्वतंत्र भारत में राष्ट्र नायकों की प्रेरणा के बल पर ही हम आगे बढ़ रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करने के लिए कुछ लोग लगातार षड्यंत्र करते रहते हैं। उन्होंने महाकुंभ को बदनाम करने की साजिश का जिक्र करते हुए कहा कि इस बार कुंभ में 66 करोड़ 30 लाख श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने कहा कि हमारी आस्था भी अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेशी यह समझने में असमर्थ हैं कि भारत के मथुरा, काशी और अयोध्या में क्या हो रहा है। होली के अवसर पर जब वे सबको एक साथ उमंग और उत्साह से रंगों में सराबोर देखते हैं, तो वे चकित रह जाते हैं। सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रदेश में 1500 करोड़ रुपये के निवेश की योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम किया है। इससे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा में डेटा सेंटर बनने से 1000 युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी कंपनियों के निवेश से हजारों लोगों को नौकरियां मिलने की संभावना है। इसके अलावा शारदा यूनिवर्सिटी में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने 14 उद्यमियों को चेक वितरित किए और दादरी में 100 बेड का अस्पताल, खेल

स्टेडियम, आईटीआई और बाईपास के निर्माण की घोषणा की। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाया गया है। उन्होंने महाकुंभ का उदाहरण देते हुए कहा कि इतने बड़े आयोजन में एक भी लूट, अपहरण या डकैती की घटना नहीं हुई। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश भगवान राम, कृष्ण और महादेव की भूमि है और यही कारण है कि यहां अब विकास की वर्षा हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब पहचान और सुरक्षा का संकट नहीं है। बेटियां सुरक्षित महसूस कर रही हैं और आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार किसान हितैषी नीतियों को लागू कर रही है जिससे प्रदेश के किसानों के जीवन में खुशहाली आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेवर में बन रहा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और फिल्म सिटी प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। उन्होंने बताया कि इस जिले में पूरे देश के 65त्न मोबाइल का निर्माण किया जा रहा है, जिससे यहां के लोगों को रोजगार मिल रहा है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन में उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे अग्रणी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है ताकि युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार मिल सके। अंत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को महिला दिवस और होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सरकार हर वर्ग के विकास के लिए समर्पित है और प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

हिमानी हत्याकांड में दूध का दूध करेंगे, चिंता मत करो: मुख्यमंत्री नायब सैनी

रोहतक (हरियाणा), 8 मार्च। कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी हत्याकांड में पुलिस की जांच से असंतुष्ट हिमानी की मां सविता व भाई जतिन को भाजपा के पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने शनिवार को रोहतक पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिलवाया। सीबीआई जांच की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि, चिंता मत करो, दूध का दूध और पानी का पानी करेंगे। मुख्यमंत्री

को दी शिकायत में सविता ने कहा कि उसकी बेटी हिमानी वैश्य कालेज रोहतक की द्वितीय वर्ष लॉ की छात्रा थी। 28 फरवरी को उसकी हत्या कर शव सांपला के पास फेंक दिया गया। पुलिस ने सचिन नाम के युवक को गिरफ्तार किया है, लेकिन वह पुलिस की जांच से संतुष्ट नहीं है। क्योंकि उसकी बेटी की हत्या किसी बड़े षड्यंत्र के तहत की गई है। मामले की सीबीआई जांच करवाई जाए। ताकि जो लोग उसकी बेटी की हत्या व हत्या की साजिश में शामिल हैं, उनको दंड मिल सके। उसके एक बेटे की 2011 में हत्या हो चुकी है। सविता ने कहा कि उसकी आर्थिक हालत भी कमजोर है। बेटा जतिन बेरोजगार है। उसे सरकारी नौकरी दी जाए। एसपी ने मौके पर ही पुलिस अधिकारियों को बुलाकर कहा कि हिमानी मां ने परिवार को खतरा बनाया है। साथ ही साजिश की बात कही है। मामले की गहराई से जांच कर मुझे रिपोर्ट दें। परिवार को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। एसपी को कहें, अगर बाहर से जांच करवानी है तो वह करवा लें। हिमानी हत्याकांड के पीछे कौन और हैं, सबको बाहर लेकर आएं। जो आरोपी पकड़ा गया है, उससे पूछा क्या उसे किसने कहा कि हिमानी की हत्या करने के लिए। परिवार जांच से संतुष्ट होना चाहिए।

ताइवान के नाम पर परेशानी भड़काना जापान के लिए मुश्किलों की वजह बन सकता है : चीन

बीजिंग । चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा, 'ताइवान के नाम पर परेशानी भड़काना जापान के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।' उन्होंने जापान में उन 'कुछ लोगों' को चेतावनी दी जो इतिहास पर विचार करने से इनकार करते हैं और गुप्त रूप से ताइवान के अलगाववादियों के साथ मिलीभगत करते हैं। ग्लोबल टाइम्स रिपोर्ट के मुताबिक वांग ने यह टिप्पणी 14वीं नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के तीसरे सत्र के अवसर पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में चीन-जापान संबंधों पर क्योडो न्यूज के एक प्रश्न के उत्तर में की। वांग ने कहा कि एक-चीन सिद्धांत चीन-जापान संबंधों की राजनीतिक नींव है। हालांकि, जापान में कुछ लोग इस इतिहास पर विचार करने से इनकार करते हैं और ताइवान अलगाववादियों के साथ गुप्त रूप से सांठगांठ करते हैं। चीनी विदेश मंत्री ने कहा उन्हें याद रखना चाहिए कि ताइवान के नाम पर परेशानी भड़काना जापान के लिए परेशानी को आमंत्रित करना है। चीनी शीर्ष राजनयिक ने इस बात पर जोर दिया कि 2025, जापानी आक्रमण के खिलाफ चीनी जन प्रतिरोध की जीत की 80वीं वर्षगांठ का वर्ष है। उन्होंने कहा, इतिहास को याद रखने से भविष्य को बेहतर ढंग से आकार दिया जा सकता है।

अमेरिका और यूक्रेन अगले सप्ताह सऊदी अरब में करेंगे शांति वार्ता : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और यूक्रेन अगले सप्ताह सऊदी अरब में वार्ता शुरू करेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट में यह घोषणा की। जेलेंस्की ने कहा, अगले सप्ताह, सोमवार को, क्राउन प्रिंस से मिलने के लिए मेरी सऊदी अरब यात्रा की योजना है। उसके बाद, मेरी टीम हमारे अमेरिकी साझेदारों के साथ काम करने के लिए सऊदी अरब में रहेगी। यूक्रेन शांति में सबसे अधिक रुचि रखता है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि अगले सप्ताह सऊदी अरब में यूक्रेन के साथ बैठक की योजना बनाई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति समझौते की रूपरेखा और शुरुआती युद्धविराम के लिए कीव के साथ चर्चा चल रही है। विटकॉफ ने कहा कि पिछले व्हाइट हाउस में हुई दुर्भाग्यपूर्ण बैठक के बाद जेलेंस्की के पत्र से ट्रंप खुश हैं। उन्होंने कहा, उन्हें (ट्रंप को) लगा कि जेलेंस्की का पत्र एक बहुत ही सकारात्मक कदम था। इसमें माफी मांगी गई। इसमें यह स्वीकृति थी कि अमेरिका ने यूक्रेन के लिए बहुत कुछ किया है। साथ ही इसमें कृतज्ञता की भावना थी। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह संभवतः अगले डेढ़ महीने में सऊदी अरब का दौरा करेंगे, लेकिन उन्होंने तारीख का ऐलान नहीं किया।

रियायत के बाद हमने भी अमेरिकी सामानों पर जवाबी टैरिफ को फिलहाल किया स्थगित : कनाडा

ओटावा । कनाडा के वित्त मंत्री डोमिनिक लेब्लांक ने कहा कि कनाडा 2 अप्रैल तक अमेरिकी सामानों पर दूसरे दौर के टैरिफ को रोक देगा। लेब्लांक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, संयुक्त राज्य अमेरिका ने कनाडा से (कनाडा-अमेरिका-मेक्सिको समझौता) अनुरूप निर्यात पर टैरिफ को 2 अप्रैल तक निलंबित करने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने बताया, कनाडा 2 अप्रैल तक अमेरिकी उत्पादों पर 125 अरब कनाडाई डॉलर के दूसरे चरण के टैरिफ को लागू नहीं करेगा, जबकि हम सभी टैरिफ को हटाने के लिए काम करते रहेंगे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग मंत्री फ्रेंकोइस-फिलिप शैम्पेन ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के कनाडा और मेक्सिको के कुछ सामानों पर टैरिफ को 2 अप्रैल तक टालने के बावजूद कनाडा के प्रतिशोधात्मक उपाय जारी रहेंगे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, कनाडा के आधे से ज्यादा आयात इसके दायरे में नहीं आते और संभवतः उन्हें अभी भी नए टैरिफ का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि वे यूएसएमसीए के अनुरूप नहीं हैं। सीटीवी न्यूज में शैम्पेन के हवाले से कहा गया, ÷जब तक खतरा बना रहेगा, दबाव बना रहेगा। प्रधानमंत्री इस बारे में स्पष्ट हैं। इसे कारगर बनाने का एकमात्र तरीका दबाव बनाए रखना है।

दक्षिण कोरिया : यून की गिरफ्तारी रद्द करने की याचिका स्वीकार, अदालत का राष्ट्रपति को रिहा करने का आदेश

सोल । दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक योल की गिरफ्तारी रद्द करने की याचिका स्वीकार कर ली। इसके साथ ही उन्हें हिरासत से रिहा करने का आदेश दिया। यून को सोल के दक्षिण में उइवांग में एक हिरासत केंद्र में रखा गया है। 3 दिसंबर को मार्शल लॉ की घोषणा के जरिए विद्रोह को भड़काने के आरोप में उन्हें 15 जनवरी को वहां लाया गया था। बता दें राष्ट्रपति यून के महाभियोग मुकदमे में जल्द फैसेले का ऐलान होने वाला है। इसे लेकर संवैधानिक न्यायालय के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। पिछले महीने के अंत में कोर्ट ने 3 दिसंबर को मार्शल लॉ घोषित करने के मामले में यून के खिलाफ महाभियोग की सुनवाई पूरी कर ली और जल्द ही यह फैसला सुनाएगा कि उन्हें पद से हटाया जाए या नहीं। फैसला सुनाए जाने की सुनवाई की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। यदि यून को औपचारिक रूप से पद से हटा दिया जाता है, तो 60 दिनों के भीतर एक त्वरित चुनाव होगा। अगर महाभियोग खारिज हो जाता है, तो यून तुरंत अपने कर्तव्यों को फिर से शुरू कर देंगे। बता दें राष्ट्रपति यून ने 03 दिसंबर की रात को दक्षिण कोरिया में आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा की, लेकिन संसद द्वारा इसके खिलाफ मतदान किए जाने के बाद इसे निरस्त कर दिया गया। मार्शल लॉ कुछ घंटों के लिए ही लागू रहा।

पाकिस्तान ने अफगानी शरणार्थियों को 31 मार्च तक देश छोड़ने को कहा, अप्रैल से शुरू होगा जबरन निर्वासन

एजेंसी

इस्लामाबाद। अवैध शरणार्थियों के खिलाफ पाकिस्तान भी अमेरिका की तरह सख्त कदम उठाने जा रहा है। पाकिस्तान ने अवैध शरणार्थियों और अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों को 31 मार्च तक देश छोड़कर जाने को कहा है। निर्धारित समय के भीतर अगर उन्होंने स्वेच्छा से पाकिस्तान नहीं छोड़ा तो उन्हें 1 अप्रैल से जबरन निर्वासित किया जाएगा। यह निर्णय सरकार के अवैध विदेशी वापसी कार्यक्रम (आईएफआरपी) का हिस्सा है, जो शहबाज शरीफ सरकार ने 1 नवंबर 2023 से लागू किया था। समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने घोषणा की है कि सभी अफगान नागरिकता कार्ड धारकों और अवैध विदेशी नागरिकों को 31 मार्च 2025 तक देश छोड़ना होगा। जो लोग इस समय सीमा के भीतर स्वेच्छा से वापस नहीं लौटेंगे, उनके 1 अप्रैल 2025 से जबरन निर्वासन

की प्रक्रिया शुरू होगी। गृह मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि निष्कासन की प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार का दुर्व्यवहार नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान अपनी सीमा में हो रहे आतंकवादी हमलों और अपराधों के लिए लगातार अफगान नागरिकों को दोषी ठहरा रहा है। इन आरोपों के आधार पर साल 2023 में पाकिस्तान सरकार ने अवैध अफगान शरणार्थियों को वापस भेजने का अभियान शुरू किया था। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक 2023 के बाद से अब तक 8 लाख से अधिक अफगानी पाकिस्तान से अफगानिस्तान लौट चुके हैं। पाकिस्तान ने लगभग 2.8 करोड़ अफगान शरणार्थियों को शरण दी है। अफगानिस्तान में पिछले 40 साल से जारी संघर्षों के दौरान ये शरणार्थी अलग-अलग समय पर पाकिस्तान पहुंचे हैं। खास बात यह है कि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद लाखों अफगान नागरिकों ने पड़ोसी देशों का रुख किया जिनमें सबसे ज्यादा संख्या में पाकिस्तान और ईरान पहुंचे। पाकिस्तान में पहले से ही लगभग 30 लाख अफगान शरणार्थी थे, जो 80 के दशक में आए थे। तालिबान की वापसी के बाद 6 लाख से अधिक नए शरणार्थी पाकिस्तान पहुंचे।

दोबारा गृहयुद्ध की चपेट में आता सीरिया, सुरक्षाबल व असद समर्थकों में खूनी संघर्ष

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया एकबार फिर गृहयुद्ध की चपेट में है। देश के नये शासन और पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद समर्थकों के बीच गुरुवार को शुरू हुआ खूनी संघर्ष लगातार जारी है। इस टकराव में अबतक करीब 200 लोगों की जान जा चुकी है। दिसंबर में विद्रोहियों ने असद को सत्ता से हटा दिया था, जिसके बाद से पहली बार सीरिया में हिंसा का यह दौर शुरू हुआ है। 14 साल तक गृहयुद्ध की आग में जले सीरिया में पिछले साल तब शांति का दावा किया जा रहा था जब इस्लामी समूह हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व वाले विद्रोही समूह ने देश की सत्ता पर कब्जा कर लिया। पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद ने देश छोड़कर रूस में शरण ली। हालांकि चंद महीने बाद ही दोबारा हिंसा शुरू हो गई।

समाचार एजेंसी सना के मुताबिक सरकारी सुरक्षा बलों ने तटीय शहर जबलेह के पास एक वांछित व्यक्ति को हिरासत में लेने की कोशिश की और असद समर्थकों ने इसका विरोध करते हुए सुरक्षाबलों पर हमला कर दिया।

जिसके बाद से सुरक्षा बल के जवान, पूर्व राष्ट्रपति असद समर्थकों पर हमले कर रहे हैं। खासतौर पर उन इलाकों में सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई चल रही है जहां असद समर्थक और उनके परिवार का गढ़ है। सीरिया के तटीय प्रांत लातकिया में सुरक्षा बलों और बंदूकधारियों के बीच ऐसा ही खूनी टकराव हुआ जिसमें 70 लोगों की मौत हो गई।

नेपाल की ओली सरकार ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र को अपने दायरे में रहने की दी नसीहत

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की बढ़ती सक्रियता और देशभर में उनके पक्ष में सड़कों पर हो रहे प्रदर्शन के बीच केपी शर्मा ओली की सरकार ने उन्हें अपने दायरे में रहने की नसीहत दी है। सरकार ने कहा है कि अब देश में राजतांत्रिक व्यवस्था का लौटना संभव नहीं है।लोकतंत्र को समाप्त करने की साजिश की जाएगी तो किसी भी कीमत पर उसको सफल नहीं होने दिया जाएगा।

कुछ दिनों पहले नेपाल के प्रजातंत्र दिवस के अवसर पर पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र ने देशवासियों के नाम वीडियो संदेश जारी करते हुए उन्हें समर्थन देने की अपील की थी। इसके बाद से ही उनके समर्थक दल देशभर में प्रदर्शन कर रहे हैं। राजधानी काठमांडू सहित कई शहरों में हुए प्रदर्शन के बाद इस पर सरकार ने अब प्रतिक्रिया दी है।नेपाल सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने पत्रकार वार्ता में कहा कि पूर्व राजा और उनके समर्थकों द्वारा सड़क पर उछलकूद करने से देश में राजतंत्र

दोबारा स्थापित नहीं हो सकता है। उन्होंने पूर्व राजा को चेतावनी देते हुए कि उनको अपने दायरे में रहना चाहिए। पूर्व सूचना तथा संचार मंत्री रहे गुरुंग ने कहा कि यदि देश में लोकतंत्र को समाप्त करने की साजिश की जाएगी तो किसी भी कीमत पर उसको सफल नहीं होने दिया जाएगा। पूर्व राजा के पक्ष में बढ़ते जनसमर्थन पर कटाक्ष करते हुए सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि देशवासियों को पूर्व राजा के झांसे में नहीं आना चाहिए। जो व्यक्ति अपने परिवार और दरबार की सुरक्षा नहीं कर सकता, उसे देश की सुरक्षा के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि नेपाल एक उदार लोकतांत्रिक देश है। इसके कारण पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह सम्मान और सरकारी सुरक्षा के साथ देश में रह रहे हैं।

बांग्लादेश में कुछ भी मुमकिन : आवामी लीग नेता के घर पर हमले से लोगों में नाराजगी

एजेंसी

ढाका । ढाका के एक पॉश इलाके में इस सप्ताह की शुरुआत में आवामी लीग के एक नेता के घर पर आधी रात को हुए हमले के बाद से लोग खासे नाराज हैं। पुलिस की निष्क्रियता और राजनीति से प्रेरित हमलों को लेकर वे मोहम्मद युनूस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर निशाना साध रहे हैं। यह घर तनवीर इमाम का था। वह एच टी इमाम के बेटे हैं, जो अपदस्थ बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के सलाहकार थे। बुधवार को 100 से ज्यादा लोगों की भीड़ [जिसमें मुख्यतः छात्र बताए जा रहे हैं] ने फ्लैट में तोड़फोड़ की। उन्होंने आरोप लगाया कि घर अंदर अवामी लीग के कार्यकर्ता छिपे हुए हैं और आसपास कहीं अवैध हथियारों और नकदी का एक बड़ा जखीरा भी छिपा हुआ है। हालांकि, तलाशी के बाद उन्होंने कुछ नहीं मिलने की बात स्वीकार की। सोशल मीडिया पर युवाओं के नेतृत्व में भीड़ द्वारा अवामी लीग विरोधी नारे लगाने और इमारत में तोड़फोड़ करने के वीडियो वायरल हो गए। ढाका पुलिस ने बाद में कहा कि उसने घटना के सिलसिले में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है, लेकिन कई लोगों ने दावा किया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को तथाकथित 'तलाशी अभियान' के बारे में पहले से ही पता था और वे इसे पहले ही रोक सकते थे।

भीड़ का नेतृत्व बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ सदस्य कर रहे थे, जिन्हें कथित 'खुफिया जानकारी' मिली थी कि अवामी लीग के नेताओं ने अपने घर में हथियारों का जखीरा छिपा रखा है। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट बीडीन्यूज24 ने रिपोर्ट के

मुताबिक कुछ घंटों बाद उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ भी नहीं मिला। इस घटना पर बांग्लादेशी मानवाधिकार कार्यकर्ता आसिफुर रहमान चौधरी ने एक्स पर लिखा, 'फिल्मी अंदाज में, उन्होंने अपार्टमेंट का दरवाजा तोड़ा, घर में घुसे और सबकुछ लूट लिया। अब, कोई पूछ सकता है- राजधानी के एक पॉश इलाके में ऐसा कैसे संभव है? बांग्लादेश में, इन दिनों कुछ भी संभव है क्योंकि सरकार खुद ही ऐसी हरकतों को सही ठहराती है।'

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : बांग्लादेश में बढ़ रही महिलाओं के खिलाफ हिंसा, चौंकाने वाले आंकड़ों ने खोली यूनुस सरकार की पोल

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के आंकड़ों ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत देश की गंभीर वास्तविकता को उजागर किया है। विश्व शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना रहा है, लेकिन बांग्लादेश के हालात परेशान करने वाले हैं।बांग्लादेश महिला परिषद की अध्यक्ष फौजिया मोस्लेम ने कहा, समाज अराजकता की ओर बढ़ रहा है, जहां आपराधिक दंड से मुक्ति बढ़ रही है। कानून प्रवर्तन की नाकामी, जवाबदेही की कमी अपराधियों को मजबूत बना रही है। प्रमुख बांग्लादेशी समाचार पत्र द डेली स्टार से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यदि पूरा समाज जागरूक नहीं हुआ तो इस संकट से निपटना बेहद मुश्किल होगा।

फौजिया मोस्लेम ने कहा, 'न्याय की जगह बातचीत ने ले ली है, जिससे महिलाओं के अधिकारों का विरोध करने वालों और व्यवस्था का शोषण करने वालों को अधिक शक्ति मिल रही है।' उन्होंने कहा कि आत्मसंतुष्टि, अधिकारियों की चुप्पी, [जिसमें नेतृत्वकारी भूमिका में महिलाएं भी शामिल हैं], और कानून के प्रति सामान्य उपेक्षा, ये सभी महिलाओं के प्रति बढ़ती दुश्मनी को बढ़ावा दे रहे हैं। देश में कानून व्यवस्था की हालत पिछले अगस्त में सत्ता परिवर्तन के बाद से बेहद खराब है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भी बढ़ोतरी

दर्ज की गई है। ढाका स्थित मानवाधिकार सांस्कृतिक फाउंडेशन (एमएसएफ) की एक रिपोर्ट से पता चला है कि फरवरी 2025 में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा की 295 घटनाएं दर्ज की गईं, जो जनवरी की तुलना में 24 अधिक हैं। देश के प्रमुख दैनिक 'द ढाका ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, रिपोर्ट में कहा गया कि इस्लामी कट्टरपंथी समूह, आतंकवादी और अन्य चरमपंथी तत्व इन घटनाओं में स्पष्ट भूमिका निभाते हैं, जिससे महिलाओं की सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा होता है।

विभिन्न व्यवसायों से जुड़ी कुल 21 महिलाओं ने स्थानीय मीडिया को बताया कि पिछले तीन महीनों में उन्हें घर के बाहर यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। ढाका में रहने वाली 19 से 48 वर्ष की आयु की इन महिलाओं ने सड़क पर उत्पीड़न के कई मामलों की सूचना दी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें डर है कि विरोध करने पर वे भीड़ का निशाना न बन जाए। ढाका स्थित मानवाधिकार संगठन ऐन ओ सलीश केंद्र के अनुसार, फरवरी में देश में 46 महिलाएं बलात्कार की शिकार हुईं। पीड़ित 22 18 वर्ष से कम आयु की थीं। जनवरी में यह संख्या 39 थी, जिसमें 15 नाबालिग शामिल थीं। बांग्लादेश में हाल के महीनों में विरोध प्रदर्शनों में उछाल देखा गया है। गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी के इस्तीफे की मांग बढ़ रही है जिन्हें कई लोग देश में बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए जिम्मेदार मानते हैं।

पाक-अफगान तोरखम सीमा पर तनाव, बॉर्डर नहीं खुलने से बढ़ सकती है काबुल की परेशानी, यूएस एजेंसी की चेतावनी

एजेंसी

काबुल । विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने चेतावनी दी कि तोरखम सीमा के बंद रहने से, आने वाले हफ्तों में अफगानिस्तान में खाद्य पदार्थों की कीमत बढ़ने की संभावना है, जिससे व्यापार प्रवाह बाधित हो सकता है और आर्थिक कठिनाइयां बढ़ सकती हैं। अमू टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक डब्ल्यूएफपी ने एक बयान में कहा कि निर्माण गतिविधियों को लेकर विवाद की वजह से बॉर्डर 22 फरवरी से बंद है जिसके कारण जरूरी चीजों, विशेष रूप से खाद्य आपूर्ति की आवाजाही रुक गई है और 5,000 मालवाहक ट्रक फंस गए हैं।डब्ल्यूएफपी के नवीनतम बाजार विश्लेषण के अनुसार, पिछले सप्ताह अफगानिस्तान में खाद्य पदार्थों की कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव देखा गया। चावल और चीनी की कीमतों में मामूली वृद्धि हुई है, जबकि अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट आई है, जिसका मुख्य कारण अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अफगानी मुद्रा में 0.8फीसदी की वृद्धि है। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में, बाजार के रुझान मिश्रित बने हुए हैं - कुछ खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन खाना पकाने के तेल और नमक की कीमतें काफी अधिक बनी हुई हैं। डब्ल्यूएफपी ने चेतावनी दी कि विस्तारित सीमा बंद होने से खाद्य आयात में और बाधा आ सकती है, जिससे दीर्घकालिक मुद्रास्फीति दबाव बढ़ सकता है। लाखों अफगान पहले से ही खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। एजेंसी ने बाजार स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए स्थिर व्यापार मार्गों की आवश्यकता पर जोर दिया।

ईरान ने ब्रिटिश राजदूत को तलब किया, 'तेहरान विरोधी' रुख पर जताया विरोध

एजेंसी

तेहरान । ईरान ने ब्रिटेन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा हाल ही में अपनाए गए 'तेहरान विरोधी' रुख के खिलाफ ब्रिटिश राजदूत ह्यूगो शॉर्टर को तलब किया।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि ब्रिटिश दूत को ब्रिटिश अधिकारियों के ईरान के खिलाफ लगाए गए निराधार आरोपों पर विरोध जताने के लिए बुलाया गया।ईरानी विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में कहा, ब्रिटिश दूत को वरिष्ठ ब्रिटिश अधिकारियों के ईरान के बारे में निराधार दावों और उनके इस आरोप के खिलाफ विरोध जताने के लिए बुलाया गया था कि तेहरान ब्रिटेन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना चाहता है। बैठक के दौरान, सहायक विदेश मंत्री अलीरेजा यूसुफी ने ब्रिटिश अधिकारियों के रुख की आलोचना करते हुए कहा, 'ब्रिटिश

अधिकारियों के पक्षपाती रुख और निराधार दावे अंतर्राष्ट्रीय कानून और कूटनीतिक मानदंडों के खिलाफ हैं, और इससे ईरानी लोगों में ब्रिटेन की नीतियों के प्रति अविश्वास बढ़ेगा।' उन्होंने ब्रिटिश सरकार से अपील की, 'ईरानी राष्ट्र के प्रति अपने असंरचनात्मक दृष्टिकोण (अनकंस्ट्रक्टिव अपरोच) पर पुनर्विचार करें और इसे संशोधित करें। साथ ही इस बैठक के दौरान ईरानी विदेश मंत्रालय के सहायक मंत्री अलीरेजा यूसुफी ने ब्रिटिश अधिकारियों से अपील की कि वे अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करें और इसे अधिक संरचनात्मक और कूटनीतिक बनाएं। ब्रिटिश राजदूत ह्यूगो शॉर्टर ने कहा कि वह अपनी सरकार को ईरान के विरोध से अवगत कराएंगे। इससे पहले, ब्रिटेन की संसद में ब्रिटिश सुरक्षा मंत्री डैन जार्विस ने बयान दिया था, मैं पूरे ईरानी राज्य को, जिसमें उसकी खुफिया सेवाएं, इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स और खुफिया मंत्रालय शामिल हैं, आगामी फॉरेन इंफ्लूएंस रजिस्ट्रेशन स्कीम में रखूंगा। उन्होंने यह भी कहा, ब्रिटेन में लक्ष्यों के खिलाफ ईरान द्वारा प्रत्यक्ष कार्रवाई हाल के वर्षों में बढ़ी है, और आरोप लगाया कि ईरान असंतुष्टों, मीडिया संगठनों और पत्रकारों को निशाना बना रहा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाघेई ने इन दावों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और ब्रिटेन से अपने असंरचनात्मक दृष्टिकोण को बदलने की अपील की।

दक्षिण कोरिया : फाइटर जेट ने अपने ही इलाकों में गिराए बम, 15 नागरिकों सहित 29 घायल

एजेंसी

सोल । दक्षिण कोरिया में एक फाइटर जेट ने नागरिक क्षेत्रों में गलती से बमबारी की जिसमें कई लोग घायल हो गए। दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस सप्ताह के शुरू में एक उत्तरी गांव में हुई इस बमबारी में 15 नागरिकों सहित कुल 29 लोग घायल हो गए हैं। दो केएफ-16 लड़ाकू विमानों ने सोल से लगभग 40 किलोमीटर उत्तर में पोचियोन में एक प्रशिक्षण रेंज के बाहर लाइव-फायर अभ्यास के दौरान %असामान्य रूप से% आठ एमके-82 बम गिराए, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग घायल हो गए और इमारतों को नुकसान पहुंचा। मंत्रालय ने बताया कि बमबारी में 15 नागरिक और 14 सैन्यकर्मी घायल हो गए, जिनमें छह विदेशी भी शामिल हैं। इनमें से दो दक्षिण कोरियाई नागरिक गंभीर रूप से घायल हुए हैं।बयान के मुताबिक घायल हुए छह विदेशियों में चार थाई, एक नेपाली और एक म्यांमार का नागरिक शामिल है। इन सभी को मामूली चोटें आई हैं।

मंत्रालय के अनुसार, सात नागरिकों, जिनमें एक थाई और एक म्यांमार नागरिक शामिल हैं, और दो सैनिकों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। तीन बमों पास के सैन्य अड्डे के अंदर गिरे जिसके चलते कुछ सैन्यकर्मी घायल हो गए। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कार्यवाहक रक्षा मंत्री किम सोन-हो ने दुर्घटना के लिए माफी मांगी। क्षतिग्रस्त संपत्ति की मरम्मत करने और मुआवज़ा प्रदान करने के लिए हरसंभव प्रयास करने का वचन दिया गया। उन्होंने एक बयान में कहा, ÷पूरी जांच के माध्यम से, (हम) दुर्घटना के कारण को स्पष्ट रूप से निर्धारित करेंगे और ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक उपाय करेंगे। मंत्रालय ने नोगोक-री के बमबारी वाले गांव में बचाव प्रयासों का समर्थन करने के लिए एक तदर्थ समिति का गठन किया गया है। इस बीच, बमबारी के प्रति अपेक्षाकृत धीमी प्रतिक्रिया के लिए सेना की आलोचना हो रही है। घटना के एक मिनट बाद रिपोर्ट मिलते ही अग्निशमन अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की। लेकिन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ को घटना पर अपनी पहली रिपोर्ट करीब 20 मिनट तक नहीं मिली। एक प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए वायुसेना के एक अधिकारी ने बताया कि पायलट की गलती से यह बमबारी हुई, क्योंकि उड़ान भरने से पहले जेट पायलटों में से एक ने लक्ष्य के निर्देशांक गलत तरीके से दर्ज किए थे।

रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने रात में 31 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया

एजेंसी

मॉस्को। रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रात रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने 31 यूक्रेनी ड्रोन को रोक दिया और उन्हें नष्ट कर दिया। मंत्रालय ने कहा,कल रात ड्यूटी पर तैनात वायु रक्षा प्रणालियों ने 31 यूक्रेनी मानव रहित हवाई वाहनों को रोका और उन्हें नष्ट कर दिया।इसने कहा कि क्रास्नोडार क्षेत्र में 26 ड्रोन, ब्रांस्क क्षेत्र में तीन तथा लेनिनग्राद और यारोस्लाव क्षेत्रों में एक-एक ड्रोन को मार गिराया गया।

ट्रेन दुर्घटना के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ लाया गया एक और अविश्वास प्रस्ताव गिरा

एजेंसी

एथेंस । ग्रीस की घातक ट्रेन दुर्घटना की दूसरी वर्षगांठ के एक सप्ताह बाद, प्रधानमंत्री काइरियाकोस मित्सोताकिस की सरकार के खिलाफ इस मुद्दे पर लाया गया एक और अविश्वास प्रस्ताव गिर गया।

प्रस्ताव पर मतदान तीन दिनों की बहस के बाद हुआ। विपक्षी दलों ने 2023 की रेल दुर्घटना से निपटने के सरकार के तरीके की तीखी आलोचना की। विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ प्रशासन पर रेलवे क्षेत्र में व्यवस्थागत मुद्दों को हल करने में नाकाम रहने और पीड़ित परिवारों को पर्याप्त सहायता प्रदान नहीं करने का आरोप लगाया। यह दूसरी बार है जब सरकार को इस दुर्घटना की वजह से अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा। 28 मार्च, 2024 को भी विपक्षी दलों ने इसी तरह का प्रस्ताव पेश किया, जिसमें सरकार पर रेलवे प्रणाली में सुधार की उपेक्षा करने का आरोप लगाया गया। संसद में मित्सोताकिस की न्यू डेमोक्रेसी (एनडी) पार्टी के बहुमत से वह प्रस्ताव भी गिर गया था। यह दुखद हादसा 28 फरवरी, 2023 को मध्य ग्रीस के टेंपी के पास हुआ था। हादसे में 57 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोग घायल हुए थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना से जनता में व्यापक आक्रोश फैला। पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए, रेलवे सुरक्षा सुनिश्चित करने में सरकार की नाकामी से लोग खासे नाराज थे। चार विपक्षी दलों ने बुधवार को संयुक्त रूप से अविश्वास प्रस्ताव पेश किया, जिसमें सरकार पर दुर्घटना की जांच को ठीक से न करने और वादा किए गए सुधारों को पूरा करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया गया।मजबूत विपक्ष के बावजूद, सत्तारूढ़ एनडी पार्टी ने प्रस्ताव को गिराने के लिए अपने संसदीय बहुमत का इस्तेमाल किया। 300 संसद सदस्यों (एमपी) में से 293 ने 'रोल-कॉल' वोट में भाग लिया। 157 ने प्रस्ताव के खिलाफ और 136 ने पक्ष में मतदान किया। सभी एनडी सदस्यों ने सरकार के समर्थन में मतदान किया, जबकि प्रत्येक विपक्षी सांसद ने अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष वोटिंग की। मित्सोटाकिस ने समापन भाषण में अपनी सरकार के कार्यों का बचाव किया। उन्होंने रेलवे सुरक्षा में सुधार के लिए उठाए गए कदमों पर जोर दिया, जैसे कि नई तकनीकें शुरू करना, कर्मचारियों के प्रशिक्षण को बढ़ाना और दुर्घटना के कारणों की गहन जांच करना। हालांकि, मित्सोताकिस के भाषण से विपक्षी दलों या जनता का गुस्सा शांत नहीं हुआ। बहस के दौरान, नेआ एरिस्टेरा (न्यू लेफ्ट) पार्टी से मान्यता प्राप्त पांच लोगों ने गैलरी से पर्चे फेंककर और नारे लगाकर सत्र को बाधित किया। पिछले त्रासदी की दूसरी वर्षगांठ के बाद से, ग्रीस और विदेशों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जिसमें सरकार से जवाबदेही और अधिक प्रभावी सुधारों की मांग की गई। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एथेंस और थेसालोनिकी में झड़पें हुईं, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान संसद के बाहर गैसोलीन बम और फ्लेयर्स फेंके।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बांसुरी स्वराज ने करोल बाग में 'जन औषधि केंद्र' का किया दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज ने 'जन औषधि दिवस' के मौके पर करोल बाग में 'जन औषधि केंद्र' का दौरा किया। उन्होंने बताया कि यह प्रधानमंत्री की दूरदर्शी परियोजना है। बांसुरी स्वराज ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में लगभग 15 हजार 'जन औषधि केंद्र' खोले गये हैं। यह केंद्र लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली और सस्ती दवाइयां उपलब्ध कराने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह जन औषधि केंद्र सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने के साथ रोजगार का भी फायदा देता है। उन्होंने बताया कि जन औषधि केंद्र में दो हजार से ज्यादा अच्छी गुणवत्ता की सस्ती दवा मिलती है। बांसुरी स्वराज ने कहा कि सरकार इन केंद्रों को फ्रेंचाइजी के आधार पर खोलने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन प्रदान करती है। यह विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों, महिलाओं, पूर्व सैनिकों और दलितों के लिए एक बड़ा अवसर है।

पश्चिमी विक्षोभ का दिल्ली में नहीं दिखेगा असर, तापमान में होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दिल्ली और आसपास के शहरों में हवा की रफ्तार थमने के साथ ही अगले कुछ दिनों के दौरान तापमान में बढ़ोतरी के संकेत हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले 5 दिनों तक गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। दिल्ली का अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री दर्ज किया गया। दिल्ली में 11 मार्च को अधिकतम तापमान 34 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. सोमा सेन रॉय ने मीडिया को बताया कि 9 मार्च को एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसका ज़्यादातर असर पहाड़ी राज्यों पर होगा, जहां 9-13 मार्च के बीच हल्की आंधी और बारिश होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत में पूर्वी लहर के मज़बूत होने की वजह से, 10-11 मार्च के आसपास भारी बारिश की संभावना है, ख़ास तौर पर तमिलनाडु, दक्षिण प्रायद्वीपीय क्षेत्र में आंधी-तूफ़ान की गतिविधि होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि मध्य भारत में तापमान में काफ़ी वृद्धि हुई है। कोंकण गोवा में आज और कल के लिए गर्म और उमस भरी स्थिति के लिए चेतावनी जारी की जा रही है। फिर उसके बाद अगले 3 दिन, 9 से 11 मार्च तक लू चलेगी। ये स्थिति 10-11 मार्च के आसपास थोड़े दिन के लिए मध्य महाराष्ट्र में आएगी। सोमा सेन ने बताया कि उत्तर भारत में मौसम में ज़्यादा बदलाव नहीं होने का अनुमान है। 9 मार्च से पहाड़ों में बर्फबारी और बारिश होने की संभावना है।

कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह की बैठक 10 को, बजट सत्र में पार्टी के रुख पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह की बैठक 10 मार्च को होगी। इसमें बजट सत्र के शेष भाग के लिए पार्टी के रुख पर चर्चा की जाएगी। इससे पहले बजट सत्र के दौरान 13 फरवरी को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 10 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। बजट सत्र के दौरान संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट पेश की गई, जिसे लेकर विपक्ष ने खूब हल्ला हंगामा किया। दोनों सदनों में केंद्रीय बजट पर भी बहस पूरी की गई, जिसमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जवाब दिया। वक्फ संशोधन विधेयक पर विपक्षी सदस्यों ने जब उनके सुझावों को दरकिनार करने का आरोप लगाया तो शोर शराबे के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगर विपक्ष के असहमति नोट रिपोर्ट में जोड़े जाते हैं तो सरकार का इस पर कोई विरोध नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के विवादों को उचित संसदीय प्रक्रिया में शामिल किया जाए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नया आयकर विधेयक 2025 पेश किया, जिसका मकसद कर कानूनों को सरलीकरण करना और अधिक सुस्पष्टता प्रदान करना है। पूर्व निर्धारित शेड्यूल के अनुसार अब संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही 10 मार्च को फिर से शुरू होगी और बजट सत्र 4 अप्रैल तक चलेगा।

सांप्रदायिकता के खिलाफ थे स्वामी विवेकानंद, भाजपा सिर्फ दिखावा करती है : संदीप दीक्षित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भाजपा सांसदों ने नेम प्लेट पर सड़क का नाम 'तुगलक लेन' की जगह 'विवेकानंद मार्ग' कर दिया है। इस मामले को लेकर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की तरफ से हर नाम का इस्तेमाल करना केवल एक दिखावा है। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने बातचीत में कहा, 'आप अपनी तरफ से कोई भी नाम लिखवा लें, उससे नाम नहीं बदल जाता है। मैं भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से पूछता हूं कि जब वे स्वामी विवेकानंद का नाम इस्तेमाल कर रहे हैं तो क्या वे उनके बारे में जानते हैं? विवेकानंद सांप्रदायिकता के खिलाफ थे और हर धर्म को बराबर मानते थे। सर्वधर्म समभाव की बात करते थे और इस देश में शांति तथा सभी को बराबरी से देखते थे। वह जाति व्यवस्था के खिलाफ थे और एक ऐसा देश बनाना चाहते थे, जहां पर सभी धर्म समान हों और सब एक साथ रहें। उन्होंने कहा कि हैरानी की बात है कि भाजपा के लोग किसी भी व्यक्ति के नाम का इस्तेमाल कर लेते हैं और उन्हें कोई खबर नहीं है कि उनके विचार क्या थे। भारतीय जनता पार्टी की तरफ से हर नाम का इस्तेमाल करना केवल एक दिखावा है। संदीप दीक्षित ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में होली विवाद पर कहा, मैं इतना कहूंगा कि हर धर्म को अधिकार है कि वह अपना-अपना पर्व मनाएं और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए।

वेस्ट बैंक में मिले 10 भारतीय श्रमिकों के मामले में इजराइल के सम्पर्क में भारतीय दूतावास

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने वेस्ट बैंक में 10 भारतीय श्रमिकों के मिलने की पुष्टि करते हुए उन्हें इजराइल लाए जाने की पुष्टि की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां साप्ताहिक ब्रीफिंग में कहा कि इजराइली सरकार के अधिकारियों ने वेस्ट बैंक में निर्माण क्षेत्र में कार्यरत इन भारतीय श्रमिकों को खोजा है और उन्हें इजराइल वापस लाने में मदद की है। जायसवाल ने कहा कि फिलहाल इस मामले की जांच की जा रही है और उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए भारतीय दूतावास इजराइल के अधिकारियों के साथ सम्पर्क में है।

इससे पहले इजराइली अधिकारियों के हवाले से कहा गया था कि इजराइल ने बंधक बनाए गए गए 10 भारतीय मजदूरों को वेस्ट बैंक से छुड़ाया है। इन भारतीय मजदूरों को वेस्ट बैंक के एक गांव से बचाया गया, जहां पासपोर्ट छीन लिये जाने के बाद से उन्हें करीब एक महीने से बंधक बनाकर रखा गया था।'टाइम्स ऑफ इजराइल' के एक समाचार के मुताबिक इन श्रमिकों को जनसंख्या और

इमीग्रेशन अथॉरिटी ने इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) और न्याय मंत्रालय के साथ मिलकर चलाए गए एक रात्रिकालीन अभियान में बचाया। सभी मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फिलिस्तीनी काम देने का वादा करके इन सभी को अल-जायेम गांव में ले गये और फिर उनके पासपोर्ट छीन कर उन्हें बंधक बना लिया। फिलिस्तीनियों ने भारतीय नागरिकों के पासपोर्ट का इस्तेमाल कर इजराइल में दाखिल होने की कोशिश की। इजराइली रक्षा बलों ने एक सीमा चौकी पर इन संदिग्धों को रोक कर पूछताछ की तो भारतीय मजदूरों को बंधक बनाए जाने की भनक लगी। बताया जाता है कि पिछले एक साल में निर्माण उद्योग में काम करने के लिए बड़ी संख्या में भारतीय मजदूर इजराइल पहुंचे हैं।

विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन का समापन, समावेशी जलवायु कार्रवाई के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता पर रहा जोर

नई दिल्ली। तीन दिनों की गहन चर्चा, रणनीतिक नीति संवादों और साहसिक वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बाद, द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) द्वारा आयोजित विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन 2025 के 24वें संस्करण का समापन हुआ। सम्मेलन में स्थिरता और जलवायु लचीलेपन के लिए वैश्विक एजेंडे को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। समापन सत्र में जटिल सतत विकास चुनौतियों और पर्यावरणीय चिंताओं के समाधान में सहयोगी साझेदारी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। अंतिम दिन के पहले सत्र की शुरुआत टेरी के अध्यक्ष नितिन देसाई के उद्घाटन संबोधन के साथ हुई, जिन्होंने दीर्घकालिक पर्यावरणीय और विकासात्मक प्रभाव को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न हितधारकों के बीच निरंतर संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, सतत विकास दो ज्ञान समुदायों-विकास समुदाय और पर्यावरण समुदाय के बीच सेतु का कार्य करता है। यही सततता की वास्तविक चुनौती है: हम विकास कैसे प्राप्त करें और साथ ही पर्यावरण की रक्षा कैसे करें? यह एक आसान कार्य नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना जे. मोहम्मद ने अपने विशेष 'वैश्विक

नेतृत्व' (वीडियो संदेश) में संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक जलवायु कार्रवाई के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया और सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, भूख बढ़ रही है, और हमने अब तक के सबसे गर्म वर्षों को देखा है, जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर लगातार बढ़ रहा है। लेकिन हमें आशा नहीं छोड़नी चाहिए या अपनी महत्वाकांक्षाओं को कमजोर नहीं करना चाहिए। अब समय आ गया है कि हम लोगों, ग्रह और समृद्धि के लिए एसडीजी को बचाने की योजना को आगे बढ़ाएं।

इस अवसर पर यूएन ईपी की गुडविल एम्बेसडर अभिनेत्री दिया मिर्ज़ा ने कहा कि उन्होंने जलवायु चुनौतियों से निपटने में व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों की शक्ति को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आगे का रास्ता आसान नहीं होगा। चुनौतियां आयेंगे, संदेह के क्षण भी होंगे। लेकिन यदि हम एकजुट होकर काम करें, न्याय, समानता और स्थिरता के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहें, तो मुझे विश्वास है कि हम इस अवसर का सामना आवश्यक तत्परता और संकल्प के साथ कर सकते हैं। अब एक्ट फॉर अर्थ आंदोलन की जरूरत है। यह केवल पुनर्चक्रण या पेड़ लगाने के बारे में नहीं है, बल्कि हमें पृथ्वी से फिर से जुड़ने के लिए प्रेरित करने वाला एक आंदोलन है। यह हमारी पसंद को इस तरह से निर्धारित करने का आह्वान करता है, जिससे हम अपने ग्रह की रक्षा कर सकें और पर्यावरणीय प्रभाव को कम कर सकें।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने साहित्योत्सव 2025 का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। साहित्य अकादेमी के एशिया का सबसे बड़े साहित्योत्सव का केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत को एकता के सूत्र में बांधने वाला सबसे मजबूत तंतु साहित्य है। उन्होंने भारत के साहित्य की गतिशीलता और जीवंतता को उसकी विशेषता को बताते हुए कहा कि तकनीक के समय में अनुवाद के ज़रिए हमारा साहित्य अब वैश्विक होने लगा है। अब उस पर चर्चा प्रारंभ हो गई है। पूरी दुनिया का भारत को देखने का नज़रिया बदला है। उन्होंने भारतीय साहित्य को जीवन को सही दिशा देने वाला मानते हुए कहा कि इसकी भूमिका हर काल और परिदृश्य में प्रासंगिक रही है और आगे भी रहेगी। यह भारत की मनीषा ही है, जिसने अपनी पुरातनता को सदा नवीन बनाए रखते हुए यथार्थ से साक्षात्कार कर अनेक समस्याओं के निदान दिए हैं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने रिबन काटकर और दीप प्रज्वलित कर साहित्य अकादेमी प्रदर्शनी 2024 का भी उद्घाटन किया। इस वार्षिक प्रदर्शनी में चित्रों तथा लेखों के विवरण से विगत वर्ष

की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है। साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने मंत्री शेखावत का स्वागत शाल, पुस्तक और पुष्प देकर किया। अपने स्वागत वक्तव्य में माधव ने अकादेमी की पिछले वर्ष की उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि साहित्य अकादेमी ने पिछले वर्ष 484 किताबें और 459 कार्यक्रम आयोजित किए। साहित्योत्सव के पहले दिन आज 20 विभिन्न कार्यक्रमों में 100 से अधिक लेखकों ने सहभागिता की। इस दौरान आदिवासी कविता एवं कहानी-पाठ और पैनल चर्चा भी हुई। भारतीय साहित्य में नदियां, भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र की लोक संस्कृति, भारत की साहित्यिक कृतियों में लुप्त होता ग्रामीण समाज आदि विषयों पर भी विधिवत वक्तव्य दिए गए। अनेक सत्रों में बहुभाषी कविता और कहानी के पाठ किए गए। साहित्यप्रेमी श्रोताओं ने कहा कि सही मायनों में यह भारतीय भाषाओं का समग्र उत्सव है। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव अमृता प्रसाद साराभाई भी उपस्थित थीं।

साहित्योत्सव आज से यानी सात मार्च से 12 मार्च तक चलेगा। दूसरे दिन यानी शनिवार को साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2024 अर्पण समारोह, कमानी सभागार में शाम 5.00 बजे होगा। इस पुरस्कार-अर्पण समारोह के मुख्यातिथि प्रख्यात अंग्रेज़ी नाटककार महेश दत्तानी होंगे। पुरस्कार समारोह के बाद प्रख्यात बांसुरी वादक राकेश चौरसिया द्वारा बांसुरी वादन प्रस्तुत किया जाएगा।

डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबरों की समस्या का तीन महीने में करेंगे समाधान: चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कहा कि वह दशकों पुरानी डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबरों की समस्या को तीन महीने में हल कर लेगा। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि भारत के चुनावी रजिस्टर दुनिया का सबसे बड़ा मतदाता डेटाबेस है, जिसमें 99 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं। बयान में कहा गया है कि चुनाव आयोग मतदाता सूचियों को अपडेट के लिए हर साल वार्षिक विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर) अभ्यास आयोजित करता है, जो हर साल अक्टूबर-दिसंबर की अवधि के दौरान होता है और अगले महीने जनवरी में अंतिम रोल प्रकाशित किए जाते हैं। चुनाव वाले राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के लिए चुनाव से पहले एसएसआर भी आयोजित किया जाता है। हाल ही में संपन्न एसएसआर 2025 के लिए 07 अगस्त, 2024 को अनुसूची जारी की गई थी और अंतिम रोल 06-10 जनवरी, 2025 के दौरान प्रकाशित किए गए थे। आयोग ने इसकी पारदर्शी प्रक्रिया को समझाते हुए कहा कि प्रत्येक बूथ पर राज्य सरकार के अधिकारियों के बीच निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी द्वारा एक बूथ स्तरीय अधिकारी नियुक्त किया जाता है। प्रत्येक बूथ पर राजनीतिक दलों को बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने का भी अधिकार है।

सभी बीएलए को संबंधित बूथ की मतदाता सूची को सत्यापित करने और विसंगति होने पर शिकायत दर्ज करने का अधिकार है। घर-घर जाकर क्षेत्र सत्यापन करने के बाद संबंधित बीएलओ संबंधित ईआरओ को सिफारिशें प्रस्तुत करता है। उपरोक्त तथ्यों को संज्ञान में लेने के बाद ईआरओ मतदाता सूची के अद्यतनीकरण के लिए प्रत्येक मतदाता के विवरण का सत्यापन करता है। तैयार किए गए ड्राफ्ट मतदाता सूची को वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाता है और राजनीतिक दलों और जनता को भी उपलब्ध कराया जाता है। ड्राफ्ट मतदाता सूची के सत्यापन और एक महीने की अवधि के दौरान प्राप्त किसी भी दावे और आपत्तियों के निपटारे के बाद ही अंतिम सूची प्रकाशित की जाती है।

यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है, तो उसके पास जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 24(ए) के तहत डीएम/जिला कलेक्टर/कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रथम अपील दायर करने का विकल्प है। उल्लेखनीय है कि तृणमूल कांग्रेस ने कई राज्यों में डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबरों का मुद्दा उठाया और चुनाव आयोग पर कवर-अप का आरोप भी लगाया था।

प्रधानमंत्री मोदी 11-12 मार्च को करेंगे मॉरीशस का दौरा : विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11-12 मार्च को मॉरीशस का दौरा करेंगे और मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने यह घोषणा की। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नई दिल्ली में साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, ÷प्रधानमंत्री मोदी 11 और 12 मार्च को मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने के लिए मॉरीशस में रहेंगे। यह समारोह 12 मार्च को मनाया जाएगा। भारतीय नौसेना के एक जहाज के साथ भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी भी समारोह में भाग लेगी। जायसवाल ने कहा, प्रधानमंत्री ने आखिरी बार 2015 में मॉरीशस का दौरा किया था। आगामी यात्रा के दौरान, पीएम मोदी मॉरीशस के राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री से मिलेंगे। वह देश के महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों और वरिष्ठ नेताओं के साथ कई अन्य बैठकें करेंगे।

पिछले महीने मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम ने देश की संसद को प्रधानमंत्री मोदी की आगामी यात्रा के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने संसद को संबोधित करते हुए कहा, ÷मुझे सदन को यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरे निमंत्रण पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे राष्ट्रीय दिवस समारोह के लिए मुख्य अतिथि बनने पर सहमति व्यक्त की है।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने आगे कहा, यह वास्तव में हमारे देश के लिए एक विशेष सम्मान की बात है कि हम ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी कर रहे हैं, जो अपने व्यस्त कार्यक्रम और हाल ही में पेरिस और

अमेरिका की यात्रा के बावजूद हमें यह सम्मान दे रहे हैं। वह हमारे विशेष अतिथि के रूप में यहां आने के लिए सहमत हुए हैं। पीएम मोदी की यात्रा हमारे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों का प्रमाण है। जुलाई 2024 में, विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर ने मॉरीशस की दो दिवसीय यात्रा की थी। उन्होंने न केवल तत्कालीन पीएम प्रविंद कुमार जगन्नाथ के साथ बल्कि रामगुलाम के साथ भी द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा की थी।

उपराष्ट्रपति धनखड़ समेत तमाम नेताओं ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ समेत तमाम नेताओं ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को शुभकामनाएं दीं और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों और योगदान की प्रशंसा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी को बधाई। आज हम महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान का जश्न मनाते हैं। हम महिलाओं के अधिकारों, समानता और सशक्तिकरण के लिए ठोस प्रयास करने का भी संकल्प लेते हैं। आइए हम महिलाओं को उनकी यात्रा में समर्थन देने का संकल्प लें, यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी पीछे न छूट जाए क्योंकि वे विभिन्न क्षेत्रों में नए रास्ते बना रही हैं। साथ मिलकर हम एक लैंगिक समानता वाली दुनिया बना सकते हैं, जहां महिलाएं और लड़कियां बिना किसी डर के अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं।' राष्ट्रपति मुर्मू नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'नारी शक्ति से विकसित भारत' विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का उद्घाटन भी करेंगी। समारोह के दौरान 'शी बिल्ड्स भारत' नामक एक मेगा अभियान भी शुरू किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सशस्त्र बलों, अर्धसैनिक बलों और दिल्ली पुलिस की महिला अधिकारियों के साथ-साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता और स्वयं सहायता समूह की सदस्य भी भाग लेंगी।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की महिला अधिकारियों को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसमें विश्व बैंक, यूनिसेफ, संयुक्त राष्ट्र महिला, यूएनडीपी और यूएनएफपीए जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की प्रतिनिधि भी शामिल होंगी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी एक्स पोस्ट में महिला नेतृत्व की सराहना की। लिखा, 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बधाई! महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं, जो अपनी दृढ़ता, समर्पण और नेतृत्व क्षमता से बदलाव लाती हैं। एक सच्चा सशक्त समाज वह है, जहां महिलाएं देश के विकास में योगदान दें और निर्णय लेने में अग्रणी हों। हमें याद रखना है कि महिला नेतृत्व विकसित भारत की बुनियादी जरूरत है। हमें महिलाओं के लिए एक समावेशी, न्यायसंगत और प्रगतिशील भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।'

गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट पर लिखा,'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हार्दिक बधाई। सदियों से नारी शक्ति ने हमारी सभ्यता को प्रगति और विजय के लिए सशक्त बनाया है। पीएम मोदी ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के अपने दृष्टिकोण के माध्यम से उनके ऐतिहासिक कद को पुनर्जीवित किया है और राष्ट्र निर्माण के केंद्र में नारीत्व को प्रतिष्ठित किया है। यह दिन इस महान लक्ष्य की ओर हमारी यात्रा को गति देने के लिए नई प्रेरणा जगाए।'केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति को शुभकामनाएं दी।

दिल्ली की आबोहवा फिर खराब, ग्रैप चरण एक की पाबंदियां लागू

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में पिछले कई दिनों से साफ आबोहवा एक बार फिर खराब हो गई है। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक(एक्यूआई) 202 दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने आपात बैठक बुलाकर स्थिति की समीक्षा की और वायु प्रदूषण को कम करने के लिए ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) चरण एक की पाबंदियां लागू कर दी हैं। सीएक्यूएम ने बताया कि राजधानी में मौसम विभाग से मिली रिपोर्ट की समीक्षा के बाद उपसमिति ने ग्रैप एक की पाबंदियां लागू करने की सिफारिश की है।

कांग्रेस की नीतियों पर अमित मालवीय ने उठाया सवाल, अल्पसंख्यकों को प्राथमिकता देने का

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें उन्होंने कांग्रेस की नीतियों पर तीखा हमला बोला है। इस पोस्ट में मालवीय ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के एक बयान को आधार बनाते हुए कांग्रेस पर अल्पसंख्यकों, खासकर मुस्लिम समुदाय, को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार के हालिया बजट का हवाला देते हुए दावा किया कि कांग्रेस की नीतियां संविधान के मूल ढांचे और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ हैं। अमित मालवीय ने अपनी पोस्ट में 9 दिसंबर, 2006 को तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के एक बयान का उल्लेख किया। इस बयान में सिंह ने कहा था, 'हमें ऐसे नए तरीके खोजने होंगे जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि अल्पसंख्यक, खासकर मुस्लिम अल्पसंख्यक, विकास के लाभों में बराबर के हिस्सेदार बनें।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **धर्मेन्दर पुत्रः सुभाष चंद, पताः** मोहल्ला रेलवे रोड, पिलखवा हापुर, उत्तर प्रदेश, **FIR No. 36239/2018,** थानाः दक्षिणी रोहिणी, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **धर्मेन्दर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **धर्मेन्दर** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 36239/2018,** थानाः दक्षिणी रोहिणी, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **धर्मेन्दर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री गौरव कटारिया
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–07, (उ.–प.)
कमरा नं. 208, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/2806/RD/2025
(Court Matter)

NAME CHANGE
I, No-13700626K Rank-LD, Name-AMRIK SINGH Father of SAMEET KAUR Presently residing at VPO-SARWALI, TEH-BATALA, DIST-GURDASPUR, PUNJAB-143511, have changed my minor daughter's name from SAMEET KAUR to SANMEET KAUR for all future purposes vide Affidavit dated 08/03/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Taniya D/O DEVENDER GUPTA,R/O E-55, PREM NAGAR 1ST GALI NO- 3, Near 70 feet Road,Kirari Suleman Nagar, Sultanpuri C Block,North West Delhi, Delhi- 110086,declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Devender and Deepa in my 10th class educational. The actual name of my father and my mother Devender Gupta and Deepa Gupta,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, RATEER KAUR Mother of No-13700626K Rank-LD, Name-AMRIK SINGH Presently residing at VPO-SARWALI, TEH-BATALA, DIST-GURDASPUR, PUNJAB-143511, have changed my name from RATEER KAUR to RANDHIR KAUR for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 08/09/1948 instead of my correct date of birth as 01/01/1956 vide Affidavit dated 08/03/2025 before Notary Public Delhi

DATE OF BIRTH CHANGE
I, RAVINDER KAUR Wife of No-13700626K Rank-LD, Name-AMRIK SINGH Presently residing at VPO-SARWALI, TEH-BATALA, DIST-GURDASPUR, PUNJAB-143511, in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 07/05/1989 instead of my correct date of birth as 13/10/1987 vide Affidavit dated 08/03/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, BACHAN SINGH Father of No-13700626K Rank-LD, Name-AMRIK SINGH Presently residing at VPO-SARWALI, TEH-BATALA, DIST-GURDASPUR, PUNJAB-143511 in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 05/04/1946 instead of my correct date of birth as 01/01/1956 vide Affidavit dated 08/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, UMARANI M Mother of No-2621211A Rank-NK Name-SARAVANAN M Presently residing at 5/288, 3rd STREET, VILL-SUBRAMANIYAPURAM, PO-THIMMAPURAM, TK+DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635112, have changed my name from UMARANI M to P UMA RANI for all future purposes vide Affidavit dated 08/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-314182H Rank-NB SUB Name-G MALLIKARJUNA Father of GAJULA GAGAN VIHARI Presently residing at 4-212-2, L B S ROAD, NEAR BODESHA VALI DARGA, PILERU, PO-PILER, DIST-ANNAMAYYA, ANDHRA PRADESH-517214, have changed my minor son's name from GAJULA GAGAN VIHARI to GAJULA GHAGHAN for all future purposes vide Affidavit dated 08/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Neelam Srivastva D/O Anand Mohan Saxena W/O Ramesh Chandra Srivastava R/O 153, Sector-11 Vasundhra Ghaziabad-201012 have changed my name to Neelam Srivastava for all future purposes

NAME CHANGE
I, SNEHALATA ROUT Wife of No. 6494327N, Rank-HAV Name- LATE JITENDREYA ROUT Presently residing at VILL-KUANLO, PO-SAMSARPUR, TEHSIL-ATHAGARH, DISTT-CUTTACK, ODISHA-754029, have changed my husband's mother's name from SMT LOVABATI to LOBHABATI ROUT for all future purposes vide Affidavit dated 08/03/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Sh. Waseem Malik is the owner Flat No. B1, B2 (RHS & Middle Side) on Second Floor with roof rights area measuring 180 sq. yds. built on Property No. C-43 out of Khasra No. 1 Etc/39/1 situtaed at village Ghonda Chauhan Banger in the abadi of Gali No. 7 Main Road Brahampuri Illaqa Shahdara Delhi 110053 vide Gift Deed dated 03.01.2025 registered as DOC NO. 2025/12/I/180 and Intend to mortgage the said property with Piramal Capital & Housing Finance Limited. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIKHIL SINGH S/o RAKESH KUMAR R/o House No. 839, Block H-16, Street No. 7, Near Pyarelal Road, Bapa Nagar, Karol Bagh, Central Delhi, Delhi-110005, declare that name of my father has been wrongly written as RAKESH KUMAR SINGH in my Aadhaar Card No. 449318797059, Voter ID No. RJN2409167, Class 10th and 12th Educational Documents, B.A.LL.B. Degree Certificate/Provisional Degree Certificate and Marksheet, Passport No. Z8065967, Bar Council of Delhi Enrolment Certificate as Advocate, and that name of my father has been wrongly written as RAKESH in my Birth Certificate. The actual name of my father is RAKESH KUMAR.

NAME CHANGE
I, G KAVITHA Wife of JC-314182H Rank-NB SUB Name-G MALLIKARJUNA Presently residing at 4-212-2, L B S ROAD, NEAR BODESHA VALI DARGA, PILERU, PO-PILER, DIST-ANNAMAYYA, ANDHRA PRADESH-517214, have changed my name from G KAVITHA to B KAVITHA for all future purposes vide Affidavit dated 08/03/2025 before Notary Public, Delhi.

मतगणना कर्मियों की ड्यूटी के लिए रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया पूरी

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला के पांचों निकाय क्षेत्रों में मतगणना का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अजय कुमार की अध्यक्षता में मतगणना कर्मियों की पहली रेंडमाइजेशन का कार्य संपन्न किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अजय कुमार ने रेंडमाइजेशन से जुड़ी जानकारी सांझा करते हुए बताया कि इस पहली रेंडमाइजेशन के तहत जिला के पांचों निकाय क्षेत्रों के लिए मतगणना कर्मियों का चयन कर लिया गया है। जिनका प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 मार्च को सेक्टर-44 स्थित अपैरल हाउस में आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत उसी दिन उन्हें रेंडमाइजेशन के दूसरे चरण के तहत निकाय क्षेत्र अलॉट किए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया में राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है। जिसके तहत रेंडमाइजेशन के अंतिम व तीसरे चरण के तहत 12 मार्च को मतगणना से पूर्व काॅउंटिंग टेबल अलॉट किए जाएंगे, ताकि मतगणना की प्रक्रिया संपन्न हो सके। उन्होंने बताया कि जिला के सभी निकाय क्षेत्रों में मतगणना का कार्य संबंधित क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी द्वारा चिन्हित स्थान पर कराया जाएगा। इस अवसर पर गुरुग्राम नगर निगम के आरओ एवं एडीसी हितेश कुमार मीणा, नगर पालिका फर्रुखनगर के आरओ एवं जिला परिषद के सीईओ जगनिवास, सोहना के आरओ व एसडीएम संजीव कुमार, पटौदी के आरओ व एसडीएम दिनेश लुहाच सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश सरकार ने किसान हित में लिया बड़ा फैसला

चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में प्रदेश में हुई ओलावृष्टि व बेमौसमी बरसात के कारण फसलों के नुकसान की जानकारी को दर्ज करने के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने के निर्देश दिए थे जिसमें सम्बंधित जिलों के उपायुक्तों को किसानों की मदद करने व खराबे की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करने के लिए कहा गया, ताकि शीघ्र ही उनकी फसलों के नुकसान की भरपाई जल्दी से जल्दी की जा सकें।

सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि जिला कुरूक्षेत्र में 97 गांव जिसमे तहसील शाहाबाद के सभी गांवों व सब-तहसील बाबैन के 7 गांवों में ओलावृष्टि व बारिश से फसलों को भारी नुकसान हुआ है। इस बारे ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने का आग्रह किया गया था। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए फसलों में हुए नुकसान के लिए तहसील शाहाबाद के सभी गांवों व सब-तहसील बाबैन के 7 गांवों के प्रभावित किसानों के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल 20 मार्च, 2025 तक खोल दिया गया है। इन क्षेत्रों के किसान जिनकी फसल ओलावृष्टि व बारिश से खराब हुई हैं वे शीघ्र खराब फसल की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करवाऐं ताकि शीघ्र ही उनकी फसलों के नुकसान की भरपाई की जा सकें।

मंत्री मनोहर लाल व पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला पहुंचे दादरी, पूर्व मंत्री के निधन पर जताया शोक

दादरी। केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान के निधन पर शोक जताने दादरी पहुंचे। मनोहर लाल हेलीकॉप्टर से जबकि दुष्यंत चौटाला वाया रोड दादरी आए और शहर के लोहारू रोड स्थित विधायक सुनील सांगवान के आवास पर पहुंचकर उनके दिवगंत पिता को श्रद्धांजलि दी। मनोहर लाल ने कहा कि सतपाल सांगवान बड़े सुलझे हुए नेता थे और इनके निधन से बड़ी क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि सतपाल सांगवान ने हमेशा जनता के हित में काम किया और दादरी के विकास को गति देने के लिए ही वो भाजपा में शामिल हुए और बेटे सुनील सांगवान को पहले ही विधानसभा चुनाव में जीत दिलाई। सतपाल सांगवान के जो सपने अधूरे रह गए, उन्हें उनके बेटे एवं दादरी हलके से विधायक सुनील सांगवान की मार्फत पूरा कराया जाएगा। मनोहर लाल ने अपने हाथ से शोक संदेश लिखकर पूर्व मंत्री के बेटे सुनील सांगवान को दिया। वहीं, पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि सतपाल सांगवान के साफ छवि और विकासपरक सोच रखने वाले नेता थे। उनके निधन से न केवल दादरी हलके बल्कि पूरे प्रदेश को क्षति पहुंची है।

परिवार पहचान पत्र में हुई गड़बड़ी को लेकर जांच जारी है, होगी कार्रवाई : अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस में आपस में झगड़ा चल रहा है। कांग्रेस के विधायक हुड्डा साहब को नेता प्रतिपक्ष बनाना चाहते हैं लेकिन, कांग्रेस की हाईकमान हुड्डा साहब को नहीं चाहती है। इसी बात को लेकर यह मामला अटका हुआ है। विज आज चंडीगढ़ में मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। हरियाणा की नई विधानसभा बनाए जाने को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि 'सभी विधायक सहमत है कि हरियाणा की नई विधानसभा बननी चाहिए और आने वाले समय में हरियाणा में विधायकों की संख्या बढ़ने वाली है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में 120 विधायक होंगे और 120 विधायकों को इस वर्तमान विधानसभा में नहीं बिठाया जा सकता है।

निगमायुक्त ने किया सेक्टर-55/56 का दौरा, सुनी समस्याएं

क्षेत्र में सफाई व्यवस्था, कचरा तथा सीएंडडी से संबंधित शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करने के दिए अधिकारियों को निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग अधिकारियों की टीम के साथ सेक्टर-55/56 क्षेत्र में पहुंचे। उन्होंने स्थानीय निवासियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतें भी सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निवासियों ने निगमायुक्त को बताया कि यहां स्थित ग्रीन बैल्ट क्षेत्र में कूड़े की डंपिंग की जाती है, जिससे आसपास रहने वाले नागरिकों को काफी परेशानी होती है।

यहां पर कूड़े की सफाई करके चारदीवारी बनाने तथा पेड़ आदि लगाने की बात नागरिकों द्वारा कही गई। निगमायुक्त ने मौके पर उपस्थित संयुक्त आयुक्त अखिलेश कुमार यादव तथा वरिष्ठ सफाई निरीक्षक से

कहा कि क्षेत्र से कूड़े की सफाई करके यहां पर गार्बेज ट्रॉलियां खड़ी की जाएं, ताकि जमीन पर कूड़ा ना फैले। गार्बेज ट्रॉली के साथ दो कर्मचारी भी उपस्थित रहेंगे, जो सफाई व्यवस्था बनाए रखेंगे।

इसके अलावा नागरिकों ने यहां पर पड़े सीएंडडी वेस्ट की समस्या भी निगमायुक्त के समक्ष रखी तथा बताया कि यहां नियमित रूप से सीएंडडी वेस्ट डंप किया जा रहा है। इस पर निगमायुक्त ने नागरिकों से कहा कि नगर निगम गुरुग्राम द्वारा सीएंडडी वेस्ट उठान के लिए टेंडर प्रक्रिया की जा रही है तथा जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अवैध डंपिंग को रोकने के लिए यहां पर 24 घंटे सेनिटेशन सिक्योरिटी फोर्स की तैनाती भी की जाएगी। इस मौके पर संयुक्त आयुक्त अखिलेश कुमार यादव, कार्यकारी अभियंता निजेश कुमार, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक हर्ष चावला, स्थानीय निवासी एसपी कंबोज, डीपी मक्कड़, प्रियंका सहित अन्य नागरिक उपस्थित थे।

शारीरिक विकास के साथ बीमारियों को दूर करने में खेलों की अहम भूमिका

धारुहेड़ा में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं का उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया शुभारंभ

एजेंसी

रेवाड़ी। उपायुक्त अभिषेक मीणा व पुलिस अधीक्षक डॉ मयंक गुप्ता ने धारूहेड़ा में क्रिकेट, वॉलीबॉल, एथेलेटिक्स व अन्य खेल प्रतियोगिताओं का उदघाटन किया।

रिवेंन्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के परिसर में आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। उपायुक्त अभिषेक मीणा व पुलिस अधीक्षक डॉ मयंक गुप्ता ने मशाल जलाकर खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेलों का जीवन में काफी महत्व है। शारीरिक विकास के साथ.साथ बीमारियों से दूर रखने व मानसिक मजबूती के लिए हमारे लिए खेल बहुत जरूरी है।

उन्होंने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कंपनी के एमडी प्रकाश खोंसे, वाइस प्रेसिडेंट पीयूष गुप्ता, प्रबंधक रवि शंकर, बिजनेस हेड जितेन्द्र सभरवाल, मनीष झा तथा चंद्रकांत आदि उपस्थित थे।

शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं होली पर्व, हुड़दंग किया तो होगी कड़ी कार्रवाई : एसपी विजय प्रताप

एक दूसरे की धार्मिक भावनाओं का ख्याल रखते हुए मनाएं होली पर्व

एजेंसी

नूंह। नूंह पुलिस कप्तान विजय प्रताप ने होली पर्व को देखते हुए एडवाइजरी जारी की है। एसपी ने जिलावासियों से होली पर्व को मिलजुल कर भाईचारे और शांतिपूर्वक तरीके से मनाने की बात कही है। इतना ही नहीं होली पर्व पर हुड़दंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। जिसमें नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ नूंह पुलिस सख्ती से निपटेगी।

एसपी विजय प्रताप ने बताया कि होली पर्व के दौरान कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का नशा करते हुए पाया गया तो पुलिस ऐसे लोगों को चिह्नित कर सख्ती से निपटेगी । वहीं नगर वासियों से कहा कि किसी भी प्रकार के नशे का सेवन ना करें। जबरदस्ती लोगों पर रंग गुलाल आदि ना डालें। सभी धर्म के लोगों का सम्मान कर एक दूसरे की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए त्योहार मनाएं। प्रयास करें कि केमिकल युक्त रंग व गुलाल से बचें। हर्बल रंग व गुलाल का ही प्रयोग करें। शराब इत्यादि पीकर बेवजह सड़कों

पर हुड़दंग ना मचाएं। नूंह पुलिस आपकी सेवा और सुरक्षा के लिए हर समय तैयार है । ऐसे में कानून व्यवस्था बनाए रखने व शांति व्यवस्था कायम रखने में नूंह पुलिस का सहयोग करें। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान ना दें । गलत अफवाह फैलाने वालों की सूचना तुरंत नूंह पुलिस को दें ।

प्रशासन का लक्ष्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निवारण करना : उपायुक्त मीणा

शिविर का उद्देश्य आम जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान करना

एजेंसी

नूंह। नूंह लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित समाधान शिविर के दौरान उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस शिविर का उद्देश्य आम जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान करना और प्रशासन व जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना था।

उन्होंने बताया कि आयोजित समाधान शिविर में कुल 05 शिकायत प्राप्त हुई है। समाधान शिविर में नागरिकों ने अपनी समस्याओं को उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के समक्ष रखा। इनमें भूमि रिकॉर्ड से संबंधित मुद्दे, सरकारी योजनाओं का लाभ, पेंशन, बिजली-पानी की समस्याएं, आवासीय एवं राजस्व संबंधी शिकायतें प्रमुख रूप से शामिल थीं। उन्होंने सभी मामलों को गंभीरता से सुना और संबंधित

विभागों को निर्देश दिए कि वे समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निवारण करना है। समाधान शिविर के माध्यम से हम जनता से सीधा संवाद कर उनकी परेशानियों को समझते हैं और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 60 दिनों में आयोजित समाधान शिविर में 1538 शिकायतें प्राप्त हुई थी, जिनमें से 932 शिकायतों का समाधान कर दिया गया है तथा 275 शिकायतें अभी पेंडिंग है और 275 शिकायतों को रिजेक्ट कर दिया है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि जो शिकायत उनके विभाग से संबंधित है, उसको जल्द से जल्द पूरा करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी प्रत्येक कार्य दिवस में आयोजित समाधान शिविर में आना सुनिश्चित करें। समाधान शिविर के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने अपनी-अपनी जिम्मेदारियों के तहत नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया। कुछ मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता है, ताकि प्रशासन जनता तक सीधे पहुंच सके और उनकी शिकायतों का शीघ्र निवारण सुनिश्चित किया जा सके।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक, एसीयूटी अनिरुद्ध यादव, नगराधीश आशीष कुमार, अंडर ट्रेनिंग एचसीएस सुरेश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बागवानी पर जिला स्तरीय सेमिनार आयोजित

सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न स्कीमों को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत : एसडीएम मनोज कुमार

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा सरकार बागवानी से किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न स्कीमों को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। यह बात नांगल चौधरी एसडीएम मनोज कुमार ने आज गांव सैदअलीपुर में बागवानी विभाग की ओर से आयोजित जिला स्तरीय सेमिनार में संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य यही है कि किसान अधिक से अधिक बागवानी फसलों के नवीनतम तकनीक ज्ञान से अवगत हो सके।बागवानी को अपनाकर अपनी आय में भी मुनाफा कर सकते हैं। बागवानी विभाग की स्कीमों का लाभ लेने के लिए सर्वप्रथम किसानों को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। इसके बाद विभाग से संपर्क कर विभिन्न स्कीमों का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान इस क्षेत्र में बेर, खजूर तथा अनार जैसे शुष्क मौसम के फल लगा सकते हैं। संरक्षित आकृति जैसे नेट हाउस, मल्चिंग व टनल के अंदर सब्जी की काश्त आधुनिक तरीके से जैसे टपका सिंचाई प्रणाली के माध्यम से किसान अपनी आय में मुनाफा कर सकता है। इस मौके पर किसानों द्वारा

लगाई गई स्टॉल का अवलोकन किया तथा प्रगतिशील किसानों से उनके उत्पादों के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर जिला उद्यान अधिकारी डॉक्टर प्रेम कुमार ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु के अनुसार यहां पर सब्जी व मसाले की खेती व उनके बीज उत्पादन आसानी से किया जा सकता है। इसके लिए बागवानी विभाग 15 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से अनुदान दे रहा है। पहले आओ पहले पाओ के आधार पर स्कीम का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने बताया की स्कीमों का लाभ लेने के लिए सर्वप्रथम मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाकर किसान बागवानी विभाग के पोर्टल एचओआरटी नेट डॉट जीओवी डाट इन पर पंजीकरण करवा कर मद का चुनाव करके जरूरी दस्तावेज अपलोड करने के बाद ही स्कीम का लाभ लेने का योग्य होगा। उन्होंने बताया कि एक किसान अधिकतम सब्जी उत्पादन में दो हेक्टेयर, सब्जी बीज उत्पादन में पांच हेक्टेयर एवं मसाले उत्पादन में चार हेक्टेयर का लाभ ले सकता है।

सब्जी उत्पादन के लिए साथ में समन्वित मद बंबू स्टेकिंग, मल्चिंग, टनल या मिनी, ड्रिप सिस्टम के साथ सब्जी लगाना अनिवार्य है तथा बीज उत्पादन मध्य के लिए कंपनी एवं किसानों के बीच एग्रीमेंट होना अनिवार्य है। इस अवसर पर एकीकृत बागवानी विकास केंद्र सुंदरह से मुकेश शिवरान, कृषि विज्ञान केंद्र बावल से डॉक्टर नरेंद्र कुमार, कृषि विभाग नारनौल से एसडीओ डा. मनमीत फील्ड स्टाफ तथा सरपंच सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

डीसी-एसपी ने निवाज नगर में किया रात्रि ठहराव कार्यक्रम

सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की सांस्कृतिक टीम ने गाए विकासात्मक गीत

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह के निर्देशानुसार जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ ने वीरवार को नारनौल खंड के गांव निवाज नगर में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान उपायुक्त डा. विवेक भारती तथा पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने अधिकारियों के साथ ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस मौके पर ग्रामीणों ने अधिकारियों के सामने सार्वजनिक व व्यक्तिगत समस्याएं रखीं। वहीं सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की सांस्कृतिक टीम ने रागनियों के जरिए सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी दी। इससे पहले विभिन्न विभागों ने अपने-अपने स्टॉल लगाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सेवाओं से नागरिकों को लाभान्वित किया। सेठ मुरलीधर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए डीसी ने कहा कि ग्रामीण आपसी सामंजस्य के साथ अपने गांव के विकास पर फोकस करें। गांव के स्कूल तथा अन्य सरकारी भवनों का बेहतरीन तरीके से रखरखाव करें। यह ग्रामीणों की सामूहिक जिम्मेदारी होती है। उपायुक्त ने कहा कि हरियाणा सरकार तथा जिला प्रशासन का मकसद है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो। इसी उद्देश्य को लेकर मुख्यमंत्री के निर्देश पर रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं।

इस मौके पर गांव के सरपंच रमेश कुमार स्वामी ने आगंतुकों का ग्रामीणों की ओर से स्वागत किया। इस मौके पर सेठ मुरलीधर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने स्वागत गीत के अलावा देशभक्ति से जुड़े अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किया। इसके अलावा गुरु द्रोणाचार्य पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर अतिरिक्त

उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा, एसडीएम रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार, सीएमओ डा. नवीन, डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखें। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ खेलों के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि बच्चों को संस्कारवान बनाना प्रत्येक माता-पिता व समाज की जिम्मेदारी है।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स ने 190 वाहन किए चैक

एजेंसी

निजामपुर। जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनन तथा खनिज के अवैध तरीके से परिवहन को रोकने के लिए गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। पिछले दो दिनों में टीम ने 190 वाहन चैक किए। इस दौरान एक ट्रैक्टर-ट्राली अवैध पत्थर ले जाते पकड़ा गया। जिला खनन इंजीनियर डा. राजेश कुमार ने बताया कि खनन विभाग, पुलिस विभाग, फॉरेस्ट विभाग तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम वीरवार रात को नांगल चौधरी क्षेत्र में गश्त पर थी। इस दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पत्थर का अवैध परिवहन करते पकड़ी गई। पकड़े जाने पर ट्रैक्टर चालक कोई बिल नहीं दिखा पाया। ऐसे में नियम अनुसार इस पर 2.15 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया। खनन विभाग के महानिदेशक केएम पाण्डुरंग के दिशा-निर्देशन में अवैध खनन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

● अवैध पत्थर ढोते ट्रैक्टर-ट्राली पकड़ी, 2.15 लाख जुर्माना ठोका

महाविद्यालय में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जियो इन्फॉर्मेटिक्स) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

एजेंसी

नारनौल। स्थानीय राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कल्पना चावला हॉल में भौगोलिक सूचना प्रणाली विषय पर एक दिवसीय विस्तार व्याख्यान और कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य डा. पूर्ण प्रभा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के सह-पार्टनर स्काईलाइन इंस्टीट्यूट ऑफ जियो इन्फॉर्मेटिक्स एजूकेशन टैक्नोलॉजी, रोहतक से आएं हुए मुख्य अतिथि और वक्ता प्रसिद्ध जियो इन्फॉर्मेटिक्स विशेषज्ञ डा. अजय पूनिया और तकनीकी अधिकारी हिमांशी बत्रा रहे। इस कार्यशाला महाविद्यालय की भूगोल विषय की सीनियर प्रोफेसर डा. मुकेश यादव की रहनुमाई में इस संपूर्ण प्रोग्राम का ताना-बाना बुना गया। मुख्य अतिथि और वक्ता डा. अजय पूनिया ने विद्यार्थियों को जियो इन्फॉर्मेटिक्स व भौगोलिक सूचना प्रणाली के बारें में विस्तृत जानकारी सांझा की और जियो इन्फॉर्मेटिक्स की बारिकियों पर हैंड्स ओन ट्रेनिंग कार्यशाला करवाई और साथ ही साथ इस तकनीक से सम्बंधित सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा और डिग्री के साथ एम टेक की शिक्षा भारत में कहां कहां से होती है और इनके करने के बाद कहां और किस क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं विद्यार्थियों को विस्तार से

जानकारी साझा की। इस दौरान उन्होंने एमएसी भूगोल के विद्यार्थियों को जिओ रेफरेंसिंग और मेपमैकिंग आदि नई विद्या से हैंड्स आन ट्रेनिंग करवा कर पारंगत किया। भूगोल विद् मौसम विशेषज्ञ प्रोफेसर डा. चंद्र मोहन ने बताया कि आज उपग्रह प्रणालियों, जियो इन्फॉर्मेटिक्स, रिमोट सेंसिंग, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम, एरियल फोटोग्राफी, अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग से हमारे देश के वैज्ञानिकों को व अनुसंधानकर्ताओं को बहुत जटिल कार्य को चुटकियों में करने में मदद मिल रही है। जिसकी वजह से आज हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रमों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाएं हुए हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य ने मुख्य अतिथि सीनियर प्रोफेसर डा. मुकेश यादव और सभी स्टाफ सदस्यों की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि भूगोल विभाग लगातार हमारे ग्रामीण इलाकों से आए हुए विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीक और इनोवेटिव अप्रोच से आगे बढ़ाने में मदद कर रहा है।

बलिदानी सैनिक की बहन को दिया जेई के पद का नियुक्ति पत्र

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने आज वर्ष 2022 में जम्मू कश्मीर के राजौरी पुंछ इलाके में उग्रवादियों से मुठभेड़ के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले हिसार जिले के वीर सैनिक निशांत मलिक की बहन को जेई के पद का नियुक्ति पत्र सौंपा। इस दौरान हांसी से विधायक श्री विनोद भ्याना भी मौजूद रहे। इस अवसर पर हरियाणा सिविल सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि हरियाणा सरकार वीर सैनिकों के सम्मान और उनके परिजनों के कल्याण के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के राजौरी पुंछ में वर्ष 2022 में उग्रवादियों से मुठभेड़ के दौरान देश के लिए बलिदान देने वाले वीर सैनिक निशांत के परिवार को उसी समय हरियाणा सरकार की योजना अनुसार 50 लाख रुपए की सहायता राशि मुहैया करा दी गई थी आज बलिदानी सैनिक की बहन को उनकी योग्यता के अनुसार लोक निर्माण विभाग में जेई (सिविल) के पद पर नियुक्त करने हेतु नियुक्ति पत्र सौंपा गया है। लोक निर्माण मंत्री श्री रणवीर गंगवा ने कहा कि बलिदानी सैनिकों का ऋण हम कभी नहीं चुका सकते। हरियाणा सरकार देश की रक्षा करने वाले सैनिकों के परिवारों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चला रही है।

श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सैनिकों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। हरियाणा की सरकार मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सैनिकों के कल्याण के लिए हर संभव कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बलिदानी सैनिकों के परिजनों को दी जाने वाली सहायता राशि को 50 लाख रुपए से बढ़ाकर एक करोड रुपए कर दी है, साथ ही हरियाणा सरकार बलिदानी सैनिकों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने का काम भी कर रही है। इस अवसर पर हांसी से विधायक श्री विनोद भयाना ने कहा कि हम वीर बलिदानी सैनिकों के परिजनों के साथ हमेशा खड़े हैं और हमें उनके बलिदान पर गर्व है ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.78 अरब डॉलर घटकर 638.69 अरब डॉलर पर

मुंबई/नई दिल्ली। विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 फरवरी को समाप्त हफ्ते में 1.78 अरब डॉलर घटकर 638.69 अरब डॉलर रह गया है। इससे पिछले हफ्ते देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.76 अरब डॉलर बढ़कर 640.48 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 28 फरवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.78 अरब डॉलर घटकर 638.69 अरब डॉलर रहा है। इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां भी 49.3 करोड़ डॉलर घटकर 543.35 अरब डॉलर रह गईं। आंकड़ों के मुताबिक 28 फरवरी को समाप्त हफ्ते में स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 1.30 अरब डॉलर घटकर 73.27 अरब डॉलर रह गया। हालांकि, इस अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.7 करोड डॉलर बढ़कर 17.99 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक के अनुसार इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 1.2 करोड़ डॉलर घटकर 4.08 अरब डॉलर रहा।

शेयर बाजार में 2 दिन से जारी तेजी थमी, उतार चढ़ाव के बीच सपाट स्तर पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले 2 दिन से जारी तेजी थमती हुई नजर आई। आज सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद शेयर बाजार सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ बंद हुआ। निफ्टी ने 0.03 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऑयल एंड गैस, मेटल, कैपिटल गुड्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज के कारोबार में लगातार उतार-चढ़ाव होने के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया।

सेबी अध्यक्ष ने बोर्ड के भीतर हितों के टकराव के संबंध में पारदर्शिता पर दिया जोर

मुंबई/नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नए अध्यक्ष तुहिन कांत पांडेय ने एक ऐसी व्यवस्था लेकर आने का वादा किया, जिसमें सेबी बोर्ड के सदस्यों के लिए हितों के टकराव के बारे में जनता को बताना जरूरी होगा। पांडेय ने सेबी बोर्ड के भीतर हितों के टकराव के संबंध में पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया है। तुहिन कांत पांडेय ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पारदर्शिता सेबी के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसलिए पूंजी बाजार नियामक अब अपने कर्मचारियों के हितों के टकराव का खुलासा करेगा। सेबी के प्रमुख का पद संभालने के बाद अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में में सेबी के अध्यक्ष ने कहा कि पारदर्शिता के दृष्टिकोण से ऐसा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वृद्धि की रफ्तार कायम रखने के लिए घरेलू और विदेशी, दोनों प्रकार की पूंजी की जरूरत है। सेबी प्रमुख ने कहा कि इस तरह के कदमों से सेबी को समूचे परिवेश का भरोसा हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, हम अपनी खुद की योजना के साथ आगे आएंगे ताकि अधिक पारदर्शिता के साथ हितों के टकराव आदि को जनता के सामने उजागर किया जा सके। पांडेय ने कहा, मुझे लगता है कि भरोसा और पारदर्शिता का मसला सेबी तक भी जाता है। हमें न केवल सभी हितधारकों का भरोसा अपने ऊपर बनाना है, बल्कि उस भरोसे को बनाए भी रखना है।

सत्व डेवलपर्स और ब्लैकस्टोन स्पॉन्सर्ड नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट ने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट दाखिल किया

मुंबई/नई दिल्ली। सत्व ग्रुप और ब्लैकस्टोन के बीच एक संयुक्त उद्यम, नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट (आरईआईटी) ने पब्लिक को यूनिट जारी करके 6,200 करोड़ रुपये की कुल राशि जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट दाखिल किया है। नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट भारत में हाई-क्वालिटी वाले ऑफिस पोर्टफोलियो का मालिक और मैनेजर है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट दस्तावेज के मुताबिक नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट के प्रायोजक ब्लैकस्टोन और सत्व डेवलपर्स ने संयुक्त रूप से इश्यू लाने के लिए सेबी के समक्ष आवेदन किया है। सत्व समूह और ब्लैकस्टोन के बीच एक संयुक्त उद्यम आरईआईटी ने अपने आवेदन में कहा कि इसका लक्ष्य आईपीओ के जरिए 6,200 करोड़ रुपये तक जुटाना है, जो भारत की सबसे बड़ी रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट लिस्टिंग हो सकती है।

सन-डेज़ कंपनी की दो वर्षों में 100 स्टोर शुरू करने की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रांडेड आईवियर उत्पादों का कारोबार करने वाली सन -डेज कंपनी ने राजधानी दिल्ली में विस्तार करते हुये अगले दो वर्षों में पूरे देश में 100 स्टोर शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी की विपणन निदेशक निहारिका बिनानी ने यहां यह घोषणा करते हुये बताया कि अभी कंपनी के नौ स्टोर हैं और अगले दो वर्षों में सौ स्टोर तक पहुंचाने की योजना है। उन्होंने कहा कि कंपनी के शोरूम में लग्जरी और स्टाइल का बेहतरीन मिश्रण मिलता है। 60 से भी ज्यादा प्रतिष्ठित ग्लोबल ब्रांडों की चुनिंदा और खास पेशकश के साथ चश्मों की एक अद्भुत रेंज जिसमें रे-बैन, प्राडा और गूची जैसे सर्वकालिक ब्रांड्स तो हैं ही, साथ ही आज के समय के ब्रांड्स कूबोरॉम

और फिलिप प्लेन भी शामिल हैं के उत्पाद हैं। ये नया स्थान उन सभी चश्मा पसंद करने वालों के लिए एक ऐसी जगह है जहां शालीनता और बेहतरीन डिजाइन के बीच समन्वय देखने मिलेगा।सन-डेज़ कंपनी के पीछे की सोच हिमालय ऑप्टिकल के चौथी पीढ़ी के निदेशक देवांश बिनानी की है, एक ऐसी कंपनी जो पिछले 85 सालों से इस उद्योग में है। उनके नेतृत्व में सन-डेज़ कंपनी ने अपनी समृद्ध विरासत को आज के समय की आधुनिक चश्मों की टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा है, जिससे वे दिल्ली को दे पाए हैं अतुलनीय लग्जरी और स्टाइल का उपहार। हाई फैशन गॉगल्स के अलावा सन-डेज़ कंपनी नज़र के चश्में भी बनाती है, जो सहूलियत और बेहतरीन स्टाइल का समागम हैं।

इस स्टोर पर स्पोर्ट्स सनग्लासेस की भी एक विस्तृत रेंज है, जिसमें माउई जिम और ओकले जैसे ब्रांड शामिल हैं, जो खिलाड़ियों और आउटडोर रोमांचकारियों की आँखों को बचाव देने के साथ ही, बेहतर प्रदर्शन करने में भी मदद करते हैं।

एलआईसी दुनिया का तीसरा सबसे मजबूत बीमा ब्रांड

एजेंसी

मुंबई ।सरकारी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को दुनिया के सबसे मजबूत बीमा ब्रांडों में तीसरा स्थान मिला है, जिसने 100 में से 88 ब्रांड स्ट्रेंथ इंडेक्स स्कोर हासिल किया है। ब्रांड फाइनेंस इंश्योरेंस 100 रिपोर्ट के अनुसार पोलैंड स्थित पीजेडयू ने 94.4 के बीएसआई स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, उसके बाद चाइना लाइफ इंश्योरेंस है, जो 93.5 के बीएसआई स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर है। समग्र ब्रांड मूल्य के संदर्भ में एलआईसी वैश्विक स्तर पर सबसे मूल्यवान बीमा ब्रांडों में 12वें स्थान पर है, जबकि एसबीआई लाइफ 76वें स्थान पर है, जिससे वे शीर्ष 100 में केवल दो भारतीय बीमाकर्ता बन गए हैं। ब्रांड फाइनेंस रिपोर्ट के अनुसार शीर्ष 100 बीमा ब्रांडों ने 2025 में ब्रांड मूल्य में 9 प्रतिशत की वृद्धि की है, जो बेहतर अंडरराइटिंग परिणामों, उच्च निवेश आय, बढ़ती ब्याज दरों और बढ़ी हुई लाभप्रदता से प्रेरित है। बीमा उत्पादों की मांग में वृद्धि के कारण शीर्ष बीमा ब्रांडों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा है। आर्थिक सुधार और सकारात्मक बाजार भावना ने निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है, जबकि रणनीतिक विलय, अधिग्रहण और तकनीकी प्रगति ने उद्योग के विकास को गति दी है।

बीओबी ने महिला एनआरआई के लिए लॉन्च किया बचत खाता

एजेंसी

कोलकाता। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने पहली बार सार्वजनिक क्षेत्र में विशेष रूप से अप्रवासी भारतीय महिलाओं के लिए 'बॉब ग्लोबल वूमेन एनआरई और एनआरओ' बचत खाता लॉन्च किया है, जिसे उनकी वैश्विक आकांक्षाओं और विशिष्ट बैंकिंग आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है।

इसके अलावा बैंक ने अपने प्रमुख एनआरआई उत्पाद 'बॉब प्रीमियम एनआरई और एनआरओ' बचत खातों को भी नए स्वरूप में पेश किया है, जिसमें ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग अनुभव देने के लिए सुविधाओं और लाभों को उन्नत किया गया है।

'बॉब ग्लोबल वूमेन एनआरई और एनआरओ' बचत खाता कई अनूठे लाभों के साथ पेश किया गया है, जिनमें ऑटो स्वीप सुविधा, जिससे ग्राहकों को अधिक ब्याज अर्जित करने का अवसर मिलेगा, रियायती होम और ऑटो लोन दरें, कम प्रोसेसिंग शुल्क, लॉकर किराए पर 100 प्रतिशत छूट, कस्टमाइज्ड डेबिट कार्ड के साथ मुफ्त घरेलू और अंतरराष्ट्रीय लाउंज एक्सेस और निःशुल्क व्यक्तिगत एवं हवाई दुर्घटना बीमा शामिल हैं। यह सुविधा प्रदान करने वाला बैंक ऑफ बड़ौदा पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बन गया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की कार्यकारी निदेशक बीना वहीद ने कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा एक अंतरराष्ट्रीय बैंक के रूप में अपने एनआरआई ग्राहकों की आकांक्षाओं को समझता है। यह विशेष बचत खाता वैश्विक भारतीय महिलाओं की बदलती जरूरतों को पहचानते हुए उन्हें प्रीमियम बैंकिंग विशेषाधिकार और सुविधाएं प्रदान करता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, बैंक ऑफ बड़ौदा महिलाओं की वैश्विक यात्रा में उनके भरोसेमंद बैंकिंग भागीदार बनने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल महिला एनआरआई ग्राहकों को सशक्त बनाने और उनकी वित्तीय आवश्यकताओं को सहज एवं प्रभावी ढंग से पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

अगले 12 महीने में भारत का स्वयं का एआई का आधारभूत मॉडल होगा: वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस वर्ष मेड इन इंडिया पहली चिप बनने की उम्मीद जताते हुये यहां कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के क्षेत्र में अब अगले 12 महीने बाद स्वयं के आधारभूत मॉडल भी होंगे।

श्री वैष्णव ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा देश में 5 सेमीकंडक्टर इकाइयों का निर्माण किया जा रहा है और इस वर्ष हमें पहली मेड इन इंडिया चिप रोल आउट देखनी चाहिए। कल ही हमने 14000 जीपीयू के लिए पहली सामान्य कंप्यूट सुविधा शुरू की है। ये 14000 जीपीयू अब हमारे सभी शोधों, छात्रों स्टार्टअप्स के लिए उपलब्ध होंगे ताकि वे अपने एआई मॉडल एल्गोरिदम का परीक्षण कर सकें और ऐसे अनुप्रयोग बना सकें जो विश्व जीतेंगे और उम्मीद है कि अब से 12 महीने बाद हमारे पास अपने स्वयं के आधारभूत मॉडल भी होंगे। हमारे पास पहले से ही फाउंडेशनल मॉडल विकसित करने के लिए 67 एप्लीकेशन हैं और उनमें से लगभग 4 में से 5 बहुत परिपक्व हैं, जहाँ लोगों ने पहले से ही कुछ काम किया है और वे काम को अगले स्तर पर ले जाने की स्थिति में हैं। इसलिए यह वास्तव में बहुत ही रोमांचक समय है और मुझे लगता है कि हम पूरी तरह से नई औद्योगिक क्रांति से गुजर रहे हैं। मुझे लगता है कि आज जिस तरह से चीजें आगे बढ़ रही हैं, जिस तरह से तकनीक बदल रही है, यह अभूतपूर्व है।

उन्होंने कहा हमने विभिन्न प्रकार के समाधान देखे हैं जो लोग लेकर आए हैं और समस्याओं की अभूतपूर्व विविधता जिसे वे हल करने का प्रयास कर रहे हैं। युवाओं में अद्भुत ऊर्जा है। आज 80प्रतिशत स्टार्टअप एआई हैं। लगभग 4 लाख एआई पेशेवर आज विभिन्न विषयों पर काम कर रहे हैं। स्टैंडफोर्ड विश्वविद्यालय ने भारत को नंबर एक एआई प्रतिभा राष्ट्र का दर्जा दिया है। इसलिए मुझे लगता है कि समय वास्तव में रोमांचक है और मुझे लगता है कि हम निश्चित रूप से दुनिया के उन कुछ देशों में से होंगे जो प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक युग में हैं। मंत्री ने 2014 से देश में बदलाव आने का उल्लेख करते हुये कहा ÷ हम कुछ बहुत ही रोमांचक समय से गुजर रहे हैं।

2014 से हमारे देश में जो बदलाव आया है, वह एक ऐसे देश की नींव रखने जा रहा है जो 2014 से पहले के देश से बहुत अलग है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमें दृष्टि दी है, प्रेरणा दी है और हमें वह आत्मविश्वास और संसाधन दिए हैं कि हम वास्तव में बड़ा सोचें और समाधान निकालें, न केवल आज की समस्याओं को हल करें बल्कि भविष्य की समस्याओं को हल करने की नींव भी रखें। तकनीक का विकास सिर्फ दुनिया को प्रदान की जाने वाली सेवा न हो बल्कि तकनीक का विकास करें, उत्पाद विकसित करें और उन शीर्ष 5 देशों में शामिल हों, हो सकता है किसी दिन जी7 की तरह जी20 के लोग टी5 की बात करना शुरू कर दें, इसलिए शीर्ष 5 प्रौद्योगिकी राष्ट्रों में हम उसका हिस्सा हैं। यही वह प्रेरणा है जो हमें उनसे मिल रही है।

अहमदाबाद में गोदरेज इंडस्ट्रीज ने 'समागम' प्लेटफॉर्म किया लॉन्च

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में गोदरेज इंडस्ट्रीज के केमिकल बिजनेस ने'समागम' प्लेटफॉर्म लॉन्च किया।गोदरेज इंडस्ट्रीज (केमिकल्स) के कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी विशाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि 'समागम' उद्योग जगत के अग्रणी, निर्माताओं, फॉर्मूलेटरों, चैनल भागीदारों और क्षेत्र के विशेषज्ञों को एकजुट करने वाला अपनी तरह का पहला मंच है। उन्होंने कहा, बाजार तेजी से विकसित हो रहे हैं इसलिए नवीनता और सहयोग की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। विशेषज्ञता और नवीनता की विरासत के साथ हमें अपनी व्यावसायिक पेशकशों से आगे बढ़कर एक नई पहल समागम शुरू करने पर गर्व है। श्री शर्मा ने कहा कि घरेलू केयर, ब्यूटी और व्यक्तिगत देखभाल, ल्यूब्रिकेंट्स और मेटल वर्किंग तरल पदार्थ, खाद्य

और पेय पदार्थ, कृषि रसायन, पेंट और कोटिंग्स और अन्य जैसे क्षेत्रों में उभरते बाजार के रुझान, नवाचार और चुनौतियों पर केंद्रित समागम का उद्देश्य लगातार बदलते उद्योग क्षेत्र में सहयोग को प्रोत्साहन देना और व्यापार को बढ़ाना है। बढ़ती मांग, तकनीकी प्रगति, टिकाऊ दृष्टिकोण और नियामक परिवर्तनों के कारण भारत के औद्योगिक क्षेत्र तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं तब समागम हितधारकों को समाधान इस गतिशील वातावरण में आगे बढ़ने के लिए सोल्यूसन तलाशने और अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा,अहमदाबाद सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल विनिर्माण, डेटुसी ब्रांडों का केंद्र है और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों का समर्थन करने वाला एक मजबूत अनुबंध विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र है इसलिए पहले संस्करण के लिए रणनीतिक रूप से इसे चुना गया। उभरते रुझानों का पता लगाने और टिकाऊ और दूरदर्शी समाधानों के साथ भविष्य को आकार देने के लिए हितधारकों को एक साथ लाकर, यह पहल लगातार बदलते औद्योगिक क्षेत्र में हमारे भागीदारों के लिए सार्थक प्रगति को सक्षम करने की हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। गोदरेज इंडस्ट्रीज (केमिकल्स) के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि गोदरेज इंडस्ट्रीज (केमिकल्स) की गुजरात में मजबूत और स्थायी उपस्थिति है। 1996 से, इसकी वालिया सुविधा राज्य के औद्योगिक इकोसिस्टम तंत्र की आधारशिला रही है।

पतंजलि का 1,500 करोड़ रुपये का मेगा फूड पार्क रविवार से शुरू होगा

एजेंसी

नागपुर/नई दिल्ली। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने कहा कि नागपुर में 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित उसका मेगा खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र रविवार से परिचालन शुरू कर देगा। इसका उद्घाटन केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और योग गुरु रामदेव सहित अन्य की मौजूदगी में किया जाएगा। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) आचार्य बालकृष्ण ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि नागपुर के मिहान में 1,500 करोड़ रुपये के कुल निवेश से 'पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क' का उद्घाटन 9 मार्च को किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और योग गुरु रामदेव भी मौजूद रहेंगे। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि यह संयंत्र क्षेत्र में कृषि क्रांति लाएगा और विदर्भ के किसानों के

जीवन में खुशहाली लाएगा। उन?होंने कहा कि नागपुर में पतंजलि का संतरा प्रसंस्करण संयंत्र एशिया में सबसे बड़ा और सबसे उन्नत है। बालकृष्ण ने कहा कि 800 टन प्रतिदिन की क्षमता वाला यह संयंत्र संतरे के साथ-साथ इसके उप-उत्पादों और अन्य फलों का प्रसंस्करण भी करेगा। उन्होंने कहा कि यह सुविधा क्षेत्र के किसानों की स्थिति बदल देगी।

बिरला ओपस पेंट्स का पहला पेंट स्टूडियो

एजेंसी

नयी दिल्ली। आदित्य बिरला समूह के तहत ग्रासिम इंडस्ट्रीज का हिस्सा बिरला ओपस पेंट्स ने दिल्ली एनसीआर के गुरूग्राम में अपना पहला बिरला ओपस पेंट स्टूडियो शुरू किया है जो इस उद्योग में पहला अनुभव केंद्र होने के नाते ग्राहकों के रंगों को खोजने और चुनने के तरीके को फिर से परिभाषित करेगा।

बिरला ओपस पेंट्स के सीईओ रक्षित हरगवे ने इसका शुभारंभ करते हुये आज कहा कि पेंट उद्योग में यह मील का पत्थर इनोवेशन, प्रीमियम पेशकशों और वास्तव में इमर्सिव ग्राहक अनुभव के माध्यम से पेंट और डेकोर उद्योग को बदलने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अनुभवात्मक खुदरा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए कंपनी आने वाले महीनों में दिल्ली, मुंबई, नवी मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, जयपुर, अहमदाबाद और सूरत में अतिरिक्त

BIRLA opus PAINTS

अनुभव केंद्र खोलने की योजना बना रही है, जिसका उद्देश्य भारत का दूसरा सबसे बड़ा सजावटी पेंट ब्रांड बनना है।

उन्होंने गुरुग्राम में आज लॉन्च किए गए इस सेंटर में 170 से ज़्यादा उत्पाद हैं, जिसमें उपभोक्ताओं के लिए खास विकल्पों का चयन है और यह कंपनी की विकास रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में अपने खुदरा क्षेत्र का विस्तार करना है।

उन्होंने कहा 'भारत में उपभोक्ता उत्पाद खरीदते समय या सेवाएँ प्राप्त करते समय नए और अधिक गहन विकल्पों को तलाशने के लिए तैयार हैं। उपभोक्ता व्यवहार में इस बदलाव को महसूस करते हुए, हम बिरला ओपस पेंट्स में ऐसे इमर्सिव स्पेस बना रहे हैं जो घर के मालिकों को अपनी कहानियाँ गढ़ने में सक्षम बनाते हैं। यह अनुभव केंद्र उत्कृष्टता, नवाचार, समझौता रहित गुणवत्ता और हमारे इस विश्वास के प्रति हमारी स्थायी प्रतिबद्धता का प्रमाण है कि हर घर को एक व्यक्तिगत स्पर्श मिलना चाहिए। इस केंद्र में ग्राहक हमारे पेंट, डिज़ाइनर फ़िनिश और वॉलपेपर के साथ बिल्कुल नए और अनूठे तरीके से जुड़ सकते हैं। हमारा लक्ष्य पेंटिंग को एक साधारण काम से ज़्यादा बनाना है, इसे अलग-अलग कहानियों को दर्शाने वाली जगहों को बदलने की कला में बदलना है। यह विस्तार भारत का दूसरा सबसे बड़ा सजावटी पेंट ब्रांड बनने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो ग्राहकों के लिए नवाचार, सुविधा और उत्कृष्टता सुनिश्चित करता है।'

मूंगफली तेल सस्ता; चना और दाल चना गिरी

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में मूंगफली तेल सस्ता हो गया तथा चना और दाल चना के भाव गिर गए वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मार्च का पाम ऑयल वायदा 77 रिंगिट चढ़कर 4821 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.16 सेंट की गिरावट के साथ 43.01 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में मूंगफली तेल में 294 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे :-

दाल-दलहन : चना 5700-5800, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7300-7400, मूंग दाल 9250-9350, उड़द दाल 9200-9300, अरहर दाल 8400-8500 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3100-3200 रुपये और चावल :3150-3250 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 4280-4380, चीनी एम. 4300-4400, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4250-4350 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 16116 रुपये, मूंगफली तेल 18168 रुपये, सूरजमुखी तेल 16703 रुपये, सोया रिफाइंड 15751 रुपये, पाम ऑयल 13553 रुपये और वनस्पति तेल 16336 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

डीपीआईआईटी और मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने विनिर्माण, सड़क सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए किया समझौता

नई दिल्ली,। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और मर्सिडीज-बेंज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में नवाचार, स्थिरता और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस एमओयू पर डीपीआईआईटी के निदेशक डॉ. सुमीत कुमार जारंगल और मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक संतोष अय्यर ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य तकनीकी उत्कृष्टता प्राप्त करने और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने में स्टार्टअप, इनोवेटर्स और उद्यमियों का समर्थन करना है। मंत्रालय ने कहा कि इस एमओयू के तहत मर्सिडीज-बेंज इंडिया स्टार्टअप्स को बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन, फंडिंग तक पहुंच और बाजार संपर्क प्रदान करके समर्थन देने के लिए डीपीआईआईटी के साथ मिलकर काम करेगी। यह साझेदारी भारत सरकार की स्टार्टअप इंडिया पहल के अनुरूप है, जो उभरते इनोवेटर्स और उद्यमियों की व्यापक पहुंच और अधिक भागीदारी सुनिश्चित करती है।

जन औषधि दिवस पर पूरे देश में जनऔषधि केन्द्रों पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आम लोगों को किफायती मूल्य पर बेहतर गुणवत्ता वाली अंग्रेजी दवायें उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से हर साल सात मार्च को मनाये जा रहे जन औषधि दिवस के मद्देजनर देश भर में जनऔषधि केन्द्रों पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इसके तहत एक मार्च से सात मार्च तक विशेष अभियान के तहत कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और विशेषतौर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें स्वास्थ्य शिविर आदि का आयोजित कर लोगों को जनऔषधि के बारे में बताया गया।

हर साल 7 मार्च को 'जन औषधि दिवस' मनाया जाता है ताकि इस योजना के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और जेनेरिक दवाओं के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा सके। इस पहल को समर्थन देने के लिए 1 से 7 मार्च तक पूरे देश में सप्ताह भर के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष, 1 मार्च को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पीएमबीजेपी के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए समारोह की शुरुआत की गई। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) ने आम जनता को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे देश के हर कोने तक स्वास्थ्य सेवा पहुँचना सुनिश्चित हुआ है। सभी जिलों में अब 15,000 से अधिक जन औषधि केंद्रों के चालू होने के साथ, इस योजना ने न केवल स्वास्थ्य सेवा की सामर्थ्य को बढ़ाया है, बल्कि स्वरोजगार के लिए एक अवसर भी बनाया है, जिससे स्थायी और नियमित आय की प्राप्त की जा रही है। अब जबकि सरकार जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देती रहेगी, इस योजना में और वृद्धि देखने को मिलेगी, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार और भारत में उद्यमिता को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका मजबूत होगी। 'प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी)' को नवंबर 2008 में रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग द्वारा केंद्रीय फार्मा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के सहयोग से लॉन्च किया गया था । इस पहल का उद्देश्य प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेके) नामक समर्पित दुकानों के माध्यम से जनता को सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ उपलब्ध कराना है।प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) का उद्देश्य सभी को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयाँ उपलब्ध कराना है। इस पहल के तहत प्राथमिक लक्ष्यों में से एक है जेनेरिक दवाओं के लाभों के बारे में जनता को शिक्षित करना, इस बात पर ज़ोर देना कि सस्ता होना गुणवत्ता से समझौता नहीं है। इस पहल का उद्देश्य इस गलत धारणा को दूर करना है कि उच्च कीमतें बेहतर गुणवत्ता का संकेत देती हैं। पीएमबीजेपी का उद्देश्य स्वास्थ्य पेशेवरों, विशेष रूप से सरकारी अस्पतालों में काम करने वाले पेशेवरों को जेनेरिक दवाओं के विकल्प लिखने के लिए प्रेरित करना है, जिससे लागत प्रभावी उपचार विकल्पों को बढ़ावा मिले।

इस पहल का उद्देश्य विभिन्न चिकित्सीय श्रेणियों में आमतौर पर प्रयुक्त होने वाली जेनेरिक दवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद सभी के लिए, विशेष रूप से वंचित लोगों के लिए उपलब्ध हों।

गर्मियों में अपनी डाइट में किन चीजों को करें शामिल, अभी से ही डाल लें आदत

आप क्या खाते हैं और क्या नहीं खाते, सेहत पर इसका बहुत असर देखने को मिलता है. सर्दियों का मौसम चला गया है और गर्मियों ने दस्तक दे दी है. ऐसे में वातावरण के हिसाब से खाना जरूरी हो जाता है. आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि गर्मियों में खान-पान कैसा होना चाहिए.

मौसम के बदलाव के साथ-साथ हमारी डाइट भी बदलती है. सर्दियों का मौसम जा चुका है और गर्मियों के सीजन ने दस्तक दे दी है. ऐसे में अपनी सेहत का ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत होती है. तेज धूप से डिहाइड्रेशन और स्किन प्रॉब्लम्स समेत कई हेल्थ समस्याएं हो सकती हैं. अगर मौसम के अनुसार खान-पान में बदलाव न किया जाए तो आप कई गंभीर समस्याओं का शिकार हो सकते हैं.

न्यूट्रिशनिस्ट नमामी अग्रवाल कहती हैं कि गर्मियों में शरीर को ठंडक और हाइड्रेशन की आवश्यकता होती है. इस मौसम में हेल्दी खान-पान रखें. सही डाइट न केवल शरीर को तरोताजा रखता है, बल्कि शरीर को हाइड्रेटेड भी बनाए रखता है. आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि गर्मियों में अपनी डाइट में किन चीजों को शामिल करें.

दही और छाछ

गर्मियों में दही और छाछ का सेवन पाचन को ठीक रखने और शरीर को ठंडक देने के लिए बहुत फायदेमंद होता है. दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो आंत को दुरुस्त रखते हैं. छाछ भी शरीर में ठंडक बनाए रखने के साथ-साथ पाचन में मदद करती है. आप दही और छाछ को डाइट में शामिल करें.

हल्का भोजन करें

गर्मियों में हैवी और तली-भुनी चीजों से बचना चाहिए, क्योंकि ये पाचन में समस्या खड़ी कर सकते हैं. इसके बजाय, हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन जैसे दलिया, खिचड़ी, मूंग दाल और सूप को डाइट में शामिल करें. अपने लंच में सिंपल रोटी को शामिल करें.

पुदीना है फायदेमंद

पुदीना शरीर को ठंडक देने का काम करते हैं. आप पुदीने को नींबू पानी में डालकर पी सकते हैं. इससे शरीर फ्रेश रहेगा.इसमें प्राकृतिक एंटीऑक्सिडेंट्स भरपूर होते हैं, जो शरीर की प्रतिरक्षा को भी बढ़ाते हैं.

दालों को खाएं

एक्सपर्ट कहती हैं कि अपने एक समय के खाने में हरी मूंग या अरहर की दाल को शामिल करें. इनमें प्रोटीन, आयरन और विटामिन बी12 पाया जाता है. फाइबर से भरपूर दाल खाने से आप ओवरईटिंग से भी बच सकते हैं.

नारियल पानी

सख्त गर्मी के मौसम में आप रोजाना नारियल पानी पिएं.इसमें इलेक्ट्रोलाइट्स, मिनरल्स और विटामिन्स होते हैं जो शरीर को हाइड्रेटेड रखते हैं. यह शरीर के तापमान को संतुलित करता है.

महिला ही क्यों हो रसोई की रानी, 'पुरुष महाराज' क्यों नहीं ?

सबकी पसंद की चीज़ें बनाने और वक्त का ध्यान रखने वाली सुघढ़ गृहिणी का ख़िताब उसे अपने सपनों की कीमत पर ही क्यों मिलता है

सबकी पसंद की चीज़ें बनाने और वक्त का ध्यान रखने वाली सुघढ़ गृहिणी का ख़िताब उसे अपने सपनों की कीमत पर ही क्यों मिलता है? आज की पढ़ी-लिखी लड़की इस माहौल में घुटने लगती है। इसी मुद्दे पर बनी फिल्म मिसेज में दिखाया गया है कि ससुरजी को चटनी तो सिलबट्टे की ही चाहिए।

पुरुष यूं तो रसोई में सदियों से है और क्या खूब है, लेकिन जब बात परिवार की रसोई में काम करने की आती है तो वे सिरे से गायब हो जाते हैं। परिवार नामक इकाई में खाना बनाना केवल स्त्री का दायित्व है। पुरुष कभी-कभार किचन में आते भी हैं तो वह किसी उत्सव से कम नहीं होता। प्याज़, टमाटर, मसाले तैयार कर दो तो साहब मसालेदार डिश बना देंगे। फिर घर में सिर्फ वाह-वाही होगी।

बातें होंगी कि साहब यूं तो बाहर जाकर रोज़ी करते हैं, लेकिन आज तो रोटी भी बनाई है। महिलाओं के जिम्मे खाना बनाने का यह काम हमेशा बिना भुगतान के ही रहा है। हिसाब लगाया जाए कि जो काम महिलाएं घर में करती हैं, उसे चुकाया जाए तो उनके बैंक खाते हमेशा एक मोटी रकम से भरे रहें। होता तो यह है दिन-रात के श्रम के बावजूद जीवन की सांध्य बेला में महिलाओं के पास अपनी कोई बचत की रकम भी नहीं होती। जो काम करती हैं उनके लिए भी काम और परिवार के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। वर्क लाइफ बैलेंस सहयोग की मांग करता है। जो इस संतुलन को साध लेती हैं, वे आगे बढ़ जाती हैं और शेष काम को त्याग परिवार चुन लेती हैं। महिला प्रगति के लिहाज़ से इस जगह आकर तनिक राहत मिल जाए तो आधी आबादी का काम काफी आसान हो जाएगा, वरना तो घर संभालने की क़वायद सबसे पहले उसका जॉब ही खाती है। हर रोज़ रसोई में उत्सव जैसे खाना बनाते रहने की चक्की में महिला किस कदर पिसती जाती है, इस मुद्दे को सलीके से दर्शाने वाली एक फिल्म की इन दिनों खूब चर्चा है।

इस दौर में भी आख़िर क्यों मछली जल की रानी है की तज़ पर एक महिला को किचन की रानी बना दिया गया है, पुरुष क्यों नहीं रसोई का महाराज हो सकता? समाज भी ऐसी ही महिलाओं का आदर करता है जो भोजन के षडरस को परोसते हुए ज़िन्दगी बसर करती है। क्यों किसी भी काम को लिंग के आधार पर बांट दिया जाना चाहिए? जब भूख सबको बराबर लगती है तो फिर रसोई सिर्फ एक की ज़िम्मेदारी क्यों हो? यहां तक कि बड़े हो गए बच्चे, घर आये मेहमान सभी का योगदान इसमें क्यों नहीं होना चाहिए? सबकी पसंद की चीज़ें बनाने और वक्त का ध्यान रखने वाली सुघढ़ गृहिणी का ख़िताब उसे अपने सपनों की कीमत पर ही क्यों मिलता है? आज की पढ़ी-लिखी लड़की इस माहौल में घुटने लगती है। इसी मुद्दे पर बनी फिल्म मिसेज में दिखाया गया है कि ससुरजी को चटनी तो सिलबट्टे की ही चाहिए। मिक्सी में पोषक तत्व कट जाते हैं जबकि कूटने पर बने रहते हैं।बिरयानी तो दम की बेहतर होती है- घंटों धीमी आंच पर पकी हुई। फुल्का तो गर्म ही परोसा जाए जो दौड़ते हुए टेबल तक आए। और हां, घर का कोना-कोना साफ और चमकदार होना चाहिए। ससुरजी को धूल से एलर्जी है। चप्पल भी बिस्तर के नीचे रखी हुई मिलनी चाहिए। लगता है जैसे किसी बीमार की सेवा हो रही है। साथ खाने का तो कोई रिवाज़ ही नहीं। ससुरजी की ऐसी ही आदतें सासु मां ने सहेजी हैं और अब उनके बेटे को भी पत्नी से ऐसी ही उम्मीद है। पत्नी को डांस में दिलचस्पी है पर ये भले घर के लोग, उसके पुराने वीडियो भी सोशल मीडिया से डिलीट करवाना चाहते हैं। करवा चौथ के दिन घर के पुरुष सदस्य छककर खाना खाते हुए कह रहे हैं कि कुछ भी कहो, हमारी प्राचीन परंपराएं हैं बड़ी वैज्ञानिक। ऐसे तमाम दृश्य आरती कडव निर्देशित और अनु सिंह चौधरी के संवाद और पटकथा लेखन वाली फिल्म मिसेज रचती है जो इन दिनों हर भारतीय को छू रही हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत के मध्यम वर्ग की आधी आबादी अब भी शेष आधी आबादी को खाना पकाकर देने में ही जुटी हुई है। मिसेज%द ग्रेट इंडियन किचन का रीमेक है।

भारत में कामकाजी महिलाओं की संख्या लगातार घट रही है। यहां तक कि नेपाल, भूटान और श्रीलंका भी हमसे आगे हैं। महिलाओं के कामकाजी होने के रिकॉर्ड में दुनिया का औसत भी कुछ खास अच्छा नहीं है। केवल 40 फीसदी जबकि बहामा में यह सर्वाधिक 90 प्रतिशत है। जी-20 देशों के समूह में भी कामकाजी भारतीय महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे कम है। हमारे कुल कार्यबल में भागीदारी 24 प्रतिशत के आसपास है, जो कुवैत (27.8) और सऊदी अरब (35) से भी कम है। 2005 में भारत में कामकाजी महिलाओं की संख्या 27 फ़ीसदी थी जो 2021 में घटकर 23.54 फ़ीसदी रह गई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के 2020 में जारी एक सर्वे में पाया गया है कि 81.2 प्रतिशत महिलाएं अवैतनिक घरेलू सेवाओं में लगी हुई हैं जबकि पुरुषों के लिए यह संख्या 26 प्रतिशत है। इसका आशय है कि वे घरेलू कामकाज, बच्चों और बुज़ुर्गों की देखभाल में लगभग दस गुना ज़्यादा समय दे रही हैं। अगर भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है तो महिलाओं को इसमें शामिल किया ही जाना चाहिए। 2020 में नोबेल पुरस्कार विजेता क्लाउडिया गोल्डीन कहती हैं- सभी महिलाएं काम करती हैं लेकिन सभी को वेतन नहीं मिलता।% देखा जाए तो महिलाएं पुरुषों की तुलना में सप्ताह में ज़्यादा काम करती हैं लेकिन वे कम अवकाश वाली थकी हुई महिलाएं हैं।

फिल्म रूह्ह्य. के अंत की खूब आलोचना हो रही है क्योंकि नायिका पति से अलग हो जाती है और डांस को अपना लेती है। उसके पति को दूसरी बीवी मिल जाती है जो वही सब कर रही होती है जो नायिका की अर्थशास्त्र में पीएचडी कर चुकी सास कर रही थी। आलोचकों को एतराज़ है कि दूसरी बीवी को फिर से गर्म फुल्के बनाते हुए दिखाने की ज़रूरत नहीं थी, इससे पितृसत्ता का किला वहीं खड़ा दीखता है। यह ध्वस्त नहीं होता। उन्हें लगता है कि फिल्म वहीं ख़त्म हो जानी चाहिए थी जहां नायिका घर छोड़ती है। दरअसल जो फिल्म में दिखाया गया है वही सच है। अलग हुए पतियों को ही नहीं, दहेज़ के दोषियों तक को यहां दुबारा मिसेज़ मिल जाती हैं। जब तक यह सिलसिला नहीं टूटेगा, पितृसत्ता के मज़बूत किले कभी ध्वस्त नहीं होंगे।

किसी को लगता है कि नायिका को रण भी नहीं छोड़ना चाहिए था। तब क्या इसी घुटन में दम तोड़ देना चाहिए था? सौ साल पहले रवींद्रनाथ टैगोर ने भी मृणाल नामक किरदार की रचना की थी जिसने समाज में स्त्री के हालात और भेदभाव से दुखी होकर वैवाहिक जीवन और परिवार का त्यागकर जगन्नाथ की राह पकड़ ली थी। मार्ग मीरा का भी वही था। मृणाल की चिट्ठी शीर्षक से इस कहानी में मृणाल कहती है- मैं सिर्फ आपके घर की छोटी बहू नहीं हूं। मैं मैं हूं..। कहा जा सकता है कि मिसेज़ बन जाना पहचान का खोना नहीं होना चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस महिला दिवस पर महिलाएं अपने दिल की सुनने के और करीब होंगी और शेष समाज उनके साथ। अनामिका की कविता %फर्नीचर% भी बहुत कुछ कहती है-

संपादकीय

असह्य हो चला है भारत का अपमान

दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनकर आये डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले भारत के लिये हानिकारक तो हैं ही, अपमानजनक भी हैं। यह ऐसे वक्त में हो रहा है जब ट्रम्प ने दुनिया भर के खिलाफ़ ट्रेड वार की शुरुआत कर दी है। कारोबारी पृष्ठभूमि से आये ट्रम्प की दिलचस्पी व्यवसायों के बूते दुनिया पर राज करने में है। वे जानते हैं अब विश्व विजेता सैन्य शक्ति के बल पर सम्भव नहीं, न परम्परागत साम्राज्यवादी तरीके से दुनिया मुट्ठी में की जा सकती है। उनके इन खतरनाक विचारों को दुनिया समझ चुकी है। कुछ देश नयी परिस्थितियों का मुकाबला करने के लिये खुद को तैयार कर रहे हैं। चीन जैसा देश तो न केवल व्यवसाय के स्तर पर बल्कि ज़रूरत पड़ी तो उससे युद्ध के मैदान में भी दो-दो हाथ करने की तैयारी कर रहा है। बहुत छोटे-छोटे देश भी अपनी सम्प्रभुता व प्रतिष्ठा को बचाने के लिये कृतसंकल्पित हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को न तो खुद के सम्मान की चिंता है और न ही देश की प्रतिष्ठा की। इससे उत्साहित ट्रम्प हर रोज़ भारत का अपमान कर रहे हैं। अमेरिकी इरादों से निपटने की यहां कोई तैयारी नहीं दिखती।शुरुआत करें तो ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह से। अमेरिकी राष्ट्रपति के वर्ष 2020 के चुनाव में पद की गरिमा और अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकोल को ताक पर रखकर मोदी ने अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान उनके पक्ष में यह कहकर प्रचार किया था कि %अब की बार ट्रम्प सरकार%। उसी ट्रम्प ने 2024 का चुनाव जीतने के बाद जब पद सम्हाला तो मोदी को आमंत्रित तक नहीं किया। भारत के दुश्मन देश चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग बुलाये गये, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर गये और यहां तक कि भारत के सर्वाधिक अमीरों में से एक मुकेश अंबानी सपत्नीक आमंत्रित थे। जयशंकर कई दिनों तक मोदी के लिये आमंत्रण पाने की आस व जुगाड़ में वाशिंगटन डीसी में बैठे रहे फिर भी उन्हें नहीं बुलाया गया। तो भी मोदी ने उन्हें बधाइयां देने के लिये उद्देश्यहीन यात्रा की। ट्रम्प ने द्वीपक्षीय अनुबन्ध के नाम पर अमेरिका से पुराने व पॉयलेटों के लिये खतरनाक हो चुके एफ-35 लड़ाकू विमान तथा महंगी दरों पर प्राकृतिक गैस व तेल खरीदी के लिये उनके दस्तखत ले लिये।इतना ही नहीं, उनके पहुंचने के पहले से लेकर ट्रम्प भारत की आयात-निर्यात नीति की लगातार आलोचना यह कहकर कर रहे थे कि भारत दुनिया के उन देशों में से एक है जिसका शुल्क सबसे ज्यादा है जिसके चलते भारत के साथ व्यापार मुश्किल है। उन्होंने मोदी की उपस्थिति में साफ कर दिया कि वे %रेसिप्रोकल नीति% अपनाएंगे। यानी भारत अमेरिकी वस्तुओं पर जितना शुल्क लगायेगा, उतना ही अमेरिका भी भारतीय वस्तुओं पर लगायेगा। इसके विपरीत अब ट्रम्प ने ऐलान कर दिया है कि वे विदेशी वस्तुओं पर 100 फीसदी शुल्क लगाएंगे, जिनमें भारत भी शामिल है। ट्रम्प की इस दादागिरी का जवाब देते हुए चीन ने भी बराबरी का शुल्क लगाने की घोषणा कर दी है जबकि भारत इसका जवाब कैसे देगा, यह अब तक स्पष्ट नहीं। व्यवसायिक हलकों में कहा जा रहा है कि इससे भारत के आयात-निर्यात को बड़ा झटका लग सकता है।अपमान की अगली श्रृंखला में ट्रम्प ने कई देशों के अवैध प्रवासियों को वापस भेजने का बीड़ा उठाया। वे उनके बारे में खराब शब्दों का प्रयोग तक करते रहे हैं। कई देशों के लोगों को उन्होंने वापस भेजा लेकिन कोलंबिया, मैक्सिको आदि देशों ने अप नागरिकों की सम्मानजनक वापसी कराई जबकि भारतीयों को हथकड़ी-जंजीरों में बांधकर भेजा गया ट्रम्प को इसमें इसलिये कठिनाई नहीं आई क्योंकि स्व भारत सरकार ने उसके इस कार्य को जायज ठहराया ट्रम्प व उनके खास दुनिया के सबसे बड़े कारोबा एलन मस्क हर रोज दुनिया भर से अमेरिका आये अवै प्रवासियों को गालियां देते हैं लेकिन सिर्फ भारतीयों क बेड़ियों में भेजते हैं क्योंकि बाकी देश और उनका नेतृत्व अपने नागरिकों के साथ खड़ा रहता है।वैसे ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिं पन्नू को बुलाया गया जिसने अपने साथियों के सा जयशंकर की उपस्थिति में खालिस्तान जिंदाबाद के ना लगाये व उसका झंडा फहराया। उनकी बढ़ती हिम्मत क ही परिणाम है कि गुरुवार की सुबह (भारती समयानुसार) अपनी ब्रिटेन यात्रा के दौरान ज जयशंकर लंदन के चैथम हाउस से निकले तो इन्ह खालिस्तानियों ने उनके सामने तिरंगा फाड़ा तथ खालिस्तानी नारे लगाये।

अर्थव्यवस्था की चाह बनाम चुनावी दबाव

बेरोजगारी के मामले में भी बेहतर आंकड़े देखने में आए हैं। जिस एक चीज से आर्थिक जानकार सबसे ज्यादा आश्वस्त हुए हैं वह है खेती के नतीजे। खरीफ की फसल अच्छी होने के बाद अब रबी के भी रिकार्ड पैदावार की उम्मीद की जा रही है। इन्हीं सबका नतीजा है कि इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में विकास दर आधे फीसदी से ज्यादा ऊपर दिखाई देने लगा हैजिस समय शेयर बाजार गोते लगा रहा हो और निवेशकों के लाखों करोड़ देखते-देखते स्वाहा हो रहे हों, जब डालर के खिलाफ रुपए की गिरावट रोकने के लिए सरकार मुश्किल से काम आए लाखों-करोड़ों डालर बाजार में उतारे और वे भी गिरावट को न रोककर खुद स्वाहा हो जाएं और जब सोना देखते-देखते नब्बे हजार प्रति दस ग्राम को छूता नजर आए तब यह कहना बहुत जोखिम और दिलेरी का काम है कि हमारी अर्थव्यवस्था काफी समय बाद मजबूती के लक्षण दिखा रही है और उसके बुनियादी पैमाने ऊपर की दिशा का ही रुख बनाए हुए हैं। और जब मोदी राज में आर्थिक प्रबंधन के हिसाब से केन्द्रीय भूमिका वाले शक्तिकान्त दास को रिजर्व बैंक के गवर्नर पद से सेवानिवृत्त होने के बाद प्रधानमंत्री का दूसरा प्रधान सचिव बनाने जैसा अपूर्व काम हुआ हो तब यह कहना भी मुश्किल है कि सरकार को आर्थिक मोर्चे की भारी हलचलों की परवाह नहीं है। शक्तिकान्त दास कोई बहुत भारी अर्थशास्त्री न हों और न ही उन्होंने सरकार में वित्त सचिव या रिजर्व बैंक का गवर्नर रहते कोई बहुत क्रांतिकारी कदम उठाया हो लेकिन इतना तो उनके पक्ष में जाता है कि मोदी सरकार के बुनियादी स्वभाव से उनका मेल है और उन्होंने अपनी प्रशासनिक जिम्मेवारियां उसी हिसाब से निभाई हैं। मोदीजी के नोटबंदी जैसे मुश्किल और गलत फैसले के बीच अर्थव्यवस्था और मुद्रा व्यवस्था को संभालना कोई आसान काम न था।जिस हिसाब से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने ऊटपटांग आर्थिक फैसलों से दुनिया भर में हड़कंप मचाए हुए हैं उसके बीच अपनी अर्थव्यवस्था की मजबूती के कोंपलों को संभालना और इसे एक स्वाभाविक विकास की तरफ ले जाना कोविड की तालाबंदी और नोटबंदी को संभालने से भी ज्यादा मुश्किल है। जब वैश्विक उथल-पुथल हो और बड़े जतन से बने विश्व व्यापार संगठन वाली व्यवस्थाओं को भी बेमानी बनाने का अभियान अमेरिकी राष्ट्रपति चलाएं तब निवेशकों और पूंजी का डर जाना बहुत स्वाभाविक है। बाइडन राज में अमेरिकी बांड और बैंकों की रकम पर कमाई का भरोसा बढ़ने से भी भारत समेत दुनिया भर के बाजारों से पूंजी अमेरिका गई थी। फिर चीन ने अपने निवेश नियम आसान किए और करों की छूट शुरू की तो उसने भी बड़े पैमाने पर पूंजी आकर्षित की। अब ट्रम्प द्वारा आयात पर कर बढ़ाने और कई देशों को सीधे धमकाने से बाजार में बेचैनी है। जाहिर तौर पर ऐसे वक्त निवेशक के लिए शेयर बाजार की अनिश्चितता से हटकर डालर, अमेरिकी सरकारी बांड और सोने में पैसा लगाना ज्यादा भरोसे का सौदा है। इसलिए बाजार में गिरावट के साथ डालर की महंगाई और सोने की बेतहाशा मांग बढ़ी है। वैश्वीकरण के युग में हम, खासकर बाजार इससे अछूते नहीं रह सकते।जनवरी का विदेश व्यापार का आंकड़ा भी बताता है कि सिर्फ चालू घाटे के मामले में ही नहीं आइटम के हिसाब से भी हमारा विदेश व्यापार बेहतर हुआ है। वैश्विक स्तर पर सोने की मांग बढ़ने के के बावजूद सोना-प्रेमी भारत में आयात नहीं बढ़ा है। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वैश्विक तेजी के बावजूद हमारे आयात बिल में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई है और तेल उत्पादों तथा गहनों के अलावा बाकी चीजों के निर्यात में तेजी दिखी है। महंगाई का सामान्य ग्राफ काफी समय से नियंत्रण में रहने के बाद सरकार और रिजर्व बैंक को यह भरोसा हुआ है कि लंबे समय बाद पहली बार बैंक दरों में पचीस प्वाइंट की कमी की गई। इससे लोन आसान होगा और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। इस तेजी का इंतजार बाकी सभी क्षेत्रों में है और सरकार अलोकप्रियता या स्थिति हाथ से निकलने के डर से कई चीजों को रोके हुए है और अब अर्थव्यवस्था में मांग कम होने, ऋण मांगने वालों में कमी आने जैसे लक्षण भी दिखने लगे थे। इधर बेरोजगारी के मामले में भी बेहतर आंकड़े देखने में आए हैं। जिस एक चीज से आर्थिक जानकार सबसे ज्यादा आश्वस्त हुए हैं वह है खेती के नतीजे। खरीफ की फसल अच्छी होने के बाद अब रबी के भी रिकार्ड पैदावार की उम्मीद की जा रही है।इन्हीं सबका नतीजा है कि इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में विकास दर आधे फीसदी से ज्यादा ऊपर दिखाई देने लगा है जबकि दूसरी तिमाही में यह बहुत कम था। इस संकेत से यह उम्मीद मजबूत हुई है कि दुनिया में चाहे जो उठापटक चले भारत के आर्थिक विकास पर ज्यादा असर नहीं होगा। बुरा हो या अच्छा, पर अभी तक जीडीपी में विदेश व्यापार का हिस्सा ज्यादा बड़ा न होने से भी हम सुरक्षित हैं और यह बात बाहर की दुनिया को कुछ देर से मालूम हुई हो लेकिन सरकारी तंत्र को सिंगनल पहले से मिल रहे होंगे। यह बात हमारा बजट भी बताता है। हमारा राजकोषीय घाटा पहली बार साढ़े चार फीसदी के नीचे आया और हर बार टैक्स कलेक्शन का रिकार्ड बनना बताता है कि अर्थव्यवस्था का नान-फार्मल से फार्मल होने का अभियान चलाने के साथ ही वांछित दिशा में भी प्रगति हो रही है। यह वांछित दिशा क्या हो इस पर बहस हो सकती है लेकिन सरकार अपने अभियान में, जो काफी हद तक भूमंडलीकरण के अभियान से संचालित था या वोट पाने की हल्की राजनीति से, सफल रही है। आज नए सिरे से रेवड़ी बनाम अच्छा आर्थिक प्रशासन का मुद्दा उठाने लगा है पर बहस सही दिशा में नहीं चली है।संयोग से बजट ही इस विरोधाभास को सबसे अच्छी तरह बता भी देता है। इस बार के बजट का सबसे चर्चित फैसला आयकर की सीमा को बारह लाख करना था। यह काम पिछले बजट में नहीं किया गया जबकि वह लोक सभा चुनाव के पहले का आखिरी बजट था। उस चुनाव के नतीजों और अन्य संकेतों से लग गया कि मध्य वर्ग भाजपा और नरेंद्र मोदी से दूर हो रहा है तो इस भारी-भरकम राहत के जरिए उसे पटाया गया।

माना जाता है कि दिल्ली में भाजपा की जीत में उससे भी मदद मिली। बजट के इस पक्ष को भुला दिया गया (राजकोषीय अनुशासन की बात को भी) कि सरकार के लिए अब संरचना क्षेत्र में ज्यादा खर्च करना संभव नहीं है। वह क्षेत्र लगभग अघा चुका है। हर दस साल में देश के सभी राजमार्गों को खोदकर दोबारा बनाया जाए तब भी सरकारी खजाना तय रकम नहीं खर्च कर सकता। संविधान द्वारा सड़क (राष्ट्रीय राजमार्ग), रेल, रक्षा, हवाई अड्डा और बंदरगाहों पर ही निवेश की सीमा तय करने से ऐसी स्थिति आई है। इसलिए कितने हवाई अड्डे और कितने माडल स्टेशन और कहां-कहां बनाए की बात होती है इसे भी याद करें। बड़ा सवाल यही है कि सरकार की प्राथमिकता क्या हों। वह अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखे या चुनाव और चुनावी चंदे को। असली मुश्किल यही है कि हर बार अर्थव्यवस्था कमर कसकर आगे आती है और हर बार चुनाव उसकी छाती के ऊपर बैठ जाता है।

किट्स की मदद से कलाकारी

डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को देखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं। आर्ट एंड क्राफ्ट की फील्ड में जितनी वैरायटी आ गई है, अब उतने ही वेरिएशन उनके किट्स में भी आ चुके हैं। डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अब अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को ध्यान में रखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं।

इको क्राफ्ट किट

यदि बच्चे कुछ पॉजिटिव आर्ट वर्क करना चाहते हैं, तो उनके लिए इको क्राफ्ट जैसे ऑप्शन बेहतर होंगे। इसमें रीसाइकल पेपर से लेकर वुडन बटन्स तक रहते हैं, जिसकी मदद से अर्थ फ्रेंडली क्राफ्ट बच्चे तैयार कर सकते हैं।

कलाइडोस्कोप के लिए मटेरियल

कलाइडोस्कोप बनाने के लिए अब तुम्हें अलग-अलग चीजें ढूंढने की जरूरत नहीं। इसके लिए भी किट मौजूद है, जिसकी मदद से तुम अपना मनपसंद कलाइडोस्कोप तैयार कर सकते हो। कुछ किट्स में तो 12 कलाइडोस्कोप बनाने तक के मटेरियल रहते हैं।

क्राफ्ट के लिए और भी जरूरी हैं कई चीजें

पेंट : इन्हें तुम पेंटब्रश, स्टिक्स, मार्बल, बबल या फिंगर की मदद से यूज कर सकते हो।

वुडन स्टिक : पपेट्स, स्टिक बिल्डिंग और आर्टिफिशियल फ्लावर्स बनाने में बड़े काम के साबित होते हैं।

बीड्स : होममेड ज्वैलरी के लिए या डेकोरेशन के लिए बीड्स का इस्तेमाल कर सकते हो।

किड्स फ्रेंडली सीजर : अब ऐसे सीजर्स अवेलेबल हैं, जिससे बच्चों को चोट लगने का खतरा कम रहता है।

कुछ चीजें हैं आस-पास

आर्ट एंड क्राफ्ट में यूज होने वाली कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं जो तुम्हारे घर में वेस्ट के रूप में रहती हैं लेकिन तुम इन्हें अपने आर्ट वर्क को और बेहतर बनाने के लिए प्रयोग में ला सकते हो, जैसे:

- खाली टॉयलेट पेपर रोल
- खाली टिशू बॉक्स
- शूज बॉक्सेस
- प्लास्टिक कप्स
- दवाइयों की खाली शीशी
- बेकार बटन्स
- बबल रैप
- पेपर बैग
- किचन स्पोंज

यह है डॉल हॉस्पिटल!

बड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है। 1913 में हैरॉल्ड चैपमैन ने अपने जनरल स्टोर के साथ ही एक डॉल हॉस्पिटल भी खोला था। उस समय हैरॉल्ड के भाई सेल्युलॉयड डॉल्स जापान से इम्पोर्ट करने का काम करते थे। डॉल्स को लाने के दौरान कई बार उनमें टूट-फूट हो जाया करती थी और उसे देखकर ही हैरॉल्ड को उन्हें रिपेयर करने का आइडिया आया।

जब लोगों को पता चला कि हैरॉल्ड डॉल्स को रिपेयर करने का काम करते हैं तो वो लोग अपनी टूटी डॉल, सॉफ्ट एनिमल टॉय लेकर पहुंचने लगे और इस तरह डॉल हॉस्पिटल का जन्म हुआ। अब इस डॉल हॉस्पिटल को देखने का काम हैरॉल्ड के पोते करते हैं। अपने दादाजी और पिताजी के पैशन को आगे बढ़ाते हुए ज्यॉफ चैपमैन उसी लगन से काम कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि जेनरेशन के साथ-साथ डॉल हॉस्पिटल और भी एडवांस हो गया है।

इस हॉस्पिटल में आने वाली डॉल्स की रेंज काफी बड़ी है जिसमें मॉडर्न डॉल से लेकर एंटीक डॉल्स भी रिपेयर होने के लिए आती हैं। यहां तक कि सूटकेस, हैंडबैग, छाते जैसी चीजों को भी लोग रिपेयर करवाने पहुंचते हैं। अभी तक इस हॉस्पिटल में 30 लाख डॉल्स बीमार होकर आईं और ठीक होकर गई हैं। ब ड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है।

असली अस्पतालों जैसा

यह डॉल हॉस्पिटल सामान्य हॉस्पिटल की तरह ही रियल दिखता है। इसमें डॉल को रिपेयर करने का काम उसकी जरूरत और उस समय जो स्पेशलिस्ट मौजूद होता है उसके अनुसार किया जाता है। यहां 12 लोगों का स्टाफ है और हरेक डॉक्टर के पास अलग-अलग स्पेशलाइजेशन है।

इस कुएं में मौजूद है 30 किलोमीटर लंबी खुफिया सुरंग

पूरी दुनिया में तमाम ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में इंसान आज तक पता नहीं लगा पाया.इनमें से बहुत से रहस्य तो हमारे ही देश में मौजूद है जो आज भी लोगों को आश्चर्य में डाल देते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं.बता दें कि पुराने जमाने में राजा-महाराजा अक्सर अपने राज्य में जगह-जगह कुआं खुदवाते रहते थे.जिससे जनता के लिए पानी की कमी न हो.उस जमाने में हर स्थान पर तमाम कुएं मिल जाया करते थे.जिनके अवशेष आज भी पाए जाते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें एक खुफियाय सुरंग बनाई गई थी.

इस कुएं को 'रानी की बावड़ी' के नाम से जाना जाता है.दरअसल, बावड़ी का मतलब सीढ़ीदार कुआं होता है.'रानी की बावड़ी' का इतिहास 900 साल से भी ज्यादा पुराना है.अब इस बावड़ी को देखने के लिए हजारों पर्यटक हर साल यहां पहुंचते हैं.साल 2014 में यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था.

ये बावड़ी गुजरात के पाटण में स्थित है जिसे रानी की वाव भी कहा जाता है.

कहते हैं कि रानी की वाव यानी बावड़ी का निर्माण 1063 ईस्वी में सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने करवाया था.रानी उदयमति जूनागढ़ के चूड़ासमा शासक रा खेंगार की पुत्री थीं.

रानी की वाव 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 27 मीटर गहरी है.यह भारत में अपनी तरह का सबसे अनोखी वाव है.इसकी दीवारों और स्तंभों पर बहुत सी कलाकृतियां और मूर्तियों की शानदार नक्काशी की गई है.इनमें से अधिकांश नक्काशियां भगवान राम, वामन, नरसिम्हा, महिषासुरमर्दिनी, कल्कि आदि जैसे अवतारों के विभिन्न रूपों में भगवान विष्णु को समर्पित हैं.ये बावड़ी सात मंजिला है जो मारू-गुर्जर वास्तु शैली का साक्ष्य है.यह करीब सात शताब्दी तक सरस्वती नदी के लापता होने के बाद गाद में दबी हुई थी. नन्हे गजराज को पकड़ने के लिए गन्ने का लालच दे रहा था युवक, वीडियो में देखें जब बच्चे को आया गुस्सा तो हुआ क्या

इसे भारतीय पुरातत्व विभाग ने फिर से खोजा और साफ-सफाई करवाई.उसके बाद यहां पर्यटकों का आना जाना शुरु हो गया.कहते हैं कि इस विश्वप्रसिद्ध सीढ़ीनुमा बावड़ी के नीचे एक छोटा सा गेट भी है, जिसके अंदर करीब 30 किलोमीटर लंबी सुरंग बनी हुई है.यह सुरंग पाटण के सिद्धपुर में जाकर खुलती है.ऐसा माना जाता है कि पहले इस खुफिया सुरंग का इस्तेमाल राजा और उसका परिवार युद्ध या फिर किसी कठिन परिस्थिति में करते थे. लेकिन अब ये सुरंग पत्थरों और कीचड़ों की वजह से बंद हो गई है.

रहस्यमयी पेड़, छूते ही करता है इंसानों जैसी हरकत, गुदगुदी करने पर हंसता है

दरअसल, कालाढूंगी के जंगलों में एक ऐसा पेड़ है जो बिल्कुल इंसानों की तरह ही हरकते करता है। इस पेड़ को इंसानों की तरह गुदगुदी होती है। जब कोई इस पेड़ को हाथ लगता है तो उस पेड़ को गुदगुदी शुरू हो जाती है। उसकी टहनियां और पत्तियां हंसने लगती है। इस पेड़ के तने में अगर अंगुलियां रगड़ी जाएं तो इसकी शाखाएं हिलने लगती है। इसी वजह से इस पेड को हंसने वाला पेड़ भी कहा जाता है। दूर दूर से लोग इस जंगल में इस पेड़ को देखने आते हैं। इस हंसने वाले पेड़ का वानस्पतिक नाम 'रेंडिया डूमिटोरम' है। इस पेड़ को हाथ लगाने पर इसे गुदगुदी क्यों होती है, इस पर कई शोध किए जा रहे हैं। इस पेड़ की गुदगुदी को देखने के लिए पर्यटक दूर दूर से आते हैं। कई लोगों खुद इस पेड़ को गुदगुदी करते हैं लोगों ने पाया कि इस पेड़ के सारे तने जोर जोर से हिलने लगते हैं। यही वजह है कि लोग इस पेड़ को देखने जंगल की गहराइयों तक पहुंचे जाते हैं।

ऐसा माना जाता है कि इंसानों की तरह पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। भारत में कई पेड़-पोधों की पूजा भी की जाती है और उन्हें ईश्वर को दर्जा दिया जाता है। वहीं हमारे देश के जंगलों में कई रहस्य भी भरे पड़े हैं। उत्तराखंड के नैनीताल में के एक जंगल में भी एक ऐसा ही रहस्य छिपा हुआ है, जो वाकई अपने आप में हैरान करने वाला है। ये रहस्य है एक पेड़ का जो इंसानों जैसी हरकत करता है। लेकिन इसके लिए आपके इंसानों की तरह ही इसके साथ गुदगुदी करनी होगी।

कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

समाधान

राजा विक्रमसिंह अत्यंत चिंतित थे, कुछ ही दिनों पूर्व राज्य के एक हिस्से में उनके खिलाफ विद्रोह करने का प्रयत्न किया गया था, जिसे राजा विक्रमसिंह ने वक्त रहते अपनी सूझबूझ तथा सेना के द्वारा नियंत्रण में कर लिया था। लेकिन इस विद्रोह ने उन्हें प्रजा में अपने प्रति बढ़ते आक्रोश का संकेत दे दिया था और यही राजा विक्रमसिंह की चिंता का मुख्य कारण था।

मंत्रीगण आप सभी का विचार है, प्रजा पुनः विद्रोह न करे इसके लिए हमें क्या करना चाहिए। राजा विक्रमसिंह ने मंत्रियों तथा सेनापति से पूछा।

महाराज, मेरा विचार है कि जिस स्थान पर आपके विरुद्ध विद्रोह हुआ है वहां के समस्त नागरिकों को राज्य से निकाल देना चाहिए। एक मंत्री ने कहा।

महाराज, मेरे विचार में हमें उस स्थान पर अत्यधिक संख्या में सेना नियुक्त कर देनी चाहिए जिससे दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वो तत्काल कार्यवाही कर सके और विद्रोह को उग्र रूप लने से पूर्व ही समाप्त किया जा सके। सेनापति ने सुझाव प्रस्तुत किया।

महाराज, हम भी सेनापति जी के सुझाव से सहमत हैं। कुछ मंत्रियों ने सेनापति के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा।

सेनापति जी आपके द्वारा दिया गया सुझाव निश्चित रूप से विचार योग्य है, किंतु यह भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। ऐसा करने से उस क्षेत्र की प्रजा में यह गलत संदेश जाएगा कि हम उन पर अविश्वास करते हैं। इससे भी वहां के नागरिकों में रोष बढ़ेगा। राजा विक्रमसिंह ने कहा तो दरबार में सन्नाटा छा गया।

तत्पश्चात इस संबंध में अलग-अलग सुझाव प्रस्तुत करने लगे किंतु राजा विक्रमसिंह को कोई भी सुझाव उचित नहीं लगा।

महामंत्री जी, सभा में उपस्थित सभी मंत्रियों ने हमारे समक्ष अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए, किंतु आपने अभी तक हमें अपनी राय से अवगत नहीं कराया। हम जानना चाहते हैं कि आपकी राय में इस समस्या का क्या समाधान है।-राजा विक्रमसिंह ने महामंत्री ज्ञानसेन से पूछा।महाराज, यह अत्यंत गंभीर विषय है। अतः इस बारे में विचार करने हेतु मुझे कुछ समय की आवश्यकता है। महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीर स्वर में कहा।

ठीक है, महामंत्री जी। हम आपको इस विषय पर विचार करने हेतु तीन दिन का समय देते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस समस्या का कोई उचित समाधान तलाश कर सकेंगे। राजा विक्रमसिंह ने कहा और सभा समाप्त हो गई।

उसी शाम राजा विक्रमसिंह, महामंत्री ज्ञानसेन के साथ शाही उद्यान में घूम रहे थे। चलते-चलते उनकी निगाह उद्यान में लगे कुछ पौधों पर पड़ी। इन पौधों के कारण पूरे उद्यान का सौंदर्य नष्ट हो रहा है! राजा विक्रमसिंह बोले तो उन्होंने एक सेवक को उन पौधों को उखाड़ने का आदेश दिया।

राजा विक्रमसिंह का आदेश पाकर सेवक उन पौधों को उखाड़ने लगा। कुछ पौधों को तो सेवक ने बेहद सरलतापूर्वक उखाड़ दिया, किंतु अन्य पौधों को उखाड़ने में उसे अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा।

महाराज, मुझे आपकी समस्या का समाधान प्राप्त हो गया। एकाएक महामंत्री ज्ञानसेन ने कहा।

कैसा समाधान मंत्री जी?

महाराज, इन पौधों को देखिए। इनमें से कुछ पौधे तो सरलतापूर्वक भूमि से अलग हो गए, लेकिन कुछ को उखाड़ने में बहुत मुश्किल हुई। ऐसा इसलिए, क्योंकि इन पौधों की जड़ें भूमि में अन्य पौधों की अपेक्षा अधिक गहरी तथा मजबूती से जुड़ी हुई थीं।

महामंत्री जी हम आपके कथन का अर्थ नहीं समझे?

महाराज, जिस प्रकार इन पौधों की जड़ें भूमि में गहराई तक जुड़ी हुई हैं इसलिए इन्हें भूमि से अलग करना कठिन है। उसी प्रकार यदि आपकी लोकप्रियता रूपी जड़ें भी प्रजा में काफी गहराई तक समा जाएं तो फिर जो भी आपको प्रजा से अलग करने का अर्थात विद्रोह करवाने का प्रयास करेगी उसके लिए यह कार्य अत्यंत कठिन होगा। इसके लिए आपको प्रजा के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करनी चाहिए।

किंतु समस्त प्रजा के लिए हमने तो पहले से ही अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हुई हैं!

महाराज, आपका कथन ठीक है। लेकिन उन योजनाओं का लाभ प्रजा को प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं; आपके इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार भी प्रजा में असंतोष का मुख्य कारण है।-महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीरतापूर्वक कहा।

राजा विक्रमसिंह ने ध्यानपूर्वक महामंत्री ज्ञानसेन की बातें सुनीं और फिर उस पर अमल करना आरंभ कर दिया। कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

कुछ दिनों पश्चात राजा विक्रमसिंह को ज्ञात हुआ कि राज्य के एक हिस्से में पुनः विद्रोह करने का प्रयास किया गया है किंतु इस बार राजा विक्रमसिंह को कोई भी कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि प्रजा ने स्वयं बगावत के लिए उन्हें भड़काने वाले नागरिकों को पकड़कर राजा विक्रमसिंह के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।

महाराज, यह सभी तो हमारे शत्रु राज्य ज्वालागढ़ के गुप्तचर हैं।सेनापति ने नागरिकों द्वारा पकड़कर दरबार में लाये गये व्यक्तियों को देखकर कहा।

महाराज, यही हमें आपके विरुद्ध भड़काते थे और विद्रोह करने के लिए प्रेरित करते थे। हमें बेहद अफसोस है कि इनकी बातों में आकर एक बार हमने विद्रोह करने का अपराध किया। उन गुप्तचरों को दरबार में उपस्तिथ करने वाले नागरिकों ने खेदपूर्वक कहा।

जो हुआ उसे भूल जाइए। हमें प्रसन्नता है कि इस बार आप सब शत्रु राज्य के गुप्तचरों के बहकावे में नहीं आए। हमें पर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सब शत्रु राज्यों के गुप्तचरों के बहकावे में आकर कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे जिससे राज्य का अहित हो।

जी महाराज। राजा विक्रमसिंह की बात सुनकर दरबार में उपस्थित नागरिकों ने कहा।

तत्पश्चात राजा विक्रमसिंह ने दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को पुरस्कृत करके दरबार से विदा किया और महामंत्री ज्ञानसेन को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया, जिनकी सलाह द्वारा एक विकट समस्या का समाधान हो गया था और राज्य में अमन तथा शांति स्थापित हुई थी।

लहर-लहर लहराए लहरिया

रिमझिम सावन में छटा बिखेरते लहरिए देख मनमस्त हुआ जाता है।

सावन का महीना आते ही याद आते हैं रिमझिम बूंदों के बीच झूलों पर गूंजते मल्हार, मुंह में मिठास घोलते घेवर और चटख रंगों में छटा बिखेरते लहरिए। लहर जैसी डिजाइन यानी लहरिए। ये लहरें पानी की लहरों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

तीज के अवसर पर तो लहरिए की अहमियत और भी बढ जाती है। तीज से एक दिन पहले नवविवाहिताओं के लिए ससुराल से लहरिया भेजा जाता है, जिसे तीज पर पहन कर वे अपने सुखद भविष्य के लिए मंगल कामना करती हैं। लहरिया सुहाग का प्रतीक माना जाता है। समय के साथ-साथ इसमें डिजाइन, रंग और पैटर्न में बदलाव आते रहे हैं। सावन के आगमन के साथ ही बाजार में 150 से लेकर 5000 रूपए तक के लहरियों की छटा छा चुकी है। इस समय बाजार में मुख्यत: तीन प्रकार के लहरिए मिल रहे हैं-

सिंथेटिक मैटेरियल के लहरिए

यदि आप सावन में लहरिए का पूरा आनंद लेना चाहती हैं, तो सिंथेटिक मैटेरियल में विभिन्न रंगों और डिजाइनों के लहरिए उपलब्ध हैं। इन्हें पहन आप बेफिक्र होकर झमाझम बारिश में नहाने का लुत्फ भी उठा सकती हैं। ये 150 रूपए से शुरू होते हैं और सितारों और हल्के जरी वर्क के साथ 500 रूपए तक में आसानी से मिल जाते हैं।

प्योर मैटेरियल के प्लेन लहरिए

सोबर लुक पसंद करने वाली महिलाओं के लिए ये लहरिए अच्छा विकल्प हैं। प्योर जॉर्जेट या शिफॉन के ये लहरिए कामकाजी महिलाओं के लिए भी एकदम उपयुक्त हैं। आधुनिकता और पारंपरिकता के मेल वाले इन लहरियों की कीमत है 800 से लेकर 1200 रूपए तक।

हैवी वर्क वाले मल्टी कलर लहरिए

लहरिए को दो या अधिक रंगों में स्टोन, गोटा पत्ती, जरदोजी, मोती, रेशम आदि वर्क कर उन्हें हैवी लुक दिया जाता है। इन्हें सावन के अलावा पार्टीवियर साडी के रू प में कभी भी पहना जा सकता है।

वैसे तो पारंपरिक रूप से लाल, हरे, रानी रंग के लहरिए मिलते हैं, पर अब काले, नीले जैसे रंगों में भी उपलब्ध हैं, जो आपको देते हैं एक डिफरेंट लुक। 1500 से शुरू होकर 5000 रूपए तक में आप मनचाहा लहरिया ले सकती हैं।

दोरंगी ढोकला

सामग्री: 300 ग्राम चावल, 100 ग्राम उड़द दाल, 20 ग्राम साबुत जीरा, 100 ग्राम शक्कर, 3 टीस्पून खानेवाला सोडा, 3 टीस्पून तेल, 3 टीस्पून अदरक-मिर्ची का पेस्ट, 1 कप दही, 1 कप टोमैटो केचअप, आधा टीस्पून हल्दी पाउडर, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार।

विधि: सबसे पहले चावल और दाल को धोकर दो घंटे पानी में भिगो दें। बाद में मिक्सर में बारीक पीसकर उसमें साबुत जीरा, तेल, शक्कर, अदरक-हरी मिर्ची पेस्ट, दही, नमक और सोडा डालकर अच्छी तरह मिला लें।

इसे घोल को दो बराबर हिस्सों में बांट दें। एक हिस्से को ट्रे में आधा डालकर स्टीम करें। 15 मिनट बाद भाप से निकाल लें। दूसरे घोल में टोमैटो केचअप, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और गरम मसाला मिक्स करें और उसी ट्रे में डाल दें। 15 मिनट तक स्टीम करें। दोरंगी ढोकला तैयार है।

कम खर्च में चोखी रंगत

बात जब सजने-संवरने की हो, तो सोने के गहनों का कोई विकल्प नहीं हो सकता। लेकिन मंदी का दौर और सोने के आसमान छूते दाम.....ख्वाहिशें यूं ही दम तोडने लगती हैं। जाहिर है कि सोने की भारी-भरकम ज्वैलरी पहनने का जमाना अब गुजर चुका है। ऐसे में अगर कम खर्च में ही 'सोना कितना सोणा है' वाली बात हो जाए, तो कैसा रहे मतलब दाम कम, लेकिन रंगत वही। लीजिए, हाजिर है लाइट वेट और इमिटेशन ज्वैलरी। यानी आधुनिक महिलाओं का नया फैशन स्टेटमेंट!

कहावत है कि जब तक धरती पर महिलाएं हैं, तब तक ज्वैलरी की मांग खत्म नहीं हो सकती। सच है, चाहे दुनिया भर में मंदी का माहौल हो, पर ज्वैलरी की शौकीन महिलाएं ज्वैलरी खरीदना नहीं भूल सकतीं। इसकी मांग में कमी आ सकती है, पर अब महिलाओं ने इसका भी विकल्प खोज लिया है। आजकल महिलाओं के बीच लाइट वैट ज्वैलरी, सिल्वर ज्वैलरी और इमिटेशन ज्वैलरी छाई हुई है।

महिलाएं चाहती हैं कि आभूषण की कीमत या वजन चाहे कम हो, लेकिन दिखने में ये फैशनेबल और साइज में बडे हों। जाहिर है, मांग को देखते हुए ज्वैलर्स भी पारंपरिक ज्वैलरी के स्थान पर कम वजन की सस्ती ज्वैलरी की ओर रूख कर रहे हैं। उनके पास लाखों रूपए से लेकर कुछ हजार रूपए के आभूषणों का विकल्प मौजूद है। बाजार में कम कीमत में सभी तरह के आभूषण जैसे हार, चूडियां, अंगूठी, टॉप्स, झुमके, ब्रेसलेट, पायल, मंगलसूत्र उपलब्ध हैं।

विकल्प मौजूद हैं

सस्ती ज्वैलरी की डिमांड के चलते बडी संख्या में ज्वैलरों ने सोने के विकल्प के रूप में चांदी की ज्वैलरी पर भी अपना ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है। शहरों में सिल्वर-डायमंड सैट, चांदी की पायजेब, अंगूठी, बिछिया जैसे आभूषणों की काफी मांग है। अब चांदी के आभूषण भी फैशन में आ चुके हैं।

आभूषणों में लगाए जाने वाले प्राकृतिक रंगीन रत्नों के विकल्प के रूप में 'मेन मेड सिंथेटिक रत्न' भी उपलब्ध हैं। बाजार में सिंथेटिक रत्न प्राकृतिक रत्न की तुलना में 80:20 के अनुपात में खरीदे जाते हैं। गहनों की शौकीन गृहिणी सुधा शर्मा कहती हैं, 'मुझे तो सुंदर डिजाइन और बडे आकार की ज्वैलरी चाहिए। कीमत की बजाय ज्वैलरी की लुकिंग को तरजीह देती हूं। साथ ही मैचिंग ज्वैलरी भी हो जाती है।'

इमिटेशन ज्वैलरी का दौर

बाजार में एक ग्राम और सोने की पॉलिश वाली ज्वैलरी के प्रति भी महिलाओं का खासा झुकाव है। कम कीमत की होने के कारण महिलाएं इन्हें फैशन ज्वैलरी के रूप में भी अपना रही है।

बढ़ते अपराध और जोखिम के चलते अधिक टिकाऊ नहीं होने के बावजूद इस ज्वैलरी का उपयोग न केवल मध्यम वर्ग, बल्कि उच्च वर्ग में भी बढ़ रहा है। कम लागत होने के कारण इनके खोने और चोरी होने का भी डर नहीं, इसलिए इनकी मांग बढ़ रही है। देश में इमिटेशन ज्वैलरी के बाजार का आकार करीब एक हजार करोड रूपए का है।

एक सरकारी स्कूल में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत मालती जैन का कहना है कि आज ज्वैलरी में कीमत की बजाय लैटेस्ट फैशन ज्यादा देखा जा रहा है। अब भारी-भरकम ज्वैलरी को संभालने का झंझट कौन करे, अगर खो जाए तो मुश्किल। एक महंगे हार की कीमत में आज मैं दस मैचिंग हार खरीद सकती हूं। यह सब इमिटेशन ज्वैलरी का कमाल ही तो है।

फैशन ज्वैलरी में दिलचस्पी

ज्वैलर बताते हैं कि ज्वैलरी की कीमत, पहनने और रख-रखाव के झंझट के चलते लड़कियां कम कीमत की फैशन ज्वैलरी में ही रूचि दिखा रही हैं। यूं सोने की ज्वैलरी की बाजार में ज्यादा मांग नहीं है। थोडी-बहुत मांग शादी-त्योहार के अवसर पर होने वाली अनिवार्य खरीद से बनी हुई है। अब सोने की ज्वैलरी खरीदने वाले ग्राहक या तो पुराना सोना वापस ज्वैलर को बेच कर खरीद कर रहे हैं या फिर सोने के जेवर का दूसरा विकल्प खोजा जा रहा है।

हमारे देश में 23, 22 और 18 कैरेट के सोने का सर्वाधिक प्रचलन है। जबकि विदेशों में 8 कैरेट सोने के आभूषणों का भी प्रचलन है। साफबात है कि कम कैरेट के सोने का उपयोग करने का असर आभूषण की कीमत पर भी आता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2013

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15 → 1 2 3 4 5

24 ↑ 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2012 का हल

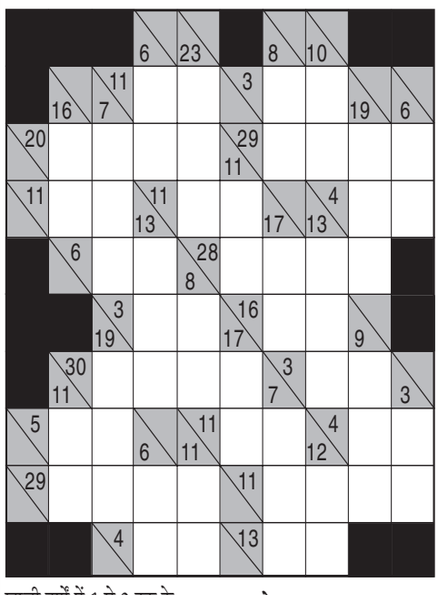

लॉफिंग जोक्स

एक प्रेमी ने सोचा कि प्रेमिका से विवाह का प्रस्ताव नए अंदाज में किया जाए।

एक दिन प्रेमिका से मुलाकात होने पर उसने कहा- प्रिये! मैं स्वयं को तुम्हें भेंट करना चाहता हूँ।

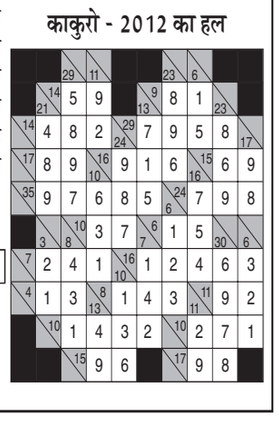

प्रेमिका ने बुरा सा मुँह बनाकर कहा- मुझे घटिया तोहफे लेने की आदत नहीं हैं।

□ □ □

वकील ने खूबसूरत युवती से पूछा- परसों रात तुम कहाँ थी?

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्त्राँ गई थी।

वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात?

युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ।

वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

□ □ □

पति, पत्नी से- कल रात मैंने एक बहुत बुरा सपना देखा। मैंने देखा कि मैं सुंदर लड़कियों के झुँड में मौजूद हूँ।

पत्नी- तो यह सपना बुरा कैसे हुआ?

पति बोला- क्योंकि सपने में मैं खुद भी तो एक लड़की ही था।

फिल्म वर्ग पहेली- 2013

बायें से दायें:-

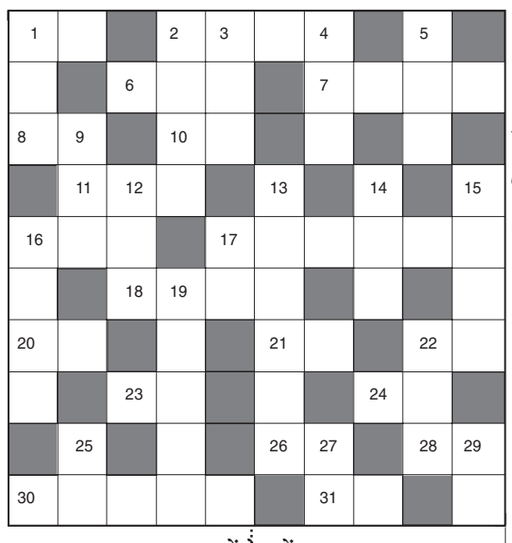

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान. रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2012

का	ला	प	त्थ	र	■	को	ह	श	■
र	■	ड़ो	■	क्ष	त्रि	य	■	ही	श
वाँ	■	स	ड़	क	■	ला	वा	■	खी
■	जा	न	■	■	ज	■	दा	दा	■
दि	ल	■	ख	ट्टा	मी	ठा	■	मि	ली
व्या	■	खे	ल	■	र	■	स	नी	■
■	प	■	ना	ना	■	डॉ	न	■	डो
प	रि	च	य	■	सु	■	म	वा	ली
■	वा	■	क	सू	र	■	■	रि	■
पा	र	स	■	र्या	■	वि	श	स	त

सूडोकु -2013

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2012 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 2013

बाएँ से दाएँ

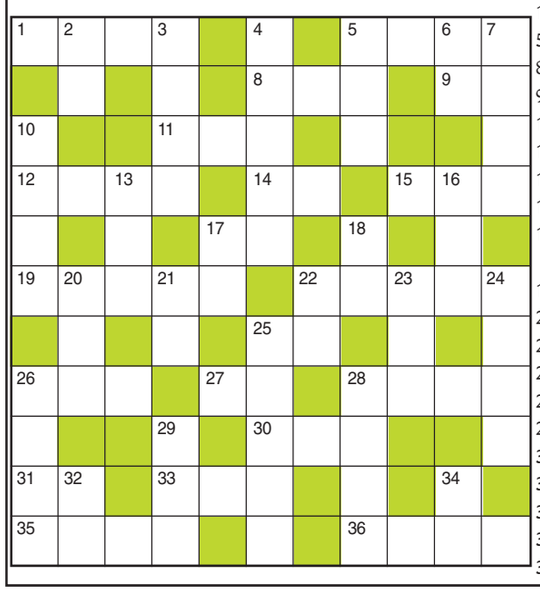

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना, धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य, गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र, बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान, जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह, जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -2012 का हल

■	त	था	क	थि	त	■	क	या	म	त
ना	प	■	ह	■	र	का	बी	■	त	र
मु	■	त	वा	य	फ	■	ला	वा	■	खा
ना	पा	क	■	■	दा	नी	■	दा	म	न
सि	■	दी	■	प	र	■	सा	■	हि	■
ब	ह	र	हा	ल	■	नि	रा	ला	प	न
■	र	■	नि	■	आ	शा	■	ज	■	ज
अ	म	र	■	अ	तं	■	■	वा	न	र
मा	■	मा	न	■	क	र	त	ब	■	बं
न	या	■	ज	ल	वा	■	ना	■	क	द
त	क	दी	र	■	द	शा	व	ता	र	■

'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' पर कई जगहों पर निकाली गई रैली

एजेंसी

इरोड/सलेम (तमिलनाडु)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर तमिलनाडु के इरोड, सलेम और शिवगंगा में जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली पुलिस और जिला प्रशासन की तरफ से निकाली गई। रैली का उद्देश्य महिला सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना था। इस रैली में बड़ी संख्या में आम महिलाओं के साथ विभिन्न खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

तमिलनाडु के इरोड में 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के मौके पर महिला सुरक्षा और नशे को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली का नेतृत्व महिला पुलिस अधिकारियों और खिलाड़ियों ने किया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) थिरु जी. जवाहर ने 200 से अधिक प्रतिभागियों के साथ कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने देश के विकास में महिलाओं के योगदान को रेखांकित किया। इसी तरह सलेम जिले में भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लेकर देश और समाज के विकास में अपनी प्रतिबद्धता जताई। सलेम की जिलाधिकारी वृंदा देवी ने महिला सशक्तिकरण को समाज के लिए जरूरी बताया और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल करने वाली महिलाओं को पुरस्कृत भी किया।

मध्य प्रदेश में वन्यजीवों के लिए अलग माहौल - मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेश में वन्यजीवों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार की पहल पर खुशी जताई। मोहन यादव ने कहा, 'मुझे खुशी है कि मध्य प्रदेश में वन्यजीवों के लिए एक अलग माहौल बन रहा है। भोपाल पहली राजधानी बन गई है, जो वन्यजीवों की दृष्टि से विशेष स्थान रखती है।' उन्होंने बताया कि राज्य में आठ रिजर्व पार्कों में सभी व्यवस्थाएं पूर्ण हैं और भविष्य में भी नए पार्क बनाए जाएंगे। वन्यजीव प्रबंधन के मामले में मध्य प्रदेश देश और दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने भोपाल में आठवें टाइगर रिजर्व पार्क की घोषणा की थी। इसका स्वागत सफलता के साथ हुआ। वन्यजीव प्रबंधन के मामले में भोपाल देश की पहली राजधानी बन गई है। हम एक और टाइगर रिजर्व पार्क के लिए अधिसूचना जारी कर रहे हैं। माधव राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश का नौवां टाइगर रिजर्व बनेगा। उन्होंने राज्य सरकार की अन्य वन्यजीव परियोजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, हमने नए पार्क का नाम माधव टाइगर रिजर्व रखा है। पीएम मोदी द्वारा शुरू किए गए कुनो चीता प्रोजेक्ट के अलावा, चंबल में घड़ियाल संरक्षण परियोजना पर भी काम चल रहा है। टाइगर रिजर्व में बड़ी संख्या में जीवों की प्रजातियां पाई जाती हैं और हम वन्यजीवों के प्रति पूरी तरह से फ्रेंडली हैं।

जम्मू-कश्मीर के लिए केंद्र सरकार की नीयत अच्छी तो हम उनके साथ बढ़ेंगे आगे - उमर अब्दुल्ला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा विधानसभा में बजट पेश किए जाने के बाद विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री मोदी के विजन का समर्थन करता है। जवाब में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी जम्मू-कश्मीर को एक विकसित राज्य के रूप में देखना चाहते हैं। अगर मैं कहूं कि विकास नहीं होना चाहिए, तो कोई भी इससे सहमत नहीं होगा। अगर केंद्र सरकार की जम्मू-कश्मीर के लिए नीयत अच्छी है, तो हम उनके साथ आगे बढ़ेंगे। यह बजट जम्मू-कश्मीर के लोगों का बजट है।' सीएम अब्दुल्ला ने आगे कहा, 'यह बजट जम्मू-कश्मीर के लोगों से सुझाव लेने के बाद तैयार किया गया है। पहली बार इस बजट को तैयार करते समय नगरपालिका समितियों (एमसी) से भी विचार किया गया है। पिछले पांच-छह साल में संसद में जम्मू-कश्मीर के लिए पेश किए गए बजट अस्पष्ट थे। हम यह भी नहीं बता सकते थे कि किस क्षेत्र के लिए क्या आवंटित किया गया था। ईमानदारी से कहूं तो मुझे यह भी याद नहीं है कि पिछले पांच-छह साल में जम्मू-कश्मीर के लिए कौन-सा बजट पेश किया गया था।' उन्होंने कहा, 'आज आप जम्मू-कश्मीर के बजट पर चर्चा कर रहे हैं। आज आप हमसे सवाल पूछ रहे हैं। क्या पिछले पांच-छह साल में कोई चर्चा हुई थी, कोई सवाल उठा था? अगर यह प्रधानमंत्री का बजट होता तो यहां कोई सवाल या जवाब नहीं होता।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में 11 नक्सलियों ने किया सरेंडर

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इन नक्सलियों ने मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है। इनमें दो बड़े कैडर के नक्सली शामिल हैं, जो डिविजनल कमेटी मेंबर (डीवीसीएम) रैंक के थे और कई नक्सली हमलों में शामिल रहे हैं। सरेंडर करने वाले 11 नक्सलियों पर कुल 40 लाख रुपए का इनाम घोषित था। दो डीपीसीएम कैडर पर आठ-आठ लाख रुपए का इनाम था। एरिया कमेटी मेंबर (एसीएम) पर पांच-पांच लाख रुपए का इनाम था और अन्य नक्सलियों पर दो-दो लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के अनुसार, इन नक्सलियों ने सरकार की पुनर्वास नीति और सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव के कारण आत्मसमर्पण किया। प्रशासन का कहना है कि वे अब हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ना चाहते हैं।

जेपी नड्डा ने किया एम्स बिलासपुर में पीईटी-सीटी और स्पेक्ट-सीटी स्कैन सुविधा का शुभारंभ

एजेंसी

शिमल। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर में पीईटी-सीटी और स्पेक्ट-सीटी स्कैन सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एम्स बिलासपुर प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नया आयाम जोड़ने जा रहा है। यहां आधुनिक तकनीकों से युक्त जांच सुविधाओं की शुरुआत से मरीजों को सटीक और त्वरित इलाज उपलब्ध होगा। नड्डा ने कहा कि एम्स बिलासपुर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि और भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का परिणाम है। जब यह संस्थान अस्तित्व में आया था तब यह सिर्फ एक ढांचा था लेकिन आज यह अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस एक प्रमुख स्वास्थ्य संस्थान बन गया है। हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य के लिए यह संस्थान वरदान साबित होगा क्योंकि अब यहां के लोगों को बड़े इलाज के लिए बाहर नहीं जाना

पड़ेगा। नड्डा ने एम्स परिसर में विश्राम सदन और क्षेत्रीय वायरोलॉजी डायग्नोस्टिक लैब (वीआरडीएल) का भी शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि विश्राम सदन की सुविधा से दूर-दराज से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को ठहरने की उचित व्यवस्था मिलेगी। वहीं क्षेत्रीय वायरोलॉजी डायग्नोस्टिक लैब से वायरस जनित बीमारियों की जांच और अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा जिससे प्रदेश की स्वास्थ्य सुरक्षा को और मजबूत किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि एम्स बिलासपुर सिर्फ इलाज ही नहीं बल्कि अनुसंधान और मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। यहां आधुनिक तकनीक से लैस चिकित्सा सुविधाएं मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होंगी। हमीरपुर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने एम्स बिलासपुर में नई जांच सुविधाओं के शुभारंभ को प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से प्रदेशवासियों को इलाज के लिए चंडीगढ़, दिल्ली या अन्य बड़े शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं और आने वाले समय में और भी अत्याधुनिक सुविधाएं एम्स बिलासपुर में जोड़ी जाएंगी।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि एम्स बिलासपुर भाजपा सरकार की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

वित्त आयोग के सदस्यों ने ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के किए दर्शन

एजेंसी

खण्डवा। सोलहवें केंद्रीय वित्त आयोग के सदस्य मनोज पांडा, सौम्या कांति घोष के साथ आयोग के सचिव ऋत्विक पांडे एवं संयुक्त सचिव केके मिश्रा ने खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में विश्व प्रसिद्ध ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी राव देवेंद्र सिंह चौहान सहित अन्य ट्रस्टी गण ने सदस्यों को शॉल एवं बाबा ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग की प्रतिकृति भेंट की।वित्त आयोग के सदस्य पैदल पुल से ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने पहुंचे। उन्होंने माँ नर्मदा के विहंगम दृश्य का अवलोकन कर माँ नर्मदा को प्रणाम किया। इसके बाद केंद्रीय वित्त आयोग के सदस्यगण मान्धाता पर्वत पर स्थापित आचार्य शंकर की 108 फ़ीट ऊँची बहुधातु की प्रतिमा के दर्शन करने पहुंचे। सदस्यों के आगमन पर बटुकों ने मंत्रोच्चार के साथ उनका स्वागत किया। वित्त आयोग के सदस्यों ने भगवान शंकराचार्य की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित

कर उन्हें प्रणाम किया। इस अवसर पर खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक मनोज राय, जिला पंचायत सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

औरंगजेब का गुणगान करने वाले ही कर रहे वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध : सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी

अहमदाबाद। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्य सभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने भाजपा के प्रदेश कार्यालय कमलम में कहा कि जो लोग वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध कर रहे हैं, वे राष्ट्र को सभी विषयों में राष्ट्रशक्ति को कमजोर करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन के आर्किटेक्ट सरदार वल्लभभाई पटेल गुजरात के थे और वन नेशन को अमृतकाल में नई ऊंचाई पर ले जाने वाले देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी गुजरात के हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जो लोग यह कहते हैं कि भारत कभी एक देश था ही नहीं, देश को मुगलों, अंग्रेजों और औरंगजेब ने बनाया, वे लोग ही वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध कर रहे हैं। ये विरोध करने वाले लोग कभी राम मंदिर नहीं गए, वे महाकुंभ में भी स्नान करने नहीं गए, वे औरंगजेब का गुणगान कर रहे हैं, वे लोग ही इस मुद्दे पर राजनीति कर विरोध कर रहे हैं।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जो लोग देश को टुकड़े-टुकड़े में रखना चाहते हैं, वे ही देश में टुकड़े-टुकड़े में चुनाव करवाना चाहते हैं जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सभी वस्तुओं को एकता के सूत्र में जोड़ कर

विकसित भारत के संकल्प को साकार करना चाहते हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आज सुखद सहयोग है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत में 41 हजार दिव्यांग भाई-बहनों को हर महीने 5 किलो अनाज देने की योजना की शुरुआत की। इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए की सरकार देश के हर वर्ग को सशक्त, मजबूत और राष्ट्र की मुख्यधारा में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध और प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का त्योहार है। अगर यह त्योहार बहुत जल्दी आ गया तो काम में कई बाधाएं आएंगी, जिसके कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकतंत्र के त्योहार को नियमित-व्यवस्थित और देश के स्वास्थ्य के सुचारू संचालन के लिए यह धारणा दी है।

होलाष्टक प्रारंभ : वृंदावन में रंगों का उत्सव, बांकेबिहारी मंदिर में लड्डू और जलेबी मार होली 11 और 12 मार्च को

एजेंसी

मथुरा। वृंदावन में लड्डू और जलेबी की होली 11 और 12 मार्च को खेली जाएगी। ब्रज में राधा-कृष्ण के प्रेम की होली खेली जाती है। यहां पर खुद राधा-कृष्ण ने होली खेली है, इसलिए यह क्षेत्र अपने आप में बेहद खास है। यहां होली एक दिन की नहीं बल्कि पूरे 40 दिन की खेली जाती है, लेकिन इस बार ठाकुर बांके बिहारी मंदिर की होली कुछ ज्यादा ही खास होने वाली है क्योंकि ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में इस बार लड्डू और जलेबी की होली खेली जाएगी। इसमें शामिल होने के लिए लाखों श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है।

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में 10 मार्च से होली का पांच दिवसीय महोत्सव प्रारंभ हो जाएगा, जिसमें 10 मार्च से ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में रंग भरनी एकादशी के दिन से रंग उड़ना प्रारंभ होगा एवं होली के रंग उड़ाए जाएंगे। 11 मार्च को ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में लड्डू की होली खेली जाएगी, जिसमें श्रद्धालुओं पर लड्डू लुटाए जाएंगे। इसके बाद 12 मार्च को ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में जलेबी की होली होगी, जिसमें मंदिर आने वाले भक्तों को जलेबी बांटी जाएगी। 11 मार्च को होगी लड्डू मार होलीः बांके बिहारी मंदिर में खेली जाने वाली होली को लेकर मंदिर में तैयारियां जोर शोर से चल रही है। इस बारे में ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के सेवायत आशीष गोस्वामी ने बताया कि इसबार की होली बेहद खास होने वाली है क्योंकि ठाकुर बांके बिहारी महाराज के मंदिर में पांच दिवसीय होली का महोत्सव मनाया जाता है, जिसमें पहले दिन 10 मार्च को रंगभरी एकादशी है। इस दिन रंगों की होली खेली जाएगी। 11 मार्च को लड्डू लुटाए जाएंगे। मंदिर में लड्डू बनाने का काम शुरू हो गया है। वहीं, 12 मार्च को जलेबी की होली होगी।

होली कार्यक्रम को लेकर प्रशासन तैयारियों में जुटाः आने वाले होली कार्यक्रम को देखते ही पुलिस और मंदिर प्रशासन ने अपनी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिसबल तैनात करने का फैसला लिया है। साथ ही, पार्किंग को लेकर भी पुलिस ने खास इंतजाम किए हैं।

राहुल गांधी का गुजरात दौरा : गुजरात से संगठन वर्ष की शुरुआत, चुनाव में उतरेंगे मजबूत प्लान के साथ

एजेंसी

अहमदाबाद। अपने दो दिवसीय दौरे पर गुजरात आए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं-नेताओं के साथ ताबड़तोड़ बैठक की। पार्टी के बड़े नेताओं के साथ ही उन्होंने तहसील-नगरपालिका प्रमुखों के साथ सीधा संवाद किया। गुजरात से संगठन वर्ष का ऐलान करते हुए उन्होंने गुजरात में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को शिकस्त देने के लिए मजबूत प्लान के साथ मैदान में उतरने का कार्यकर्ताओं का आह्वान किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी का गुजरात की धरती पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी की ओर से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें एआईसीसी के संगठन प्रभारी महामंत्री केसी वेणुगोपाल, गुजरात के संगठन प्रभारी मुकुल वासनिक, गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल, गुजरात

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमित चावडा समेत एआईसीसी के सचिव मौजूद रहे।

अहमदाबाद के राजीव गांधी भवन में प्रथम दिवस महत्व की बैठकों का दौर चला। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मनीष दोशी के अनुसार सबसे पहले पार्टी के पूर्व प्रमुखों, पूर्व नेता प्रतिपक्ष के साथ जिला-शहर के प्रमुखों, तहसील-नगर के प्रमुख के साथ राज्य की प्रमुख समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। इसके अलावा कांग्रेस के संगठन, राज्य में कांग्रेस की स्थिति मुद्दों पर मंथन किया गया। इस दौरान राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं से राज्य के नागरिकों के लिए न्याय, उनके हक और अधिकार को लेकर राज्य में रचनात्मक-आंदोलनात्मक कार्यक्रमों के आयोजन पर बल दिया। राहुल गांधी ने संगठन में व्यापक बदलाव के साथ ही पदाधिकारियों की जवाबदारी के साथ जवाबदेही पर भी जोर दिया। पार्टी राज्य में बेरोजगारी, महंगाई, महिला सुरक्षा, किसानों की समस्या आदि मुद्दों पर रणनीति बनाकर आंदोलन करेगी। कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए क्या किया जा सकता है, इस पर राजनीतिक मामलों की समिति के सभी सदस्यों ने राजीव गांधी भवन में चर्चा की। सुझावों के साथ नए कार्यक्रमों के माध्यम से गुजरात के नागरिकों की आवाज को मजबूत करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई।

बागडोगरा एयरपोर्ट पर भारतीय वायुसेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, सभी क्रू सदस्य सुरक्षित

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बागडोगरा एयरपोर्ट पर भारतीय वायुसेना का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि अधिकारियों ने कहा है कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है और सभी क्रू सदस्य सुरक्षित हैं। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई है। विमान को दुर्घटनास्थल से हटाने के प्रयास जारी हैं। भारतीय वायुसेना ने विमान को मौके से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार इस दुर्घटना से हवाई अड्डे के क्षेत्र में कुछ बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि इस घटना की जांच शुरू कर दी गई है, ताकि दुर्घटनाग्रस्त लैंडिंग के कारणों का पता लगाया जा सके।

विकसित भारत की यात्रा में पौष्टिक भोजन की बड़ी भूमिका : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत की यात्रा में पौष्टिक भोजन की भूमिका को अहम बताया और कहा कि हमारा लक्ष्य कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याओं से मुक्ति के लिए देश के प्रत्येक परिवार को पर्याप्त पोषण देने का है। प्रधानमंत्री गुजरात में सूरत खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान का शुभारंभ करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि सूरत खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान देश के खाद्य एवं पोषण सुरक्षा मिशन में एक उल्लेखनीय कदम है। उन्होंने कहा कि सूरत अनेक मामलों में गुजरात के साथ ही देश का एक अग्रणी शहर है। सूरत आज गरीब, वंचित को भोजन और पोषण की सुरक्षा देने में आगे निकल रहा है। मोदी ने कहा कि यह संतृप्ति अभियान तुष्टीकरण की भावना को छोड़कर संतुष्टीकरण की भावना को

आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि सूरत में चलाया जा रहा यह संतृप्ति अभियान गुजरात के अन्य जिलों और देश के शेष राज्यों के लिए भी प्रेरणा बनेगा। उन्होंने कहा कि जब सरकार ही लाभार्थी के दरवाजे पर जा रही है तो कोई छूटेगा कैसे और जब कोई छूटेगा नहीं तो कोई रूठेगा कैसे। जब सोच ये हो कि हमें सब तक लाभ पहुंचाना है, तो ठगने वाले दूर भाग जाते हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ दिन पहले मैंने देश की नारी शक्ति से अपनी सफलताओं को अपनी उपलब्धियों को, अपने जीवन की प्रेरणादायी यात्रा को नमो ऐप पर शेयर करने का आग्रह किया। अनेक बहनों-बेटियों ने नमो ऐप पर अपनी गाथाएं शेयर की हैं। कल महिला दिवस है और कल महिला दिवस के अवसर पर मैं अपना सोशल अकाउंट ऐसी ही कुछ प्रेरणादायी बहनों-बेटियों को सौंपने जा रहा हूं।उन्होंने कहा, मुझे संतोष है, हमारी सरकार गरीब की साथी बनकर हमेशा उसके साथ खड़ी है। कोविड काल में जब देशवासियों को सपोर्ट की सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना शुरू की गई। ये दुनिया की सबसे बड़ी और अपने आप में एक अनूठी योजना है, जो आज तक चल रही है। प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों के गरीबी हटाओ के नारे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पहले गरीबी हटती ही नहीं थी। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते दशक में पूरे देश में हमने गरीब को सशक्त करने के लिए मिशन मोड पर काम किया। गरीब के इर्द गिर्द एक सुरक्षा कवच बनाया गया ताकि उसे किसी के सामने भी हाथ फैलाने की नौबत न आए। पक्का घर, शौचालय, गैस कनेक्शन, नल कनेक्शन हो इससे गरीबों को नया आत्मविश्वास मिला। उन्होंने कहा कि बीमा का एक सुरक्षा कवच गरीब परिवार को दिया गया। पहली बार करीब 60 करोड़ भारतीयों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित किया।

काशी वह धरती है जिसने एक से बढ़कर एक विभूतियों को जन्म दिया : उप सभापति हरिवंश

एजेंसी

वाराणसी। भारत नवनिर्माण समिति के तत्वावधान में बनारस लिट फेस्ट के तीसरे संस्करण की शुरुआत हुई। नदेसर स्थित एक तारांकित होटल के दरबार हॉल में आयोजित बनारस लिट फेस्ट का उद्घाटन असम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य ने कहा कि काशी धर्म और साहित्य की नगरी है। इस तरह का आयोजन काफी फायदेमंद साबित होगा। वैसे भी काशी में एक से बढ़कर एक साहित्यकार हुए हैं। जिन्होंने अपनी रचनाओं से देश को एक नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश गौरव की ओर बढ़ रहा है। इस गौरव की वृद्धि में साहित्य की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। काशी में अब भी बहुत-सी ऐसी पांडुलिपियां हैं, जिन्हें पुस्तक के रूप में बदलने की जरूरत है।

इस अवसर पर राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने कहा कि आजादी के बाद से साहित्य के क्षेत्र में रचनाओं को विस्मृति करने का कार्य किया गया लेकिन अब पुनर्जागरण का समय है और इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से हम अपनी संस्कृति और सभ्यता को पुनः परिभाषित कर रहे हैं। उन्होंने बनारस लिट फेस्ट की सराहना कर कहा कि बहुत ही कम समय में फेस्ट ने अपनी विशेष पहचान बनाई है। वैसे तो देश में साहित्य उत्सवों की भरमार है लेकिन बनारस लिट् फेस्ट की बात सबसे अलग है। इसी प्राचीन नगरी ने आधुनिक हिंदी को जन्म दिया। विशिष्ट अतिथि नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि बनारस लिट फेस्ट के रूप में जो सपना देख गया है यह सपना आप सब के समवेत प्रयास से यथार्थ में परिवर्तित हुआ है। इसे निरंतर बनाए रखने के लिए इस सपने को और बड़ा करके देखना होगा। अगर हम आज विचार नहीं करेंगे तो फिर अच्छे समाज का निर्माण नहीं कर पाएंगे। कोई ऐसा समाधान नहीं है जो भारत की धरती से नहीं निकले। उन्होंने कहा कि देश ही नहीं पूरे विश्व में साहित्य, कला, संगीत, आध्यात्म की बातें बनारस की चर्चा के बिना अधूरी रहेंगी।

ग्वालियर पहुंचे केन्द्रीय मंत्री सिंधिया, बोले- कुछ लोग अब भी आक्रांताओं से आकर्षित

एजेंसी

ग्वालियर। केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शाम ग्वालियर पहुंचे। यहां रेलवे स्टेशन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर सिंधिया ने विपक्ष पर तीखा हमला किया। उन्होंने विपक्ष के द्वारा औरंगजेब के महिमामंडन पर कहा कि कुछ लोग अभी भी विदेशी आक्रांताओं से आकर्षित हैं। मैं मराठा हूं और भारत माता का बेटा हूं। हमें हमारे योद्धाओं पर गर्व है। दरअसल, विपक्ष के नेता औरंगजेब को लेकर सियासत कर उसका महिमामंडन कर रहे हैं, इसको लेकर केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि कुछ लोग अभी भी विदेशी आक्रांताओं से आकर्षित हैं। उनकी जय जयकार करने में उनको अच्छा लगता है। मैं भारत का नागरिक हूं। मुझे अपनी भारत माता पर गर्व है। हमारे योद्धाओं पर गर्व है, जिन्होंने भारत माता को आजाद करने के लिए जीवन का बलिदान किया। उन्होंने कहा कि केवल मराठा ही नहीं चाहे वह आदिवासी समाज के हो, चाहे वह अन्य समाज के हो। इन सभी ने अपने प्राणों का बलिदान किया है। भारत का इतिहास भारत की संस्कृति कोई 200, 400 या 500 साल पुरानी नहीं बल्कि हजारों साल पुरानी है। विपक्ष यह सब इसलिए कह रहा है क्योंकि आज भी वह आक्रांताओं की मानसिकता में डूबा हुआ है। भारत आगे बढ़ रहा है और वह आज भी अतीत में अटके हुए हैं। सिंधिया ने कहा कि एक खुशी की बात यह है कि शिवपुरी का माधव नेशनल पार्क अब माधव टाइगर रिजर्व बनने जा रहा है। आगामी 10 मार्च को मेरे पिताजी स्व. माधवराव सिंधिया की 80वीं जन्म जयंती के मौके पर मुख्यमंत्री व वनमंत्री भूपेन्द्र सिंह इसका शुभारंभ करेंगे। यह पल मेरे लिए खास रहेगा। इसके लिए सिंधिया ने मुख्यमंत्री और वन मंत्री का आभार भी माना है।

माधव नेशनल पार्क बना मध्य प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व, आदेश जारी

एजेंसी

भोपाल। शिवपुरी जिले में स्थित माधव नेशनल पार्क टाइगर रिजर्व घोषित कर दिया गया है। इस संबंध में राज्य शासन ने आदेश जारी कर दिए हैं। इससे पहले प्रदेश में आठ टाइगर रिजर्व थे, जिनमें कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, पन्ना, सतपुड़ा, संजय दुबरी, नौरादेही और रातापानी शामिल हैं। अब माधव नेशनल पार्क मध्य प्रदेश का नौवां टाइगर रिजर्व बन गया है। जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने बताया कि माधव नेशनल पार्क की स्थापना वर्ष 1956 में हुई थी। यह प्रदेश के पहले अधिसूचित होने वाले नेशनल पार्क में से एक है। माधव टाइगर रिजर्व का कुल क्षेत्रफल 1650 वर्ग किलोमीटर है। इसमें कोर एरिया का क्षेत्रफल 374 वर्ग किलोमीटर है और बफर एरिया का क्षेत्रफल 1276 वर्ग किलोमीटर है। माधव टाइगर रिजर्व घोषित होने से प्रदेश के वाइल्ड लाइफ टूरिज्म को और अधिक बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि माधव राष्ट्रीय उद्यान में वर्ष 2023 को बाघ पुनर्स्थापना के लिये तीन बाघ, जिसमें दो मादा व एक नर अन्य टाइगर रिजर्व से लाये गये थे। नर बाघ सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से एवं मादा बाघ पन्ना टाइगर रिजर्व और बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व से लाये गये थे। बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व से लायी गयी मादा ने दो शावकों को जन्म दिया है, जिनकी उम्र लगभग आठ से नौ माह है। एनटीसीए भारत सरकार द्वारा दो अतिरिक्त बाघ एक नर एक मादा लाने की स्वीकृति दी गयी है, जो 10 मार्च, 2025 को माधव टाइगर रिजर्व में छोड़े जाएंगे। इस प्रकार माधव टाइगर रिजर्व में कुल बाघों की संख्या में पांच बाघ, जिसमें दो नर और तीन मादा शामिल हैं और दो शावक, इस प्रकार कुल बाघों की संख्या सात हो जायेगी। माधव टाइगर रिजर्व बनने से सम्पूर्ण क्षेत्र में वन्य-जीव एवं बाघों का संरक्षण बेहतर हो सकेगा। शिवपुरी स्थित माधव टाइगर रिजर्व ग्वालियर के बिलकुल करीब होने से पर्यटन के लिहाज से आदर्श लोकेशन है। माधव टाइगर रिजर्व में बाघ के अलावा तेंदुए, भेडिया, सियार, लोमड़ी, जगंली कुत्ता, जंगली सुअर, साही, अजगर, चिन्कारा और चौसिंगा आदि जानवर पाये जाते हैं। यहाँ कई प्रकार के पक्षी भी पाये जाते हैं, जिनमें मुख्य रूप से पीले पैर वाला बटेर, बाज आदि शामिल हैं। माधव टाइगर रिजर्व में कई प्राचीन मंदिर और स्मारक हैं। यहाँ की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। पर्यटन के क्षेत्र में वन्य-जीव सफारी और पिकनिक स्पॉट शामिल हैं। माधव टाइगर रिजर्व एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है, जो वन्य-प्रेमियों, प्रकृति-प्रेमियों और सांस्कृतिक विरासत के प्रति रुचि रखने वाले लोगों के लिये एक आदर्श स्थल है। माधव टाइगर रिजर्व, पन्ना टाइगर रिजर्व एवं रणथम्बोर टाइगर रिजर्व के बीच स्थित है। इन दोनों के बीच यह टाइगर कॉरिडोर को और अधिक सुदृढ़ करता है। माधव टाइगर रिजर्व बनने एवं इसमें टाइगर की पुनर्स्थापना होने से यहाँ के सम्पूर्ण लैण्ड स्केप में बाघों की संख्या में सुधार होगा एवं जेनेटिक डॉयवर्सिटी बढ़ेगी।

किडनी हमारे शरीर का वह अंग है जो गंदगी बाहर निकालने का काम करती हैं। दोनों किडनियों में छोटे-छोटे लाखों फिल्टर होते हैं जिन्हें नेफरोंस कहते हैं। नेरोफेंस हमारे खून को साफ करने का काम करते हैं। किडनी में किसी प्रकार की समस्या होने पर शरीर से विषैले पदार्थ बाहर नहीं निकल पाते जिससे कई रोग पैदा हो सकते है।

इन लक्षणों से पहचानें किडनी हो रही है खराब

किडनी से जुड़ी बीमारियों की अगर समय रहते पहचान नहीं की गई तो यह जानलेवा साबित हो सकती है। किडनी हमारे शरीर का वह अंग है जो गंदगी बाहर निकालने का काम करती हैं। दोनों किडनियों में छोटे-छोटे लाखों फिल्टर होते हैं जिन्हें नेफरोंस कहते हैं। नेरोफेंस हमारे खून को साफ करने का काम करते हैं। किडनी में किसी प्रकार की समस्या होने पर शरीर से विषैले पदार्थ बाहर नहीं निकल पाते जिससे कई रोग पैदा हो सकते है। इन रोगों से बचने के लिए आइए, जानते हैं ऐसे लक्षण जो किडनी के खराब होने का संकेत देते हैं -

युरिनरी फंक्शन में बदलाव

सबसे पहला लक्षण जो उभर कर आता है वह है युरिनरी फंक्शन में बदलाव। किडनी में किसी प्रकार की समस्या के चलते पेशाब के रंग, मात्रा और कितने बार पेशाब आती है, इन चीजों में बदलाव आने लगते है।

शरीर में सूजन आना

जब किडनियों की कार्यप्रणाली में कोई दिक्कत आती है तो शरीर से बाहर न निकलने वाली गंदगी और तरल पदार्थ समस्याएं उत्पन्न करते हैं। जिनसे शरीर में सूजन आ जाती है। यह सूजन हाथों, पैरों, जोड़ों, चेहरे और आंखों के नीचे हो सकती है। अगर आप अपनी त्वचा को उंगली से दबाएं और डिम्पल थोड़ी देर तक बने रहें तो डॉक्टर के पास जाने में देर न करें।

चक्कर आना और कमजोरी

जब किडनियों की कार्यप्रणाली में अवरोध होता है, तो आपको चक्कर आने की अशंका बढ़ जाती है। पूरे समय आप थकावट महसूस करते हैं और कमजोरी का एहसास होता है। ये लक्षण खून की कमी और गंदगी के शरीर में जमा होने से उत्पन्न हो सकते हैं।

पीठ दर्द का कारण न समझ पाना

आपकी पीठ और पेट के किनारों में बिना वजह दर्द महसूस होना, किडनी में इंफेक्शन या किडनी संबंधी बिमारियों के लक्षण हो सकते हैं।

स्किन खुरदुरी हो जाना और खुजली होना

अचानक त्वचा का फटना, रेशेज होना, अजीब लगना और बहुत ज्यादा खुजली महसूस होना शरीर की गंदगी के एकत्रित होने के परिणाम हो सकते हैं। किडनी के निष्प्रभावी हो जाने से शरीर में कैल्शियम और फॉस्फोरस की मात्रा प्रभावित होती है, जिससे अचानक से बहुत ज्यादा खुजली होने लगती है। आमतौर पर स्वस्थ त्वचा भी फटने लगती है, खुरदुरी हो जाती है और खुजली होती है।

उल्टियां आना

किडनी से जुड़ी समस्याओं के परिणामस्वरूप उल्टी आने जैसे लक्षण आम बात हो जाते हैं। इसके अलावा गैस से जुड़ी समस्याएं हर सुबह सामने आती हैं। अगर आप उल्टी के दवाईयां लेने के बाद भी समस्या को जस की तस पाएं तो फौरन डॉक्टर से पूरा चेकअप करवाएं।

ठंड लगना

अच्छे मौसम के बावजूद अजीब-सी ठंड लगना और कभी-कभी ठंड लगकर बुखार भी आ जाना भी इसके लक्षणों में शामिल है। आपके तापमान अधिक होने पर भी ठंड का एहसास हो तो डॉक्टर की सलाह बेहद जरूरी है।

एलोवेरा का जरुरत से ज्यादा इस्तेमाल हो सकता है खतरनाक!

एलोवेरा के कई फायदें हैं, यह सेहत के साथ ही स्किन, बालों और वेट लॉस तक में फायदेमंद है। लेकिन इसके इस्तेमाल को लेकर सावधान नही रहे तो यह नुकसानदायक भी हो सकता है। दरअसल, एलोवेरा का सीमित मात्रा में इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। लेकिन जरुरत से ज्यादा इसका इस्तेमाल खतरनाक हो सकता है। हम आपको बता रहे हैं कि कैसे एलोवेरा का अधिक इस्तेमाल आपको नुकसान पहुंचा सकता है। यदि आप एलोवेरा का अत्याधिक सेवन करते हैं तो आपको पेट संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। इसका इस्तेमाल सीमित मात्रा में करना चाहिए। एलोवेरा को स्किन के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। लेकिन स्किन पर भी एलोवेरा के ज्यादा इस्तेमाल से त्वचा संबधित परेशानी हो सकती है। एलोवेरा को चेहरे पर ज्यादा लगाने के कारण चेहरे पर रूखापन और बारीक दाने हो सकते हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए एलोवेरा का जूस सही नहीं है। बिना डॉक्टर की सलाह के वह इसका सेवन न करें। एलोवेरा के ज्यादा इस्तेमाल से लिवर से जुड़ी समस्याओं का सामना आपको करना पड़ सकता है। बेहतर यह है कि डॉक्टर से सलाह लेने के बाद ही आप एलोवेरा का सेवन शुरू करें।

शरीर को करें अंदर से साफ खाने में शामिल करें ये 4 चीजें

कई बार पेट साफ होने पर भी शरीर अंदर से पूरी तरह से साफ नहीं होता है। ऐसे में शरीर के अंदर जमे विषैले पदार्थों को यदि बाहर नहीं निकाला गया तो वह कई बीमारियों को पैदा कर सकते हैं। इसलिए जरूरी हैं उन चीजों के बारे में जानना जो शरीर को अंदर से साफ करने का काम करती हैं। हम आपको बता रहे हैं ऐसी ही 4 चीजें जिन्हें खाने से शरीर अंदर से साफ यानि की डिटॉक्सिफाई हो जाता है -

ब्रोकली और फूलगोभी

इन दोनों ही सब्जियों में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है और फाइबर शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में बहुत सहायक होता है। इन्हें किसी भी रूप में खाना शरीर के लिए फायदेमंद होगा साथ ही इन्हें खाने से कब्ज की समस्या भी दूर होगी।

नारियल पानी

नारियल पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स और एंटीआक्सीडेंट मौजूद होते हैं, जो शरीर से टॉक्सिन को निकाल कर बॉडी सिस्टम को साफ कर देते हैं।

चुकंदर

चुकंदर को सलाद या जूस के रूप में लेने से भी शरीर की अंदरूनी सफाई होने में मदद मिलेती है। चुकंदर में भरपूर मात्रा में आयरन होता है, जो शरीर में खून को बढ़ाने में भी मदद करता है।

नींबू

नींबू क्षारीय गुण और विटामिन सी से भरपूर होता है। विटामिन सी एंटीऑक्सीडेंट्स का मुख्य स्रोत है। पानी में नींबू का रस मिलाकर पिएं या फिर सलाद में रस निचोड़ कर खाएं, ऐसा करने से शरीर डिटॉक्स/साफ होने में मदद मिलती है। नींबू के अलावा अदरक, शलगम और चुकंदर का रस भी डिटॉक्स करने में मदद करता है।

दांतों में जहर फैला सकती है फिलिंग की यह तकनीक

कहीं आपको भी तो नहीं पड़ी दांतों में फिलिंग की जरूरत? अगर हां तो इसे तुरंत निकाल दीजिए वर्ना आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

दांतों में कई तरह की समस्या आने पर उनके भीतर फिलिंग करवाना बहुत ही सामान्य हो चुका है। कई तरह की फिलिंग डॉक्टरों द्वारा की जाती है जिसमें दांतों की वर्तमान स्थिति के अनुसार फिलिंग की जाती है। फिलिंग की कीमत भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। इसी के चलते कई बार आपके दांतों के साथ खिलवाड़ की जाती है। सिल्वर फिलिंग (सिल्वर, कॉपर, टिन और मरक्यूरी) एक बरसों पुरानी तकनीक है। सस्ती होने के कारण इसे आज भी आजमाया जा रहा है परंतु यह तकनीक आपको आगे जाकर बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। मरक्यूरी या सीसा एक खतरनाक पदार्थ है जिसका जहर फैलता है। इस तरह सिल्वर फिलिंग को समय रहते निकलवा लें।

आहार में फाइबर जरूर शामिल करें

आपने बैलेंस डाइट लेने के बारे में हजारों बार सुना होगा, बैलेंस डाइट यानी कि संतुलित आहार और इस आहार में वे सारी चीजें आती है, जिसकी हमारे शरीर को स्वस्थ रहने के लिए जरूरत होती है जैसे कि प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, मिनरल और फाइबर आदि। फाइबर यानी कि रेशे युक्त भोजन, कई बार लोग इसे अपनी डाइट में शामिल करना भूल जाते हैं। आइए, हम आपको बताते हैं कि शरीर में पर्याप्त मात्रा में फाइबर लेने के क्या फायदे होते हैं -

रेशा प्रिबायोटिक है। इससे कोलोन में मित्र बैक्टीरिया में वृद्धि होती है।
फाइबर एक महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट होता है।
डाइट में लिया गया फाइबर बुरे कॉलेस्ट्रॉल को भी बढ़ने से रोकता है।
रेशे वाला भोजन खाने की संतुष्टि देता है। इससे पेट भरा रहता है।
इसके विपरीत रेशे रहित पदार्थ मैदा इत्यादि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।
फल, सब्जी, साबुत अनाज और दालों से फाइबर प्राप्त किया जा सकता है।
भारतीय भोजन में फाइबर मौसमी फल, रोटी, सब्जी, तुअर दाल, उड़द दाल, मूंग की दाल, राजमा आदि से प्राप्त हो सकता है।
रेशा या फाइबर पेट को साफ रखने में मदद करता है। सिर्फ इतना ही नहीं भोजन में पर्याप्त फाइबर, डाइबिटीज, कैंसर, हृदय रोग और मोटापे को भी दूर रखता है।

खसखस के सेहतमंद फायदे

पौष्टिकता से भरपूर खसखस का इस्तेमाल सब्जी की ग्रेवी बनाने और सर्दी के दिनों में स्वादिष्ट हलवा बनाने के लिए किया जाता है। यह स्वाद और सेहत से भरपूर है, इसलिए स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करने के लिए भी इसे दवा के रूप में प्रयोग करते हैं। आइए जानते हैं, खसखस के बेहतरीन गुणों के बारे में

खसखस को दर्द निवारक के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसमें पाया जाने वाला ओपियम एल्कलॉइड्स सभी प्रकार के दर्द को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खास तौर से इसका प्रयोग मांसपेशियों के दर्द में किया जाता है। खसखस का तेल भी बाजार में उपलब्ध होता है, जिसका प्रयोग दर्द वाले स्थान पर किया जाता है।

सांस संबंधी तकलीफ होने पर भी खसखस काफी फायदेमंद होता है। इसके साथ ही यह खांसी को कम कर सांस संबंधी समस्याओं में लंबे समय तक आराम दिलाने में भी मदद करता है।

अगर आप नींद न आने की समस्या से परेशान हैं, तो सोने से पहले खसखस का गर्म दूध पीना आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। यह अनिद्रा की समस्या को दूर करता है। यह आपको नींद लेने के लिए प्रेरित करेगा।

खसखस फाइबर का बेहतरीन स्त्रोत है, जिसका प्रयोग करने से कब्ज की समस्या नहीं होती। इसके अलावा यह बेहतर पाचन में भी मदद करता है और शरीर को उर्जा देने के लिए भी बहुत लाभदायक होता है।

गुर्दे की पथरी में इलाज के तौर पर भी खसखस को सेवन किया जाता है। इसमें पायाजाने वाला ओक्सलेट्स, शरीर में मौजूद अतिरिक्त कैल्शियम का अवशोषण कर गुर्दे में पथरी बनने से रोकता है।

खसखस मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने के साथ-साथ त्वचा पर होने वाली झुर्रियों को भी कम करने में मदद करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो आपको जवां बनाए रखने में मदद करता है।

खसखस त्वचा को नमी प्रदान करने में भी सहायक होता है। यह त्वचा की जलन व खुजली को कम करने के साथ ही एक्जिमा जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद करता है।

ओमेगा-6 फैटी एसिड, प्रोटीन, फाइबर से भरपूर होने के साथ ही खसखस में फाइटोकेमिकल्स, विटामिन बी, थायमिन, कैल्शियम और मैंगनीज भी पाया जाता है, जो पोषण के लिहाज से बहुत फायदेमंद है।

त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए खसखस का इस्तेमाल दूध में पीसकर फेसपैक के रूप में किया जाता है। यह त्वचा को नमी प्रदान करने के साथ ही प्राकृतिक चमक लाता है, और चेहरा दमक जाता है।

इसके अलावा कई तरह की छोटी-छोटी समस्याओं जैसे अधिक प्यास लगना, बुखार, सूजन या पेट में होने वाली जलन से राहत पाने के लिए खसखस का प्रयोग किया जाता है। यह पेट में बढ़ने वाली गर्मी को भी शांत करने में सहायक है।

वेन मैडसेन फिर बने डर्बीशायर के कप्तान, काउंटी चैम्पियनशिप में संभालेंगे टीम की कमान

एजेंसी

डर्बीशायर। इंग्लिश काउंटी क्लब डर्बीशायर ने अनुभवी बल्लेबाज वेन मैडसेन को दोबारा अपना कप्तान नियुक्त किया है। वह इस समर काउंटी चैम्पियनशिप में टीम की अगुवाई करेंगे। 41 वर्षीय मैडसेन ने यह भूमिका सीजन की शुरुआत से ठीक एक महीने पहले स्वीकार की, डेविड लॉयड के कप्तानी छोड़ने के फैसले के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई। इससे पहले, मैडसेन 2012 से 2016 तक डर्बीशायर के कप्तान रह चुके हैं और अपनी कप्तानी के पहले ही सीजन में टीम को डिविजन टू से प्रमोशन दिलाया था। डर्बीशायर के हेड कोच मिकी आर्थर ने मैडसेन को कप्तानी सौंपने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने क्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा,वेन हमेशा से बेहतरीन लीडर रहे हैं और वह ड्रेसिंग रूम में काफी लोकप्रिय भी हैं। मैं बेहद खुश हूं कि वह 2025 में हमारी टीम का नेतृत्व करेंगे। उनकी अनुभवशीलता अनमोल है–उन्होंने पहले भी कप्तान के तौर पर प्रमोशन हासिल किया है और मुझे उनके नेतृत्व में टीम के प्रदर्शन को देखने की उम्मीद है। आर्थर ने यह भी कहा कि मैडसेन मैदान पर अपनी मेहनत और पेशेवर रवैये से उदाहरण पेश करते हैं।

सीबीए के स्टार गार्ड सुन मिंगहुई पैर की चोट के कारण नियमित सत्र के शेष भाग से बाहर

हांगझोउ। झेजियांग लायंस ने घोषणा की कि उनके स्टार गार्ड सुन मिंगहुई दाहिने एड़ी की हड्डी में फ्रैक्चर के कारण चीनी बास्केटबॉल संघ (सीबीए) के शेष नियमित सत्र से बाहर हो गए हैं। 28 वर्षीय सुन मिंगहुई को 5 मार्च को शान्शी लूंग्स के खिलाफ 98-100 की करीबी हार के दौरान चोट लगी। एक रिबाउंड प्रयास के दौरान उनका दायां पैर बाहरी ओर मुड़ गया। मेडिकल जांच में कैल्केनियस फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें कम से कम चार सप्ताह के आराम की सलाह दी गई है।झेजियांग लायंस वर्तमान में 31-5 के रिकॉर्ड के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर हैं, लेकिन अपने मुख्य खिलाड़ी के बिना उन्हें इस स्थिति को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त दबाव का सामना करना पड़ेगा। इस सत्र में सुन मिंगहुई ने औसतन 14.8 अंक, 2.9 रिबाउंड और 9.5 असिस्ट प्रति मैच का प्रदर्शन किया है।

भारत में पहली शूटिंग लीग 24 नवंबर से

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने भारत में आयोजित होने वाली पहली शूटिंग लीग (शूटिंग लीग ऑफ इंडिया- एसएलआई) के लिए 24 नवंबर से 7 दिसंबर तक की तारीखें आवंटित कर दी हैं। इस लीग को आईएसएसएफ की आधिकारिक मान्यता मिलने से इसे वैश्विक स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाली प्रतियोगिता का दर्जा प्राप्त होगा। राष्ट्रीय रायफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव ने एक बयान में कहा, हम उम्मीद करते हैं कि इस लीग में दुनिया के शीर्ष निशानेबाज भाग लेंगे, क्योंकि भारत का इस खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत प्रोफाइल है। आयोजन को सफल बनाने के लिए कई स्तरों पर काम जारी है और आईएसएसएफ द्वारा तारीखों का आवंटन हमें इसे विश्व स्तरीय इवेंट बनाने के लिए और अधिक प्रेरित करता है। एनआरएआई ने पहले ही घोषणा की थी कि एलेना नॉर्मन को इस लीग का सलाहकार नियुक्त किया गया है और न्यू होराइजन्स अलायंस प्राइवेट लिमिटेड को व्यावसायिक और मार्केटिंग एजेंसी के रूप में शामिल किया गया है। भारत में इस लीग के आयोजन से निशानेबाजी खेल को नई ऊंचाइयां मिलने की उम्मीद है।

अरविंद चितांबरम ने प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता

प्राग। भारत की शतरंज में बादशाहत जारी रखते हुए ग्रैंडमास्टर अरविंद चितांबरम ने अपने करियर का पहला बड़ा खिताब जीता। उन्होंने प्रतिष्ठित प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में कई दिग्गज खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। तमिलनाडु के 25 वर्षीय अरविंद ने नौवें और अंतिम दौर में तुर्की के गुरेल एदिज के खिलाफ ड्रॉ खेलते हुए कुल छह अंकों के साथ खिताब अपने नाम किया। विश्व नंबर 8 आर प्रज्ञानानंदा इस टूर्नामेंट में पांच अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। उन्हें अंतिम दौर में डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरि के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। चीन के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी वेई यी और गिरि भी प्रज्ञानानंदा के साथ पांच अंकों पर रहे।

निर्णायक मुकाबले में दिखाया धैर्य

अंतिम दौर में अरविंद ने काले मोहरों से खेलते हुए कैरो-कान डिफेंस का उपयोग किया। उनके प्रतिद्वंदी गुरेल एदिज ने किंग्स पॉन ओपनिंग का एडवांस वेरिएशन चुना। हालांकि, जल्द ही उन्हें एक मोहरा गंवाना पड़ा और खेल जटिल हो गया। अरविंद ने संयम बनाए रखा और स्थिति को नियंत्रण में रखा। कई चालों की पुनरावृत्ति के बाद दोनों खिलाड़ियों ने ड्रा पर सहमति जताई। अरविंद चितांबरम ने जीत के बाद अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मैंने पिछले दो दिनों से अच्छी नींद नहीं ली थी। सातवें दौर तक मैं पूरी तरह ठीक था, लेकिन बढ़त मिलने के बाद दबाव महसूस हुआ।

महिला दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी के सोशल मीडिया खाते की बागडोर वैशाली के हाथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। शतरंज खिलाड़ी आर वैशाली ने शनिवार को कहा कि मैं महिला दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोशल मीडिया खाते 'एक्स' को संचालित कर रोमांचित हूं, और मुझे देश का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है। वैशाली ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोशल मीडिया मंच एक्स को संचालित करते हुए लिखा, वणक्कम!

मैं शतरंज खिलाड़ी वैशाली हूँ और महिला दिवस पर मैं हमारे प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी जी के सोशल मीडिया खाता संचालित करने को लेकर लिए रोमांचित हूँ। जैसा कि आप में से बहुत से लोग जानते होंगे, मैं शतरंज खेलती हूँ और मुझे कई टूर्नामेंटों में हमारे प्यारे देश का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, ÷मैं अपनी फिडे रैंकिंग में और सुधार करना चाहती हूँ और अपने देश को और गौरवान्वित करना चाहती हूँ। शतरंज ने मुझे बहुत कुछ दिया है और मैं अपने पसंदीदा खेल में और अधिक योगदान देने के लिए तत्पर हूँ। इसी भावना से, मैं युवा लड़कियों से कहना चाहती हूँ कि उनका जिस भी खेल में मन लगता है उसे अपनाएँ। खेल सबसे अच्छे शिक्षकों में से एक है। उन्होंने कहा, मेरे पास माता-पिता और भाई-बहनों के लिए भी एक संदेश है- लड़कियों का समर्थन करें। उनकी क्षमताओं पर भरोसा करें और वे कमाल कर देंगी। मेरे जीवन में, मुझे थिरु रमेशबाबू और थिरुमति नागलक्ष्मी जैसे सहायक माता-पिता मिले हैं। मेरे भाई, आर प्रग्गनानंद और मेरे बीच भी बहुत करीबी रिश्ता है। मुझे बेहतरीन कोच, टीम के साथी मिलने का सौभाग्य भी मिला है और निश्चित रूप से मैं विश्वनाथन आनंद सर से बहुत प्रेरित हूँ। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आज का भारत महिला एथलीटों को बहुत समर्थन देता है, जो बहुत उत्साहजनक है। महिलाओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने से लेकर उन्हें प्रशिक्षण देने और उन्हें पर्याप्त खेल अनुभव देने तक, भारत जो प्रगति कर रहा है वह असाधारण है। उल्लेखनीय है कि आज महिला दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पहले ही 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा की थी।

जिसमें उन्होंने लिखा, महिला दिवस पर हम अपनी नारी शक्ति को नमन करते हैं! हमारी सरकार ने हमेशा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम किया है, जो हमारी योजनाओं और कार्यक्रमों में झलकता है। आज, जैसा कि वादा किया था, मेरे सोशल मीडिया खाता उन महिलाओं द्वारा संचालित किए जाएंगे जो विभिन्न क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ रही हैं। इस वादे को पूरा करते हुए शनिवार को वैशाली ने प्रधानमंत्री के 'सोशल मीडिया मंच एक्स' के संचलान की कमान संभाली।

सांचेज, अरंगुइज की विश्व कप क्वालीफायर के लिए चिली टीम में वापसी

एजेंसी

सैंटियागो। अनुभवी एलेक्सिस सांचेज और चार्ल्स अरंगुइज को पैराग्वे और इक्वाडोर के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए चिली की टीम में वापस बुलाया गया है। फॉरवर्ड सांचेज ने पिछले साल जून से अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं किया है, जबकि मिडफील्डर अरंगुइज ने आखिरी बार अक्टूबर 2023 में रोजा के लिए खेला था।

चिली फुटबॉल महासंघ ने जारी बयान में कहा है कि मैनेजर रिकार्डो गारेका ने अर्जेंटीना में जन्मे फॉरवर्ड फर्नांडो ज़म्पेड्री को भी अपने 24 सदस्यीय दल में शामिल किया है। 37 वर्षीय फर्नांडो को पिछले महीने चिली की नागरिकता दी गई थी। ज़म्पेड्री ने अर्जेंटीना के रोसारियो सेंट्रल से चिली के क्लब में 2020 में आने के बाद यूनिवर्सिडैड कैटोलिका के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 122 गोल किए हैं। चिली 20 मार्च को असुनसियन में पैराग्वे से और पांच दिन बाद सैंटियागो में इक्वाडोर से भिड़ेगा। गारेका की टीम वर्तमान में 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र की तालिका में 12 क्वालीफायर में नौ अंक लेकर नौवें स्थान पर है।

बिहार की बेटियां खेलों में दिखा रहीं दम, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बज रहा डंका

एजेंसी

पटना । बिहार की बेटियों ने खेलों में शानदार प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया है कि यदि उन्हें सही अवसर और सुविधाएं मिलें तो वे हर क्षेत्र में सफलता के नए आयाम गढ़ सकती हैं। बिहार सरकार के प्रयासों और खेल विभाग की बेहतर व्यवस्थाओं की बदौलत महिला खिलाड़ी विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। हाल ही में उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में बिहार की महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। बिहार ने कुल 12 पदक (एक स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य) अपने नाम किए। लॉन बॉल्स में महिला टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

बिहार की अंशिका कुमारी ने तीरंदाजी में रजत पदक जीता। खास बात यह रही कि उन्होंने भारतीय तीरंदाजी की दिग्गज दीपिका कुमारी के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। उनकी इस सफलता के बाद अंशिका को आगामी तीरंदाजी विश्व कप 2025 के लिए भारतीय सीनियर टीम में शामिल किया गया है। बिहार की महिला रग्बी टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए ओडिशा के खिलाफ फाइनल में संघर्षपूर्ण मुकाबले में रजत पदक जीता। वहीं, योगासन स्पर्धा में भी बिहार की बेटियों ने रजत पदक पर कब्जा जमाया।

ओडिशा में आयोजित अश्मिता खेलो इंडिया महिला राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप में बिहार की खुशबू कुमारी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इसी प्रतियोगिता में शालिनी ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर वर्ग में रजत पदक जीता। इसी तरह 68वीं नेशनल स्कूल गेम्स साइकिलिंग (रोड) चैंपियनशिप में भी बिहार की बेटियों ने दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। यहां सुहानी ने रजत पदक जबकि अमृता, शालिनी और सुप्रिया ने कांस्य पदक जीते। बिहार की बेटियों के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन पर भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और दिग्गज एथलीट पी. टी. उषा ने प्रशंसा करते हुए कहा, ÷बिहार की महिला खिलाड़ी अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

बिहार में महिला खिलाड़ियों की इस सफलता के पीछे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विजन और खेल विभाग की शानदार योजनाओं का बड़ा योगदान है। सरकार खेल प्रतिभाओं को उभरने का भरपूर मौका दे रही है। बिहार स्पोर्ट्स अथॉरिटी (बीएसएसए) विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और सुविधाएं उपलब्ध कराकर खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही है।

गिल 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ' की दौड़ में

एजेंसी

दुबई। भारत के युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल फरवरी 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ' की दौड़ में सबसे आगे चल रहे है। इस दौड़ में ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स भी शामिल है।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) नेफरवरी माह के लिए आईसीसी पुरुष और महिला खिलाड़ी के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कारों के दावेदारों के नामों की घोषणा की।

गिल ने चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट से पहले इंग्लैंड पर भारत की निर्णायक श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करके सुर्खियाँ बटोरीं और बंगलादेश पर भारत की शुरुआती जीत से पहले एकदिवसीय बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान के प्रमुख दावेदार माने जा रहे। गिल ने फरवरी में अपने पांच एकदिवसीय मैचों में 94.19 के स्ट्राइक-रेट पर 101.50 की औसत से 406 रन बनाए। इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी में बंगलादेश के खिलाफ गिल ने नाबाद 101 रन बनाए और पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने 46 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। गिल के अलावा ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और

न्यूजीलैंड के स्टार ऑल राउंडर ग्लेन फिलिप्स इस पुरस्कार के दावेदार हैं।

महिला वर्ग में स्पिनर अलाना किंग ने मेलबर्न में महिला एशेज सीरीज़ के समापन मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद प्लेयर ऑफ़ द मंथ पुरस्कार की दावेदार बनी है। साथ ही एनाबेल सदरलैंड ने पारी की जीत में शानदार स्कोर खड़ा कर अपना टीम को अपना योगदान दिया। अंतिम नामांकित 20 वर्षीय थाई गेंदबाज़ थिपचा पुथावोंग हैं, जो नेपाल महिला त्रिकोणीय श्रृंखला में अपनी टीम के विजयी अभियान में विकेट लेने वालों में से एक थीं।

महिला वर्ग में फरवरी के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ की दावेदार ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख लेग स्पिनर अलाना किंग ने महिला एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। मेलबर्न में खेले गए स्टैंडअलोन टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सीरीज में जीत दर्ज की। किंग ने मध्यक्रम में नेट सायवर-ब्रंट, डंकले और वायट-हॉज के महत्वपूर्ण विकेट लिये। उन्होंने पहली पारी में 45 रन देकर चार विकेट झटके। इसके बाद उन्होंने दूसरी पारी में 53 रन देकर पांच विकेट लेकर सबसे लंबे प्रारूप में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ वापसी करते हुए इस सम्मान के लिए बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराया। मई 2023 में पिछली विजेता थाईलैंड की बाएं हाथ की गेंदबाज थिपाचा पुथावोंग फरवरी में फिर से विकेट लेने की सूची में शीर्ष पर रही। उनकी टीम ने नेपाल महिला त्रिकोणीय सीरीज पर कब्जा किया।

गुजरात जायंट्स ने दिल्ली कैपिटल्स को पांच विकेट से हराया

एजेंसी

लखनऊ। मेघना सिंह (तीन विकेट) और डिएंड्रा डॉटिन (दो विकेट) के बाद हरलीन देओल (नाबाद 70) तथा बेथ मूनी(44) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत गुजरात जायंट्स ने वूमेंस प्रीमियर लीग के 17वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को पांच विकेट से हरा दिया। दिल्ली कैपिटल्स के178 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात जायंट्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में दयालन हेमलता (एक) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हरलीन देओल ने बेथ मूनी के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 88 रनों की साझेदारी हुई। 12वें ओवर में मिन्नू मनी ने बेथ मूनी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। बेथ मूनी ने 35 गेंदों में छह चौके लगाते हुए (44)रनों की पारी खेली। कप्तान एश्ली गार्डनर (22) रन

बनाकर आउट हुई। डिएंड्रा डॉटिन (24) और फीबी लिचफील्ड (शून्य) पर आउट हुई। हरलीन देओल ने 49 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 70) रनों की पारी खेली। काश्वी गौतम (नौ) रन बनाकर नाबाद रही। गुजरात जायंट्स ने 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 178 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से शिखा पांडे और जेस जॉनासन ने दो-दो विकेट लिये। मिन्नू मनी ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां गुजरात जायंट्स की कप्तान एश्ली गार्डनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स के लिए मेग लानिंग और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने तूफानी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 108 रन जोड़े। नौवें ओवर में मेघना सिंह ने शेफाली वर्मा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। शेफाली वर्मा ने 27 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए (40) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी (नौ), जेमिमाह रॉड्रिग्स (चार) और ऐनाबेल सदरलैंड (14) रन बनाकर आउट हुई। दिल्ली का पांचवां विकेट 20वें ओवर की पांचवी गेंद पर मेग लानिंग के रूप में गिरा। मेग लानिंग ने 57 गेंदों में 15 चौके और एक छक्का लगाते हुए (92) रनों की तूफानी पारी खेली। उन्हें डिएंड्रा डॉटिन ने बोल्ड आउट किया।

बंगाल बनाम उप्र मैच ड्रा, मिजोरम ने तमिलनाडु को हराया

एजेंसी

पंचकूला। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के सातवें दिन वर्ग 'ए' के मैचों में बंगाल बनाम उत्तर प्रदेश मैच 3-3 से ड्रा रहा। एक अन्य मैच में मिजोरम ने हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु को 6-0 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। वर्ग 'ए' के पहले मैच में बंगाल और उत्तर प्रदेश के बीच कड़ी टक्कर हई और मुकाबला 3-3 से ड्रा रहा तथा दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। साक्षी शुक्ला ने (24वें) मिनट में उत्तर प्रदेश हॉकी के लिए पहला गोल किया। हिना बानो ने (32वें) और अंजलि महतो ने (51वें) मिनट भी अपनी टीम के साथ मिलकर एक-एक गोल किये। दूसरी ओर रोहिता मिंज ने (48वें) मिनट चौथे क्वार्टर की शुरुआत में बंगाल के लिए पहला गोल किया और अपनी टीम को मैच में लड़ने का मौका दिया। इसके बाद सेलेस्टिना होरो ने (52वें) मिनट और अनीशा डुंगडुंग ने (56वें) मिनट में अंतिम क्षणों में अच्छा प्रदर्शन किया और एक-एक गोल करके खेल को बराबरी पर समाप्त

किया। वर्ग 'ए' दूसरे मैच में मिजोरम ने हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु को 6-0 से हराया। मिजोरम के लिए देविका सेन ने (आठवें', 27वें) मिनट में दो गोल किए जबकि डिंपल ने (पहले) मिनट, लालथंतलुंगी ने (दूसरे) मिनट, दीपिका ने (26वें) मिनट और अंतिम ने (45वें)मिनट एक-एक गोल करके प्रतिद्वंद्वी टीम को करारी शिकस्त दी।

अंकगणित के हिसाब से भी भारी है भारत का पलड़ा

एजेंसी

लखनऊ । चैंपियंस ट्राफी में रविवार को होने वाले फाइनल में भारत की जीत की सवा अरब उम्मीदों के बीच एक भारतीय प्रशंसक ने दावा किया है कि खेल में प्रधानता के साथ अंकों का खेल भी रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के विश्व चैंपियन होने की ओर इशारा कर रहा है। भारतीय टीम के हर महत्वपूर्ण मैच से पहले अंकगणित से टीम की जीत हार का विश्लेषण करने वाले क्रिकेट प्रेमी श्रीकांत पोद्दार ने यूनीवार्ता से बातचीत में कहा कि दुबई में भारतीय टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है और उसने अपने अब तक खेले गये सभी चार मैच खासे अंतर से जीते है। खेल में प्रधानता के साथ भारतीय अंकों में भी प्रधानता रखते हैं। उन्होने कहा यह कहना मुनासिब होगा कि दुबई में जो भी आया हमने उसकी नैया डुबाई है। भारत ने अपने चार मैच अलग अलग पिच पर खेले हैं और फाइनल में भारत को अलग पिच मिलेगी। रोहित की टीम के लिये यह कहा जाये कि हमारे लिये विकेट कोई भी हो, आंगन कोई भी है। हमे

नाचना आता है और निसंदेह फाइनल में भारत का पलड़ा काफी भारी है।

भारतीय प्रशंसक ने कहा सेमीफाइनल की बात करें तो न्यूजीलैंड ने 362 रन लाहौर की पटरा पिच पर बनाये हैं। लाहौर के 362 दुबई के 260 रन बराबर है और अगर चेज करने की बात आयी तो इसमें भारतीयों को कोई दिक्कत नहीं आने वाली है। गेंदबाजी की तारीफ करते हुये श्रीकांत ने कहा तीसरे मैच में विकेट बाद में जाकर स्लो हो रही थी। इसके बावजूद हमारे गेंदबाजों ने विपक्षी टीम के चार बल्लेबाजों को एलबीडब्लू,दो को बोल्ड और एक को स्टंप आउट किया। मतलब जहां विकेट स्लो था,वहां हमने सात विकेट निकाले हैं। इसलिये जसप्रीत बुमराह के बिना हमारी गेंदबाजी को कमतर आंकना प्रतिद्वंदियों की बड़ी भूल होगी।

भारतीय टीम पर अंकों की भी प्रधानता पर तर्क देते हुये उन्होने कहा चैंपियंस ट्राफी की शुरुआत 19 फरवरी को हुयी थी जबकि फाइनल नौ मार्च को खेला जायेगा। अंग्रेजी का नवां अक्षर 'आई' है और 'आई' से इंडिया होता है। इसे देख कर लगता है कि भारत संभवत÷ यह चैंपियनशिप जीत जायेगा। इससे पहले चैंपियंस ट्राफी के जो आठ टूर्नामेंट हुये थे वो सिर्फ आठ साल में हुये थे और यह नवां संस्करण आठ साल के बाद हो रहा है। यह महत्वपूर्ण हैं। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमे साउथ अफ्रीका, आस्ट्रेलिया,न्यूजीलैंड और इंडिया। अंग्रेजी वर्णमाला के अनुसार÷सानी' यानी इन चारों का कोई सानी नही है। सेमीफाइनल में इंडिया और आस्ट्रेलिया यानी 'एआई' खेली। ए का मतलब आर्टिफिशियल और आई का इंटेलीजेंस। आर्टिफिशियल सेमीफाइनल में नहीं चला जबकि इंटेलीजेंस चल गया। इसी तरह एक अन्य सेमीफाइनल न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच हुआ। इसको एनएस भी कहा जा सकता है,मतलब नार्थ पोल और साउथ पोल।

भारत को खेल महाशक्ति बनाने के लिए केंद्र और राज्यों का समन्वित प्रयास जरूरी : मनसुख मांडविया

तेलंगाना। भारत की 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक तैयारियों और 2036 ओलंपिक की मेजबानी को मजबूत करने के उद्देश्य से दो दिवसीय चिंतन शिविर लगाया गया। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में लगे इस शिविर में विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों, वरिष्ठ खेल प्रशासकों, सरकारी अधिकारियों और खेल विशेषज्ञों ने भाग लिया। डॉ. मांडविया ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी करे और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी राज्यों को मिलकर प्रयास करना होगा।

चोटिल हेनरी के चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल खेलने को लेकर संशय

एजेंसी

दुबई। चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक 10 विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी चोटिल हाने से उनके भारत के खिलाफ होने वाले महत्वूपर्ण फाइनल मुकाबले में खेलने को लेकर संशय बना हुआ है।

हेनरी को दक्षिण अफ्रीका के साथ खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान कंधे में चोट लगी थी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के आखिरी ओवरों में दो ओवर गेंदबाजी की थी। चोट के बाद मैदान में वापसी के बाद हेनरी गेंद को पकड़ने के लिए छलांग लगाते हुए भी देखे गये थे। इस चोट के कारण वह अब भारत के साथ होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल से बाहर हो सकते हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड के अनुसार फाइनल से लगभग 48 घंटे पहले भी हेनरी की फिटनेस को लेकर संशय बना हुआ है।स्टीड ने कहा, मेरे हिसाब से हमारे लिए

सकारात्मक बात यह है कि वह दोबारा गेंदबाज़ी करने उतरे थे। उनके कुछ स्कैन हुए हैं और हम उन्हें फ़ाइनल में खेलने का हर संभव मौक़ा देना चाहते हैं। हालांकि इस वक़्त उनकी स्थिति अब भी अनिश्चितता के घेरे में है।

स्टीड ने कहा, वह कंधे के बल गिरने के कारण अभी भी दर्द से कराह रहे हैं। उम्मीद है कि वह जल्द ठीक हो जाएंगे।उल्लेखनीय है कि हेनरी ने टूर्नामेंट में 16.7 की औसत से 10 विकेट लिए हैं। इनमें से पांच विकेट उन्होंने भारत के खिलाफ ग्रुप मैच में लिए थे। वैसे न्यूजीलैंड के पास दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जैकब डफी का विकल्प के रूप में मौजूद है। डफी ने इस टूर्नामेंट में न्यूज़ीलैंड के लिए अब तक कोई मैच नहीं खेला है।

डब्ल्यूपीएल : आरसीबी के लिए अब करो या मरो की स्थिति, प्लेऑफ के लिए जीतने होंगे बचे दोनों मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। पहले मुकाबले में गुजरात जायंट्स के खिलाफ रिकॉर्ड 202 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज की, फिर दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को आठ विकेट से हराया। लेकिन घरेलू मैदान पर खेले गए चारों मुकाबले गंवाने के बाद अब टीम प्लेऑफ से बाहर होने की कगार पर है। आरसीबी के अभी छह मैचों में सिर्फ चार अंक हैं और टीम अपने बचे हुए दो मुकाबले यूपी वॉरियर्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीतकर अधिकतम आठ अंकों तक ही पहुंच सकती है। दूसरी ओर, जायंट्स और मुंबई पहले ही आठ अंकों पर हैं, जबकि दिल्ली कैपिटल्स (10 अंकों के साथ) प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। हालांकि आरसीबी के लिए राह मुश्किल जरूर है, लेकिन उनकी किस्मत अब भी उनके हाथों में है। वहीं, यूपी वॉरियर्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है।

आरसीबी के लिए जीत जरूरी

आरसीबी की प्लेऑफ की उम्मीदें यूपी वॉरियर्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर टिकी हैं। हारने की स्थिति में उनकी दौड़ वहीं खत्म हो जाएगी। लेकिन जीत दर्ज करने पर आरसीबी को मुंबई इंडियंस और जायंट्स के बीच होने वाले मुकाबले के नतीजे पर नजर रखनी होगी, ताकि उन्हें यह पता चल सके कि प्लेऑफ में जाने के लिए उन्हें किस टीम से नेट रन रेट में आगे निकलना होगा। फिलहाल, जायंट्स का नेट रन रेट मुंबई से बेहतर है, लेकिन आरसीबी के लिए राहत की बात यह है कि उनका आखिरी मुकाबला मुंबई से ही होगा। आरसीबी इस समय मुंबई के नेट रन रेट से लगभग 60 रन पीछे है, लेकिन अगर वे यूपी वॉरियर्स

को 10 रन से हरा दें और जायंट्स मुंबई को भी 10 रन से हरा दें, तो आरसीबी को प्लेऑफ में जाने के लिए मुंबई के खिलाफ केवल 20 रन की जीत चाहिए होगी। दूसरी ओर, जायंट्स से आगे निकलने के लिए आरसीबी को यूपी और मुंबई के खिलाफ कुल मिलाकर लगभग 62 रन के अंतर से जीत दर्ज करनी होगी, बशर्ते जायंट्स मुंबई से केवल 10 रन से हारे।

क्या दिल्ली कैपिटल्स सीधे फाइनल में पहुंचेगी?

दिल्ली कैपिटल्स लीग चरण का अंत टॉप पर रहते हुए कर चुकी है, लेकिन उनकी सीधी फाइनल एंट्री तय नहीं हुई है। ऐसा इसलिए क्योंकि मुंबई और जायंट्स दोनों ही अंक तालिका में उनसे आगे निकल सकते हैं।

मुंबई दोनों मैच जीतकर पहले स्थान पर पहुंच सकती है, जबकि जायंट्स अगर मुंबई को बड़े अंतर से हरा देती है तो वे भी टॉप पर पहुंच सकते हैं। जायंट्स को मुंबई के खिलाफ 17 रन या 12 गेंद शेष रहते (अगर पहली पारी का स्कोर 180 हो) जीत दर्ज करनी होगी, जिससे वे दिल्ली के ह्रक्रसे आगे निकल सकें। वहीं, मुंबई इस समय दिल्ली से लगभग 30 रन पीछे है, यानी अगर वे एक मैच 10 रन से हार जाते हैं, तो उन्हें दूसरा मैच करीब 40 रन से जीतना होगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या आरसीबी अंतिम मौके का फायदा उठाकर प्लेऑफ में जगह बना पाती है या नहीं।

प्रियंका चोपड़ा

ने एक साथ बेच दिए अपने चार-चार घर, इतने करोड़ में हुई डील

करीब सात साल पहले भारत छोड़कर अमेरिका में शिफ्ट हो चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने एक साथ अपने चार-चार घर बेच दिए हैं. मुंबई में उनके ओबेरॉय स्काई गार्डन्स में एक-दो नहीं बल्कि चार-चार लग्जरी अपार्टमेंट थे.

हिंदी सिनेमा की 'देसी गर्ल' यानी कि प्रियंका चोपड़ा की गिनती इंडस्ट्री की सबसे महंगी और सबसे अमीर अभिनेत्रियों में होती है. फिल्मों के अलावा प्रियंका ब्रांड एंडोर्समेंट और इन्वेस्टमेंट से भी अच्छी खासी कमाई करती हैं. एक्ट्रेस ने अब अमेरिका में बैठे-बैठे ही भारत में करोड़ों रुपये की डील कर डाली है. प्रियंका ने मुंबई में अपने एक-दो नहीं बल्कि चार-चार अपार्टमेंट करोड़ों रुपये में बेच दिए हैं.

हिन्दुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस ने मुंबई में अपने चार अपार्टमेंट्स को एक परिवार को बेच दिया है. इससे एक्ट्रेस को 16 करोड़ रुपये से ज्यादा का फायदा हुआ है. ये लेन देन 3 मार्च 2025 को हुआ है. सचदेवा फैमिली के अलग-अलग सदस्यों ने ये प्रॉपर्टी खरीदी है.

कितने करोड़ में की डील ?

प्रियंका चोपड़ा ने अपने सभी अपार्टमेंट 16.17 करोड़ रुपये की कीमत में बेच दिए हैं. ये चारों फ्लैट मुंबई के लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स के ओबेरॉय स्काई गार्डन्स में है. इनमें से तीन फ्लैट 18वें फ्लोर पर जबकि एक फ्लैट 19वें फ्लोर पर है. फ्लैट नंबर 1801/ए श्रुति गौरव सचदेवा ने 3 करोड़ 45 लाख 11 हजार 500 रुपये में खरीदा. 1,075 स्क्वायर फीट के इस फ्लैट के लिए 17 लाख 26 हजार रुपये स्टांप शुल्क का भुगतान किया गया.

फ्लैट नंबर 1801/सी स्नेहा डांग सचदेवा ने 2 करोड़ 85 लाख रुपये में खरीदा. 885 स्क्वायर फीट के इस फ्लैट के लिए 14 लाख 25 हजार रुपये स्टांप शुल्क का भुगतान किया गया. फ्लैट नंबर 1901/सी रौनक त्रिलोका सचदेवा को 3 करोड़ 52 लाख रुपये में बेचा गया. 1,100 वर्ग फीट के इस फ्लैट के लिए 21 लाख 12 हजार रुपये का स्टांप शुल्क चुकाया गया. वहीं एक जोड़ी फ्लैट (1801/बी और 1901/बी) का सौदा 6 करोड़ 35 लाख रुपये में हुआ. इसे रजनी त्रिलोक सचदेवा ने खरीदा और 31 लाख 75 हजार रुपये का स्टांप शुल्क चुकाया गया.

शादी के बाद से अमेरिका में रह रही हैं प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा ने साल 2018 में अमेरिकी सिंगर निक जोनस से शादी की थी. शादी के बाद प्रियंका भारत छोड़कर अमेरिका में शिफ्ट हो गई थीं. वो अपने पति निक और बेटी मालती के साथ लॉस एंजिल्स में रहती हैं. हालांकि समय-समय पर एक्ट्रेस भारत आती रहती हैं. हाल ही में प्रियंका अपने भाई सिद्धार्थ चोपड़ा की शादी के लिए भारत आई थीं. वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने आखिरी बार बॉलीवुड में साल 2019 की फिल्म 'स्काई इज द पिंक' में काम किया था. उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में 'द ब्लफ' और 'हेड ऑफ स्टेट' शामिल हैं.

1000 करोड़ के दावेदार! JAAT में 6-6 विलेन को धूल चटाएंगे

सनी देओल

29 साल पहले इस फिल्म में 7 भाईयों को उतारा मौत के घाट

Sunny Deol Film: सनी देओल 'जाट' को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं. सनी इस फिल्म में 6-6 विलेन को धूल चटाने के साथ-साथ 8-8 हीरोइन के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे. लेकिन 6 विलेन को एक साथ पछाड़ना ढाई किलो के हाथ वाले सनी पाजी के लिए कोई बड़ी बात नहीं है. 29 साल पहले उन्होंने एक फिल्म में 7 भाईयों को मौत के घाट उतार डाला था. अकेले सनी देओल सब पर भारी पड़े थे.

हिंदी सिनेमा में अब तक **Sunny Deol** को पाकिस्तान के खिलाफ जंग लड़ते हुए, हैंडपंप उखाड़ते हुए और दुश्मनों पर अपने ढाई किलों के हाथ से वार करते हुए देखा गया है. अब साउथ सिनेमा में भी सनी देओल की एंट्री पर बड़ा दांव खेला गया है. डायरेक्टर गोपीचंद मालिनेनी इस बात से अनजान नहीं हैं कि सनी पाजी को एक्शन हीरो के तौर पर ही पसंद किया गया है. ऐसे में उन्होंने अपनी छ्ब्ज्ञ में सनी के किरदार को 6-6 विलेन के साथ भिड़ाने का बड़ा सीक्वेंस प्लान किया है.

इस एक्शन थ्रिलर फिल्म को 100 करोड़ के बड़े बजट के साथ तैयार किया जा रहा है. लेकिन सनी देओल के लिए एक साथ 6-6 विलेन को धूल चटाना कोई बड़ी बात नहीं है. क्योंकि 29 साल पहले वो एक फिल्म में 7 भाईयों को मौत के घाट उतार चुके हैं.

सातों को साथ मारूंगा एक साथ मारूंगाज्सनी देओल का ये धांसू डायलॉग तो आपको याद ही होगा. जब फिल्म में सातों भाईयों को मारने की सनी पाजी ने ये कसम खा ली थी, तो सातों भाईयों ने एक साथ घूमना ही बंद कर दिया था. अब इसे डर कहें या सातों भाईयों का खुद पर हौसला कि वो एक-एक करके सनी देओल से भिड़ने के लिए निकल पड़े. बस फिर क्या था सातों को एक साथ न सही, लेकिन एक-एक करके सभी को सुपरस्टार ने ऐसी मौत दी थी कि सिनेमाघरों में लोग कुर्सी छोड़कर खड़े होने पर मजबूर हो गए थे.

29 साल पहले 7-7 विलेन से भिड़ चुके हैं सनी

पूरा थिएटर तालियों और सीटियों की आवाज से गूंज उठा था. ढाई किलो के हाथ वाले सनी देओल के लिए फैन्स की दीवानी दोगुना बढ़ गई थी. अगर आप सनी देओल के फैन हैं तो अब तक आप फिल्म का नाम समझ चुके हैं. ये फिल्म साल 1996 में आई **Ghatak** थी.

ये पिक्चर सनी की धमाकेदार एक्शन फिल्मों में से साबित हुई थी. 29 साल पहले आई इस फिल्म को 6 करोड़ के बजट के साथ बनाया गया था. वहीं इस एक्शन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 26.58 करोड़ की छप्परफाड़ कमाई की थी.

Aamir Khan का सबसे बड़ा कमबैक! सिर्फ 7 दिन बाद 12-13 फिल्मों के साथ थिएटर में लौट रहे हैं सुपरस्टार!

Aamir Khan के कमबैक का हर किसी को इंतजार है. साल 2022 के बाद से आमिर को बड़े पर्दे पर नहीं देखा गया है. उनकी पिछली फिल्म लाल सिंह चड्ढा बड़ी फ्लॉप साबित हुई थी. इस फिल्म के फ्लॉप होने से सुपरस्टार काफी निराश हो गए थे. हालांकि अब आमिर ने अपने कमबैक की तैयारी शुरू कर दी है. अब तक ये माना जा रहा था कि फिल्म सितारे जमीन पर से वापसी करेंगे, लेकिन अब ऐसा नहीं है. सिर्फ 7 दिन बाद आमिर खान अपनी 5-5 फिल्मों के साथ सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रहे हैं. आमिर की 12 से 13 फिल्में फिर से थिएटर में री-रिलीज होने जा रही हैं. इस लिस्ट में 750 करोड़ी फिल्म का नाम भी शामिल है.

मार्च के महीने को मजेदार बनाने के लिए पीवीआर आईनॉक्स ने एक मास्टर प्लान बनाया है. आमिर खान के 60वें जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए ये प्लान तैयार किया गया है. इस महीने जहां सलमान खान की सिकंदर, द डिप्लोमैट, मिकी 17, स्नो व्हाइट, किंगस्टोन, द डे द अर्थ ब्लू अप और किंग्स्टन जैसी नई फिल्में रिलीज होने वाली हैं. वहीं भारत की सबसे बड़ी मल्टीप्लेक्स चेन ने आमिर की 12 से 13 फिल्मों को फिर से रिलीज करने की प्लानिंग की है.

आमिर खान के जन्मदिन पर फैन्स को तोहफा

पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर संजीव कुमार बिजली ने बॉलीवुड हंगामा को इस बात की जानकारी दी है. संजीव कुमार बिजली का कहना है कि इस महिला दिवस पर, हम क्वीन, फ़ैशन और हाइवे को फिर से रिलीज़ कर रहे हैं. इस महीने कई फ़िल्में फिर से रिलीज़ हो रही हैं जैसे लुटेरा, शादी में ज़रूर आना, लम्हे, द कराटे किड (1984), हाफ़ गर्लफ्रेंड, कर्ज़ और घातक. हमारे पास पूरा आमिर खान फ़िल्म फ़ेस्टिवल भी है. उनकी 12 या 13 फ़िल्में फिर से बड़े पर्दे पर दिखाई जाएंगी.

लगान, तारे ज़मीन पर, रंग दे बसंती फिर होंगी रिलीज

पीवीआर आईनॉक्स के प्रेस बयान के अनुसार, आमिर खान की कुछ फ़िल्में जो उनके जन्मदिन पर फिर से रिलीज़ होंगी. इनमें लगान, तारे ज़मीन पर, रंग दे बसंती, दिल चाहता है और पीके जैसी फिल्मों का नाम शामिल है. यानी आमिर खान का 60वां जन्मदिन फैन्स के लिए काफी यादगार होने वाला है.

'बदन को छीलकर नमक लगायाज', छावा के टॉर्चर सीन पर विनीत कुमार सिंह का चौंकाने वाला खुलासा

बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड एक्टर विकी कौशल की फिल्म 'छावा' छप्परफाड़ कमाई कर रही है. फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया है. फिल्म ने दुनियाभर में 600 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है जबकि इंडियन बॉक्स ऑफिस पर ये 500 करोड़ रुपये के आंकड़े के करीब है. फिल्म में विकी कौशल ने छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभाया है. वहीं उनके खास दोस्त कवि कलश के रूप में एक्टर विनीत कुमार सिंह नजर आए हैं.

विनीत कुमार सिंह को भी कवि कलश के रोल में पसंद किया गया है. विनीत कुमार सिंह ने अब फिल्म को लेकर एक बड़ा और हैरान करने वाला खुलासा किया है. आरजे रौनक के पॉडकास्ट पर पहुंचे विनीत कुमार ने बताया कि फिल्म में जो हिंसा दिखाई गई है वो असलियत में हुई क्रूरता का आधा अभी नहीं है. बल्कि काफी कम है.

संभाजी महाराज-कवि कलश की समाधि पर गए थे विनीत

फिल्म के क्लाइमैक्स सीन में औरंगजेब द्वारा छत्रपति संभाजी महाराज को टॉर्चर करते हुए दिखाया गया. इस पर लोग दो हिस्सों में बंट गए. लेकिन इस मुद्दे पर विनीत कुमार ने कहा, मैं फिल्म शुरू होने से पहले छत्रपति संभाजी महाराज और कवि कलश की समाधि पर गया था. वहां मैंने समय बिताया और आधा दिन रहा. मैं समाधि के पास ही बहुत देर तक बैठा रहा. मुझे लोगों ने बहुत सारी कहानियां सुनाई. तो उस समय जो क्रूरता हुई थी उसका एक हिस्सा बस दिखाया गया है वो भी कम है. आप ऐसे सोचिए कि एक महीने से ज्यादा समय तक किसी को टॉर्चर कर रहे हो और उसको फिर शूट करोगे तो आप समझ रहे हो आपको क्या देखने को मिलेगा ?

बदन को छीलकर नमक लगाया जा रहा

विनीत ने आगे कहा, मैं एक डॉक्टर रहा हूं. मैंने देखा है इमरजेंसी में जब लोग आते हैं न चोट लग जाती है, कोई घटना घट गई है और इंजरी हो गई है तो उनका घाव साफ करने के लिए जब हम एंटीसेप्टिक चीजें इस्तेमाल करते हैं तो बाप-बाप चिल्लाते हैं लोग, नाना-नानी याद आ जाते हैं. जब हड्डी फ्रैक्चर हो जाती है तो उसे ठीक करने के लिए डॉक्टर हाथ लगाते हैं तो मरीज की जो चीखें मैंने सुनी है. यहां छावा में तो बदन को छीलकर उस पर नमक लगाया जा रहा है.